ಶುಭ್ ಲಾಭ್

# शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मैसूरु सिटी कॉरपोरेशन के लिए जल्द चुनाव कराने की मांग तेज @ नम्मा बेंगलूरु


Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 20 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-77


### आठ दिन का अभियान नौ माह 13 दिन के अंतरिक्ष प्रवास में बदला

# अंतरिक्ष में परचम लहरा कर पृथ्वी पर लौटीं सुनीता विलियम्स

- ट्रंप का दृढ़ वादा और मस्क का दृढ़ इरादा काम आया
- सुरक्षित वापसी में नासा व स्पेसएक्स का नायाब श्रम
- पीएम मोदी ने सुनीता को भारत की शानदार बेटी कहा
- पीएम मोदी ने सुनीता को भारत आने का न्यौता दिया

**फ्लोरिडा, 19 मार्च (एजेंसियां)।** नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) से संबद्ध भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर धरती पर सुरक्षित वापस लौट आए। फ्लोरिडा के तट पर उनकी सफल लैंडिंग हुई। दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर स्पेसएक्स क्रू-9 वापस धरती पर आ गया। नासा के ये दोनों अंतरिक्ष यात्री मात्र आठ दिन के मिशन पर गए थे, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण दोनों नौ माह और 13 दिन तक अंतरिक्ष में फंसे रहे। उनकी वापसी का श्रेय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगी एलन मस्क को जाता है, जिन्होंने अंतरिक्ष प्रयोगशाला में फंसी सुनीता विलियम्स को सुरक्षित वापस लाने का वादा किया था। तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी के मसले पर कतई गंभीर नहीं थे।

सुनीता विलियम्स की वापसी के पहले ही भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें पत्र लिख कर अपनी एवं सम्पूर्ण देशवासियों की शुभकामनाएं दी थी। पीएम मोदी ने सुनीता विलियम्स को भारत आने का न्यौता भी दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पत्र में कहा, भले ही आप हजारों मील दूर हों, लेकिन आप हमारे दिलों के करीब हैं। भारत के लोग आपके अच्छे स्वास्थ्य और आपके मिशन में सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। आपकी वापसी के बाद हम भारत में आपसे मिलने के लिए उत्सुक हैं। भारत के लिए अपनी सबसे शानदार बेटियों में से एक की मेजबानी करना खुशी की बात होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनीता विलियम्स को 1 मार्च 2025 को पत्र लिखा था। पीएम मोदी ने लिखा, मैं आपको भारत के लोगों की ओर से शुभकामनाएं देता हूं। आज एक कार्यक्रम में मेरी मुलाकात प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्री माइक मैसिमिनो से हुई। हमारी बातचीत के दौरान आपका नाम आया और हमने चर्चा की कि हमें आप पर और आपके काम पर कितना गर्व है।

इस बातचीत के बाद, मैं खुद को आपको पत्र लिखने से नहीं रोक पाया। भारत के 140 करोड़ लोगों को आप पर गर्व है। हाल की घटनाओं ने एक बार फिर आपकी दृढ़ता को दर्शाया है। भले ही आप हजारों मील दूर हैं, लेकिन आप हमारे दिल के करीब हैं। भारत के लोग आपके कुशल स्वास्थ्य और आपके मिशन में सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। सुनीता विलियम्स के साथ मुलाक़ात का जिक्र भी पीएम मोदी ने किया। पीएम मोदी ने उनके पिता के साथ 2016 में हुई मुलाक़ात की भी चर्चा की और विलियम्स को भारत की सबसे शानदार बेटियों में से एक बताया। पीएम मोदी ने इच्छा जताई कि वह उनकी धरती पर वापसी के बाद उनसे मिलना चाहेंगे।

▶10पर

## सुनीता विलियम्स ने एक साथ तोड़े कई रिकॉर्ड

**फ्लोरिडा, 19 मार्च (एजेंसियां)।** 5 जून 2024 को जब भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बैरी विल्मोर बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पहुंचे थे, तब किसी ने सोचा नहीं था कि उनका आठ दिन लंबा मिशन 9 महीनों से ज्यादा समय के लिए खिंच जाएगा। अब अमेरिकी समयानुसार 18 मार्च को देर शाम जब सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर पृथ्वी पर लौटे, तो वे आईएसएस पर 286 दिन बिता चुके थे। इस लंबी अवधि में सुनीता विलियम्स ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। इनमें स्पेसवॉक से लेकर स्पेसशिप में समय बिताने तक के रिकॉर्ड हैं।सुनीता विलियम्स अब तक तीन बार अंतरिक्ष मिशन पर जा चुकी हैं। इनमें 2006, 2013 और 2024 के स्पेस मिशन शामिल हैं। जहां उन्होंने कुल मिलाकर 608 घंटे अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर बिताए हैं।

▶10पर

### षडयंत्रकारी जॉर्ज सोरोस की संस्थाओं पर ईडी का छापा

# भारत विरोधी धन-दान पर देर से जागी सरकार

**नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।** भारत के खिलाफ षडयंत्रों में लगे अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस की फंडिंग संस्था ओपन सोसाइटी फाउंडेशन (ओएसएफ) से जुड़े कई ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापामारी की। सोरोस से जुड़े कई संगठनों की जांच फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (फेमा) के उल्लंघन मामले में की जा रही है। वर्ष 2016 में गृह मंत्रालय भारत में एनजीओ को अनियमित दान देने के मामले में ओएसएफ पर रोक लगाई थी। लेकिन ओएसएफ ने भारत सरकार के इस आदेश को ताक पर रख कर विभिन्न एनजीओ को धन देना जारी रखा। सोरोस का धन लेकर सारे एनजीओ भारत विरोधी गतिविधियों में सक्रिय हैं। फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) और कंसलटिंग फीस के नाम पर पैसा भारत लाकर ओएसएफ अलग-अलग एनजीओ को फंडिंग दे रहा था। ईडी अब ओएसएफ और उसके द्वारा भारत में लाए गए विदेशी निवेश की सभी फाइलें खंगाल रहा है। ईडी का स्कैनर एस्पाडा इंटरनेशनल नाम की एक कंपनी पर भी है। यह भारत के भीतर सोरोस इकॉनोमिक डेवलपमेंट फाउंडेशन (एईडीएफ) की सलाहकार है और मॉरिशस की एक कम्पनी की सब्सिडियरी कंपनी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस द्वारा स्थापित

▶10पर

**2016 से ही सोरोस कर रहा था फेमा कानून का उल्लंघन**

**नेता, एनजीओ, नौकरशाह सब खा रहे थे सोरोस का पैसा**

### विदेशी फंडिग के बूते चल रहा धर्मांतरण का गोरखधंधा

# धर्मांतरण रोकने के लिए आएगा सख्त कानून

**रायपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)।** छत्तीसगढ़ में गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) के जरिए व्यापक पैमाने पर धर्मांतरण का धंधा चलाया जा रहा है। इसमें भारी तादाद में विदेशी फंडिंग हो रही है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा, धर्मांतरण में विदेशी फंडिंग के मामले की जांच के लिए केंद्र सरकार से कहा गया है। विदेश फंडिंग मामले की जांच और कार्रवाई का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। छत्तीसगढ़ में सक्रिय 364 गैर सरकारी संस्थाओं के खिलाफ जांच जारी है। इनमें से 84 संस्थाओं की विदेशी फंडिंग रोकी गई है। 127 संस्थाओं की वैधता समाप्त की गई है। विदेशी फंडिंग मामले की विस्तार से जांच कराई जा रही है।धर्मांतरण को रोकने के लिए छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार जल्द ही नया कानून बनाएगी। गृह मंत्री विजय शर्मा ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 1968 लागू है, लेकिन अब नए प्रावधानों के साथ एक सख्त और प्रभावी कानून की आवश्यकता महसूस की जा रही है। गृह मंत्री ने कहा कि देशभर में सबसे प्रभावी प्रावधानों के साथ एक नया कानून बनाया जाएगा। सरकार धर्मांतरण गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाने के लिए इस कानून को लागू करेगी। प्रदेश में कुल 153 संस्थाएं विदेशी फंडिंग पर चल रही हैं, जिन्हें 200 से 300 करोड़ रुपए का फंड राज्य से भी मिलता है। सरकार अब इन सभी पर कड़ी निगरानी रखेगी और सुनिश्चित करेगी कि कोई भी संस्था धर्मांतरण के लिए इस फंड का दुरुपयोग न करे।

▶10पर

**छत्तीसगढ़ में सैकड़ों संस्थाओं को मिल रहा विदेश से धन**

**84 संस्थाओं की फंडिंग रोकी गई, 127 की वैधता समाप्त**

## कार्टून कॉर्नर

## मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : $36^0$

न्यूनतम : $24^0$

## उत्तराखंड में लैंड-जेहाद पर हो रही सख्त कार्रवाई

**पांच सौ से अधिक अवैध मदरसे चिन्हित किए गए**

**देहरादून, 19 मार्च (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर उत्तराखंड में चल रहे लैंड-जेहाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है। इसके तहत प्रशासन ने उधमसिंह नगर के 29 अवैध मदरसों को सील कर दिया। केवल एक जिले में ही सौ से अधिक अवैध मदरसे चिन्हित किए गए हैं। उत्तराखंड में 5 सौ से अधिक अवैध मदरसे चिन्हित किए गए हैं जिनमें से 82 के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

काशीपुर परगना क्षेत्र में 17 अवैध मदरसों को सील कर दिया गया है। सितारगंज क्षेत्र अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा क्षेत्र अंतर्गत अवैध रूप से संचालित हो रहे कुल 17 मदरसों पर कार्रवाई करते हुए 10 मदरसे सील किए गए जबकि सात मदरसों को नोटिस दिया गया है। शासन स्तर से इन अवैध मदरसों के खिलाफ कई पहलुओं की जांच भी की जा रही है। यहां कहां कहां के बच्चे पढ़ रहे हैं?

▶10पर

### खालिस्तानवादी हरकतें रोकने में पंजाब सरकार नाकाम

## बसें रोक कर लगाए जा रहे भिंडरावाले के पोस्टर

**चंडीगढ़, 19 मार्च (एजेंसियां)।** पंजाब सरकार खालिस्तानवादी हरकतों पर अंकुश लगाने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। पंजाब में बाहरी राज्यों से आने वाली बसें रोक कर उस पर जबरन खालिस्तानी आतंकी भिंडरावाले के पोस्टर चिपकाए जा रहे हैं। प्रशासन चुप्पी साधे हुए हैं।

खालिस्तानी आतंकी जरनैल सिंह भिंडरावाला के समर्थक हिमाचल प्रदेश में गुंडागर्दी पर उतर आए हैं। वह भिंडरावाले के झंडे लगाकर घूमने पर अड़े हुए हैं। उनको रोकने का प्रयास करने वाले हिमाचल के लोगों के साथ हाथापाई की गई और उन्हें धमकाया गया है। यहां तक कि हिमाचल प्रदेश से पंजाब जाने वाली बसों को रोक कर उन पर जबरदस्ती भिंडरावाले पोस्टर गए हैं। यह विवाद होली के दौरान चालू हुआ। होली के साथ ही सिखों का होला मोहल्ला त्यौहार होता है। इस त्यौहार के दौरान बड़ी संख्या में पंजाब के लोग हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला में स्थित मणिकर्ण गुरूद्वारे में दर्शन करने के लिए आते हैं।

बीते कुछ वर्षों से यहां बड़ी संख्या में सिख युवा भी आ रहे हैं। यह युवा पंजाब के अलग-अलग हिस्सों से बाइक से हिमाचल प्रदेश आते हैं। बीते कुछ वर्षों में इस यात्रा के दौरान हुडदंग की शिकायतें आई हैं। इस बार भी यह विवाद इन्हीं बाइक से आने वाले युवकों से चालू हुआ। 15 मार्च को मनाली के छियाल इलाके में पंजाब से दो युवक बाइक पर आए।

▶10पर

### सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का आदेश खारिज किया

## केरल के मंदिरों में नहीं रुकेगा हाथी जुलूस

**नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।** सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाईकोर्ट के एक फैसले पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला केरल के मंदिरों के भीतर हाथी जुलूस और उनके धार्मिक अनुष्ठानों में उपयोग में रोक को लेकर था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हाथियों का मंदिरों में उपयोग हमारी संस्कृति का हिस्सा है और हाईकोर्ट का आदेश इसे रोकने की क्षमता रखता है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने यह रोक लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश सामाजिक संस्था गज सेवा समिति की याचिका पर दिया है। केरल हाईकोर्ट ने मंदिरों में हाथियों के उपयोग पर रोक लगाने का आदेश जनवरी 2025 में दिया था। याचिका दाखिल करने वाली संस्था गज सेवा समिति ने आरोप लगाया था कि हाथियों पर रोक लगाने की मांग करने वाले हिंदुओं की दो हजार साल से अधिक पुरानी

▶10पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

## सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हटाने के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी: मंत्री

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने विधान परिषद में कहा कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हटाने के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जेडीएस सदस्य टी.ए. सरवण के एक प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि गोमल और केरे सहित सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी को भी फर्जी दस्तावेज बनाने और सरकारी जमीन दूसरों को बेचने से रोकने के लिए हर तालुके में उचित कानून लागू किए जाएंगे।

यह सुझाव दिया गया है कि प्रत्येक तालुका में सरकारी भूमि अतिक्रमण हटाने का अभियान सप्ताह में दो बार चलाया जाए। उन्होंने कहा कि यह कार्य पहले ही शुरू हो चुका है तथा इसमें और तेजी लाई जाएगी। बेंगलूरु शहरी जिले में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के संबंध में 272 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। शहरी जिले के विभिन्न गांवों में सरकारी भूमि का मूल्य दिशा-निर्देशों और बाजार मूल्य के अनुसार निर्धारित किया गया है। अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए जाएंगे, मामला दर्ज किया जाएगा, जांच की जाएगी और चरणबद्ध तरीके से जमीन खाली कराई जाएगी। भूमि हड़पने के निषेध के लिए विशेष न्यायालय में तहसीलदार स्तर पर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए कदम उठाए गए हैं। पुलिस थाने में अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ आपराधिक मामला भी दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कुल 136 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि अतिक्रमणकारियों से खाली कराई गई भूमि सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए आरक्षित की जाएगी।

### डीआरयूसीसी सदस्य सेमलानी ने डीआरएम को सौंपा ज्ञापन

# सीजन में कर्नाटक से राजस्थान के लिए विशेष ट्रेन चलाने की मांग

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

दक्षिण पश्चिम रेलवे बेंगलूरु रेल मंडल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य अश्विन सेमलानी ने बुधवार को मंडल रेल प्रबंधक को दिए ज्ञापन में कर्नाटक के विभिन्न शहरों से राजस्थान के प्रमुख शहरों के लिए समर व शादियों के सीजन के लिए विशेष ट्रेनें चलाने की मांग की। उन्होंने ज्ञापन में बताया कि कर्नाटक के बेंगलूरु, मैसूरु और हुब्बल्ली से राजस्थान के प्रमुख जयपुर, जोधपुर, अजमेर, जालोर, बाड़मेर, उदयपुर तथा कोटा शहर के लिए एक भी दैनिक ट्रेन नहीं होने के कारण राजस्थानी प्रवासियों को अपने शहर, गांव जाने में ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बेंगलूरु, मैसूरु और हुब्बल्ली-धारवाड़ शहरों में हजारों की संख्या में राजस्थानी प्रवास करते हैं। बेंगलूरु से जोधपुर वाया भीलड़ी-जालोर के लिए अभी तक रेल की सीधी सुविधा नहीं है। बेंगलूरु से भीलड़ी-जालोर मार्ग पर वाया हुब्बल्ली, पुणे मात्र एक ही ट्रेन संख्या

14805/06 चलती है। इसमें क्षमता से अधिक यात्री भार होने के कारण लोगों को आरक्षण मिलना बहुत मुश्किल होता है। इस ट्रेन को साप्ताहिक से त्रि साप्ताहिक करने के साथ इस मार्ग पर बेंगलूरु से जोधपुर वाया भीलड़ी-जालोर के लिए एक अतिरिक्त ट्रेन चलाई जानी चाहिए। बेंगलूरु से अजमेर के बीच चलने वाली ट्रेन संख्या 16209/16210 का ठहराव पाली जिले के जवाईबांध स्टेशन पर सुनिश्चित कराने से हजारों यात्रियों को इसका लाभ मिलेगा। जवाई बांध व इस स्टेशन के आसपास के गावों के हजारों लोग बेंगलूरु-मैसूरु में अपना व्यवसाय एवं नौकरी करते हैं। ट्रेन का ठहराव सुनिश्चित होने से कर्नाटक में रहने वाले प्रवासियों को अपने घर जाने के लिए परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। रेलवे को इस ट्रेन के फेर भी बढ़ाने चाहिए। यह ट्रेन जहां अजमेर के जायरीन के लिए एक मात्र ट्रेन है। वहीं पुष्कर तीर्थ को भी जोड़ती है। यह विडम्बना ही है कि रेलवे हर समर सीजन में अन्य प्रदेशों के लिए दर्जनों ट्रेन चलाता है। लेकिन राजस्थान के लिए एक या दो ट्रेन ही मिल पाती हैं। मंडल रेल प्रबंधक से आग्रह है कि इस समर सीजन में विशेष ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जाए। साथ ही सभी मार्गों पर दो से तीन ट्रेन जरूर चलें ताकि शादियों के सीजन के दौरान प्रवासी बंधु अपने घर जा व आ सकें।

## लोकसभा अध्यक्ष बिरला को किया आमंत्रित

**हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।**

इचलकरंजी के नारायणराव बाबासाहेब एजुकेशन सोसायटी के 125वें वर्ष पर आयोजित होने वाले समारोह व ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन हुब्बल्ली द्वारा संचालित महावीर लिंब सेंटर के 25 वर्ष की सिल्वर जुबली समारोह के मद्देनजर फेडरशन के संस्थापक अध्यक्ष शिक्षाविद महेन्द्र सिंघी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने कोटा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से उनके निवास स्थान पर मुलाकात कर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। प्रतिनिधिमंडल में महावीर लिंब सेंटर के सलाहकार समिति सदस्य व वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के गौरव अध्यक्ष बाबूलाल पारेख, कार्याध्यक्ष गौतम भुरट, लिंब सेंटर के कन्वीनर सुभाषचंद्रा डंक सहित अन्य उपस्थित थे।

## पैतृक ग्राम के विकास में हर संभव सहयोग के लिए हमेशा रहेंगे तैयार: तेजराज शर्मा

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

जननी जन्म भूमि स्वर्ग से महान होती है, पैतृक ग्राम के विकास में हर संभव सहयोग में हमेशा अग्रणी रहेंगे। यह बात शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज कर्नाटक के वरिष्ठ समाज सेवी तेजराज शर्मा ने पाली जिले के सोजत उपखंड के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मुरडावा में आयोजित भामाशाह सम्मान समारोह में उपस्थित विद्यालय परिवार एवं ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कही। प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र वैष्णव ने भामाशाह परिवार द्वारा विद्यालय में सहयोग का विवरण देते हुए बताया कि शर्मा परिवार 1980 से लगातार जब भी विद्यालय को आवश्यकता हुई, सहयोग में अग्रणी रहा है। जिसमें पुराने विद्यालय भवन निर्माण एवं नवीन विद्यालय भवन निर्माण में शर्मा परिवार ने तन, मन एवं धन से सहयोग दिया है। इससे पूर्व विद्यालय परिवार द्वारा शर्मा परिवार का माला, साफा एवं शॉल ओढ़ाकर भव्य स्वागत किया गया।

स्वागत समारोह में विद्यालय के बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई, जिसमें बच्चों का गैर नृत्य मुख्य आकर्षक रहा। इस अवसर पर उदयनारायण शर्मा, रमेश शर्मा, तेजराज शर्मा, इंद्रा बाई शर्मा, कमला शर्मा, प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र वैष्णव, अनिल रोहिसवाल, कुसुमलता, दे-वीसिंह गौड़, त्रिलोक प्रजापत, भोपाल सिंह, शिवलाल, विक्रम शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, किशोर शर्मा, अनुराग शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

## राज्य में सरकारी स्कूलों की स्थिति बहुत खराब: भोजेगौड़ा

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

जेडीएस नेता एस.एल.भोजेगौड़ा ने विधान परिषद में सरकार से मलनाड क्षेत्र में बबूल और नीलगिरी के पेड़ों को हटाने का आग्रह किया। 2025-26 के बजट अनुमानों पर चर्चा में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि मलनाड क्षेत्र में बबूल और नीलगिरी के पेड़ फल-फूल रहे हैं। यदि इसे हटा दिया जाए तो बेहतर वातावरण बनेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि जिस क्षेत्र में ये पेड़ लगाए गए हैं, वहां फलदार पेड़ भी उगाए जाएं। कोडागु, हासन और चिकमगलूरु में जंगली जानवरों के हमलों के कारण कई लोगों की जान चली गई है। उन्होंने कहा कि मानव-पशु संघर्ष को रोकने के लिए उचित उपाय किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि हल्लीकर, अमृतमहल और मालेनाडु छोटी नस्ल की गायों को संरक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य में सरकारी स्कूलों की स्थिति बहुत खराब है। यहां अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की 60 प्रतिशत कमी सरकारी स्कूलों में है। अतिथि शिक्षकों को पांच-छह माह से कोई मानदेय नहीं दिया गया है। उन्होंने मांग की कि उन्हें समय पर मानदेय दिया जाए। यद्यपि 4.9 लाख करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत कर दिया गया है, लेकिन शैक्षिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध नहीं कराई गई है। सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है। 55 प्रतिशत बच्चे निजी स्कूलों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। कन्नड़ माध्यम के 80 प्रतिशत स्कूल बंद होने की स्थिति में पहुंच गए हैं। एक हजार स्नातक महाविद्यालयों में शारीरिक शिक्षा के कोई शिक्षक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आईटीआई कॉलेजों की स्थिति भी अच्छी नहीं है।

## कांग्रेस विधायक ने कुनिगल में किसानों को सहकारी ऋण देने से इनकार करने के लिए राजन्ना पर निशाना साधा

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

तुमकुरु जिले के कुनिगल निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले कांग्रेस सदस्य एच.डी. रंगनाथ ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के किसानों को सहकारी समितियों से ऋण देने से इनकार करने के लिए सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना पर निशाना साधा। विधानसभा में बुधवार को राज्य के बजट पर बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी प्रमुख डी.के. शिवकुमार के रिश्तेदार रंगनाथ ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के किसानों को सब्सिडी वाले ऋण देने से इनकार करने के लिए राजन्ना की आलोचना की।

राजन्ना शिवकुमार को केपी-सीसी प्रमुख के पद से हटाने और सरकार और पार्टी में शिवकुमार के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए उपमुख्यमंत्री के 3 या 4 पदों के सृजन की मांग कर रहे हैं। रंगनाथ

ने सहकारिता मंत्रालय को छोड़कर सभी सरकारी विभागों से समर्थन मिलने का दावा किया। कांग्रेस सदस्य ने कर्नाटक सरकार से डेयरी किसानों की बढ़ती लागत को पूरा करने के लिए दूध की कीमतों में बढ़ोतरी करने का भी आग्रह किया।

सुल्लिया निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली भागीरथी मुरुल्या (भाजपा) ने ग्राम पंचायतों में शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के मानदेय को 9,000 प्रति माह से बढ़ाने का आग्रह किया। शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति विभिन्न मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर पूरे कर्नाटक में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में अंबेडकर भवन के निर्माण और एससी/एसटी कॉलोनियों के विकास की भी मांग की। भाजपा सदस्य ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में हाथियों और धन के खतरे और जंगली जानवरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने का मुद्दा उठाया।

## 15,000 एकड़ जमीन मंदिरों के नाम पर दर्ज: मंत्री रामलिंगा रेड्डी

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

परिवहन एवं मुजराई मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि राज्य में 34,000 मुजराई मंदिर हैं और 15,000 एकड़ भूमि पहले ही मंदिरों के नाम पर पंजीकृत हो चुकी है। प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक सी.टी. रवि के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि मुजराई मंदिरों की सभी संपत्तियों को संबंधित मंदिरों के नाम पर पंजीकृत करने के लिए कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्य शीघ्र ही पूरा कर लिया जाएगा।

इनामु दत्तात्रेय पीठ, होबली, चिकमगलूरु जगार गांव की अकरबंदी के अनुसार यह संपत्ति 6,213 एकड़ और 25 गुंटा है। 104 एकड़ 39 गुंटे भूमि स्वीकृत की गई है। मंत्री ने कहा कि दत्त-त्रेय पीठ का कुल भूमि क्षेत्र 1861 एकड़ और 31 गुंटा है। यदि भूमि का आवंटन अवैध रूप से किया गया है तो राजस्व विभाग के प्रधान सचिव द्वारा जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति को 6 एकड़ से अधिक जमीन आवंटित करने की भी जांच की जाएगी। इससे पहले बोलते हुए सी.टी. रवि ने मांग की कि जांच के लिए राजस्व एवं आबकारी विभाग द्वारा एक विशेष जांच दल गठित किया जाए। सदस्य डी.टी. श्रीनिवास के प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के अंतर्गत हिंदू धार्मिक संस्थाओं और अधिसूचित संस्थाओं को श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए दान, चढ़ावे आदि से होने वाली आय संबंधित मंदिरों के कोष में जमा की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंदिर से होने वाली कोई भी आय सरकारी खजाने में जमा नहीं की जाएगी। जेडीएस के वर्तमान नेता टी.एन. जावराई के एक प्रश्न के उत्तर में मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि धार्मिक बंदोबस्ती विभागों द्वारा रखे गए अवशेषों का नाम संबंधित देवता के नाम पर रखने के लिए कदम उठाए जाएंगे। आदेश दिया गया है कि म्यूटेशन और आरटीसी में मंदिर का नाम दर्ज करते समय मंदिर और कर्नाटक सरकार के धार्मिक बंदोबस्ती विभाग का नाम उल्लेखित किया जाना चाहिए।

मंदिर की संपत्तियों का सर्वेक्षण और भूमि को मंदिरों के नाम पर पंजीकृत करने का कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि एक बार जब मंदिर की भूमि मान लिया जाएगा तो यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे कि यह हमेशा मंदिर की भूमि ही रहे।

# मंडल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित

### विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) की बैठक बुधवार को बेंगलूरु मंडल कार्यालय में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) अमितेश कुमार सिन्हा ने की। बैठक को संबोधित करते हुए डीआरएम अमितेश कुमार सिन्हा ने मंडल में विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत मंडल के 19 स्टेशनों को विकास के लिए चुना गया है, जिनमें से 16 पर काम पहले से ही चल रहा है। एबीएसएस का उद्देश्य यात्री सुविधाओं को बढ़ाना है, जैसे कि बेहतर पार्किंग सुविधाएं, आधुनिक स्टेशन भवन, फुटओवर ब्रिज और बेहतर समग्र स्टेशन बुनियादी ढांचा, जिससे समग्र यात्रा अनुभव में सुधार हो। एबीएसएस के अलावा, डीआरएम ने बेंगलूरु छावनी और यशवंतपुर स्टेशनों पर बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण परियोजनाओं के साथ-साथ तुमकुरु और केएसआर

बेंगलूरु स्टेशनों के विकास की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि बेंगलूरु मंडल ने माल ढुलाई और यात्री आय दोनों में सकारात्मक वृद्धि देखी है। उन्होंने कहा कि आगे के विकास में बुनियादी ढांचे का उन्नयन शामिल है जैसे नई रेलवे लाइनें बिछाना, मौजूदा पटरियों का दोहरीकरण और बेंगलूरु कैंटोनमेंट और व्हाइटफील्ड के बीच रेलवे लाइन को चौगुना करना, जिससे कनेक्टिविटी और परिचालन दक्षता में सुधार होगा। इस अवसर पर, वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक कृष्ण चैतन्य ने सदस्यों को बेंगलूरु डिवीजन की विभिन्न उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी जैसे यूटीएस, पीआरएस, एसटीबीए आदि के प्रावधान के माध्यम से टिकट बिक्री में सुधार के प्रयास, डिजिटल पहल, क्यूआर डिवाइस के माध्यम से यूटीएस टिकटिंग, चालू वित्तीय वर्ष के दौरान डिवीजन द्वारा कैप्चर किया गया नया ट्रैफिक, विभिन्न स्टेशनों पर यात्री सुविधा कार्य प्रगति पर हैं। बाद में, विभिन्न रेलवे से संबंधित मामलों पर डीआरयूसीसी सदस्यों के साथ चर्चा की गई। इनमें स्टेशनों पर लिफ्ट और अन्य सुविधाओं का प्रावधान, सुरक्षा बढ़ाने के लिए रेलवे लाइनों की बाड़बंदी, कुछ स्टेशनों पर अतिरिक्त ट्रेन ठहराव आदि शामिल थे। सदस्यों ने दिव्यांग यात्रियों के लिए आसान यात्रा की सुविधा के लिए दिव्यांगजन रियायत कार्ड से संबंधित सुधारों का भी सुझाव दिया। बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक-आशुतोष माथुर, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक-डॉ. कृष्ण रेड्डी, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक-कृष्ण चैतन्य, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर-विक्रम, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक-प्रभावती गजलक्ष्मी, वरिष्ठ मंडल पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधक प्रिया और वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त-श्रेयांश मौजूद थे। इसके अलावा बैठक में डीआरयूसीसी के कर्णम रमेश, टी.जे. गिरीश, मोहम्मद बेग, चिन्नगुट्टप्पा, रामवत मिश्रीमल, सतीशा एस.सी आदि सदस्य भी मौजूद थे।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।*** *जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व में पूर्व अध्यक्ष रूपचद कुमठ, दिनेश खींवेसरा, पूर्व मंत्री पवन मांडोत, साधु साध्वी चेयरमैन कपिल काल्या, सह चेयरमैन अर्चित पारेख और मौनीश मुथा ने आचार्य रत्नाकर सुरीश्वरजी, विनयमुनि जी एवं साध्वी श्री पावन प्रभाजी के दर्शन वंदन का लाभ लिया। साथ ही श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव की जानकारी देते हुए उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया।*

## रान्या राव के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने पर यतनाल के खिलाफ मामला दर्ज

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** सोना तस्करी मामले में गिरफ्तार अभिनेत्री रान्या राव के बारे में कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि अकुला अनुराधा की शिकायत के आधार पर हाईगाउंड्स पुलिस थाने में यतनाल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि विजयपुरा में मीडिया से बात करते हुए विधायक ने अभिनेत्री के बारे में अपमानजनक बयान दिया। शिकायतकर्ता ने प्राथमिकी में आरोप लगाया है कि रान्या राव एक बहुभाषी अभिनेत्री हैं और समाज में उनका सम्मान किया जाता है। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री के खिलाफ यतनाल के बयान आपत्तिजनक, अभद्र और महिलाओं के प्रति अपमानजनक हैं।

# मैसूरु सिटी कॉरपोरेशन के लिए जल्द चुनाव कराने की मांग तेज

**मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

मैसूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) के लिए जल्द चुनाव कराने की मांग बढ़ती ही जा रही है, क्योंकि जेडी(एस) से जुड़े पूर्व पार्षद एस.बी.एम. मंजू ने एमसीसी चुनाव संघर्ष समिति द्वारा व्यक्त की गई भावनाओं को दोहराया है। यहां बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पूर्व पार्षद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सत्ता के विकेंद्रीकरण की कसम खाती है, लेकिन नवंबर 2023 में एमसीसी का कार्यकाल समाप्त होने के एक साल और तीन महीने बाद भी चुनाव न कराकर मैसूरु के लोगों के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने तर्क दिया कि अधिकारी नागरिकों की नागरिक समस्याओं को जनप्रतिनिधियों की तरह प्रभावी ढंग से हल नहीं कर पाएंगे। न केवल इलाकों में नियमित नागरिक कार्य प्रभावित हुए हैं, बल्कि निर्वाचित निकाय की अनुपस्थिति के कारण केंद्र द्वारा विभिन्न परियोजनाओं के लिए जारी अनुदान भी बिना खर्च किए वापस कर दिया गया है। 15वें वित्त आयोग के तहत फंड जारी

नहीं किया गया था। परिणामस्वरूप, ठेकेदारों का बकाया 40 करोड़ रुपये से बढ़कर 450 करोड़ रुपये हो गया। उन्होंने दावा किया कि पिछले दो वर्षों के दौरान संपत्ति कर और पेयजल बिलों के संग्रह में भी कमी आई है। पिछले दो वर्षों में संपत्ति कर संग्रह में 70 करोड़ रुपये से अधिक की कमी आई है, लेकिन पेयजल बिल संग्रह एक दयनीय स्थिति प्रस्तुत करता है, जिसमें अधिकारी 2023-24 के दौरान देय 299 करोड़ रुपये में से बमुश्किल 74 करोड़ रुपये और 2024-25 के दौरान देय 318 करोड़ रुपये में से 62 करोड़ रुपये ही एकत्र कर पाए हैं। नगर निकाय की खराब वित्तीय स्थिति नियमित नागरिक कार्यों और नई परियोजनाओं को प्रभावित कर रही है। मंजू ने दावा किया कि धन की कमी के कारण कई नई परियोजनाएं रोक दी गई हैं। उन्होंने कर्नाटक सरकार से एमसीसी के चुनाव जल्द से जल्द कराने का आग्रह किया ताकि मैसूरु के नागरिकों की नागरिक जरूरतें पूरी हो सकें। पूर्व जेडी(एस) पार्षद की जल्द चुनाव कराने की मांग एमसीसी चुनाव संघर्ष समिति द्वारा इसके लिए शुरू किए गए अभियान के ठीक बाद आई है। समिति के संयोजक अरविंद शर्मा ने कहा कि कर्नाटक सरकार शहर के बाहरी इलाकों में नए इलाकों को शामिल करके बेंगलूरु में बीबीएमपी की तर्ज पर ग्रेटर मैसूरु सिटी कॉरपोरेशन (जीएमसीसी) या बृहत मैसूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) बनाने के प्रस्ताव के मद्देनजर एमसीसी चुनाव में देरी कर रही है, जो वर्तमान में विभिन्न नगर पंचायतों, हूटागली सिटी नगर परिषद और कुछ ग्राम पंचायतों की सीमा में आते हैं। सरकार से प्रस्तावित जीएमसीसी के गठन का इंतजार किए बिना एमसीसी चुनाव कराने की मांग करते हुए शर्मा ने कहा कि रियल एस्टेट लॉबी बाहरी रिंग रोड के बाहर बड़ी संख्या में बनाए गए निजी लेआउट को देखते हुए प्रस्तावित जीएमसीसी का सक्रिय रूप से पीछा कर रही है।

### साइटों का मूल्य बढ़ जाए

रियल एस्टेट लॉबी जीएमसीसी का पीछा कर रही है ताकि इन निजी लेआउट में साइटों का मूल्य बढ़ जाए जब वे जीएमसीसी का हिस्सा बन जाएं। लेकिन, उन्होंने कहा, जीएमसीसी के गठन के लिए अभी समय नहीं आया है क्योंकि मैसूरु को अभी और उद्योगों को आकर्षित करके और अधिक रोजगार प्रदान करके विकसित होना है। इस बीच, चामुंडेश्वरी के विधायक जी. टी. देवेगौड़ा ने तर्क दिया कि शहरी स्थानीय निकाय जिनके अधिकार क्षेत्र में ये नए विकसित लेआउट आते हैं, वे नागरिक सुविधाएं प्रदान करने की स्थिति में नहीं हैं।

## उप लोकायुक्त ने शिवमोग्गा में पार्क का दौरा किया

# खराब रखरखाव के लिए अधिकारियों को लगाई फटकार

**शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।**

कर्नाटक लोकायुक्त के उप लोकायुक्त न्यायमूर्ति के.एन. फणीन्द्र ने शिवमोग्गा शहर में महात्मा गांधी पार्क के खराब रखरखाव पर गंभीर आपत्ति जताई। उन्होंने शिवमोग्गा नगर निगम के अधिकारियों को जल्द से जल्द सुधारात्मक कदम उठाने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति फणीन्द्र, जो शिवमोग्गा के तीन दिवसीय दौरे पर थे, ने बुधवार को शिवमोग्गा जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ सुबह पार्क का दौरा किया।

पार्क के खराब रखरखाव और शौचालयों में पानी की आपूर्ति नहीं होने पर उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा पेड़ों की नियमित रूप से छंटाई नहीं की जाती है, अधिकारी लंबे समय से इस जगह का दौरा नहीं कर रहे हैं और शौचालयों में पानी नहीं है। पानी की सुविधा नहीं होने से पार्क का रखरखाव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे 20 दिनों के भीतर बुनियादी सुविधाओं में सुधार सुनिश्चित करें। उन्होंने पार्क के खराब रखरखाव के लिए निगम के कार्यकारी अभियंता के खिलाफ मामला दर्ज करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि पार्क की स्थिति में सुधार होने के बाद मामला वापस ले लिया जाएगा।

राजेंद्र नगर में तुंगा नहर के दौरे के दौरान उन्होंने देखा कि नहर को कचरे को फेंकने और गंदे पानी को छोड़ने के स्थान में बदल दिया गया है। उन्होंने कहा दूषित पानी शहर में बीमारियां फैला सकता है। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नहर की सफाई हो और लोगों को नहर में कचरा न फेंककर एजेंसियों का सहयोग करना चाहिए। उन्होंने शहर में इंदिरा कैंटीन का भी दौरा किया और नाश्ता कर रहे लोगों से बातचीत की। कुछ लोगों ने कहा कि उस दिन तैयार किए गए भोजन की गुणवत्ता अन्य दिनों की तुलना में बेहतर थी। उप लोकायुक्त के साथ कर्नाटक लोकायुक्त के वरिष्ठ अधिकारी, उपायुक्त गुरुदत्त हेगड़े, पुलिस अधीक्षक जी.के. मिथुन कुमार, जिला पंचायत के सीईओ एन. हेमंत और लोकायुक्त एसपी मंजूनाथ चौधरी भी थे।

# भाजपा विधायक ने तटीय कर्नाटक में पश्चिम वाहिनी परियोजना के लिए धन की मांग की

**उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।**

बंटवाल निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले राजेश नाइक (भाजपा) ने कर्नाटक सरकार से तटीय क्षेत्र में वेंटेड बांधों के निर्माण के लिए पश्चिम वाहिनी योजना के लिए धन उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस योजना के लिए बजट में कोई धन आवंटित नहीं किया गया है, हालांकि सरकार ने येत्तिनाहोल परियोजना के कार्यान्वयन का वादा किया था। विधानसभा में बुधवार को 2025-26 के लिए राज्य के बजट पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि जब बी.एस. येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे, तब पांच साल की परियोजना के लिए 3,986 करोड़ की राशि आवंटित की गई थी। बाद में, जब बसवराज बोम्मई मुख्यमंत्री थे, तब 300 करोड़ आवंटित किए गए थे। लेकिन वर्तमान कांग्रेस सरकार

ने कोई धन आवंटित नहीं किया है। उन्होंने पश्चिम वाहिनी परियोजना के लिए 500 करोड़ की मांग की। उन्होंने दक्षिण कन्नड़ जिले के बंटवाल तालुक के दद्दलाकाडु में सरकारी स्कूल के प्रबंधन के लिए दुर्गा चैरिटेबल ट्रस्ट के लिए स्कूल गोद लेने की योजना के नवीनीकरण की भी मांग की। स्कूल, जो जीर्ण-शीर्ण अवस्था में था, को पूर्व छात्रों और स्थानीय लोगों के सहयोग से 4 करोड़ की लागत से एक नई इमारत के साथ उन्नत किया गया था। लेकिन सरकार ने ट्रस्ट के लिए गोद लेने की योजना का नवीनीकरण नहीं किया है। जनता दल (एस) के सदस्य शरणगौड़ा कंदाकुर (गुरमितकल निर्वाचन क्षेत्र) ने कहा कि उत्तर कर्नाटक के यादगीर और रायचूर जिलों में बड़ी संख्या में कैंसर के मरीज हैं। उन्होंने कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के अस्पतालों में सभी स्तरों पर डॉक्टरों सहित रिक्त पदों को भरने की मांग की। उन्होंने कहा कि यादगीर में 3,000 से अधिक और रायचूर में 4,000 से अधिक मरीज कैंसर से पीड़ित हैं। 2025-26 के लिए राज्य बजट पर बोलते हुए कंदाकुर ने मांग की कि सरकार पेयजल, सिंचाई, स्कूल भवन, सड़क और आवास के मुद्दों को संबोधित करने के लिए कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के लिए एक अलग बजट पेश करे। युवाओं को रोजगार देने के बजाय, सरकार मुफ्त में बांट रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के कार्यक्रमों का उद्देश्य अगला चुनाव जीतना नहीं होना चाहिए, बल्कि युवाओं को सशक्त बनाना और आने वाली पीढ़ियों को लाभ पहुंचाना होना चाहिए। गर्मियों के दौरान पीने के पानी की कमी को देखते हुए, जेडी (एस) सदस्य ने क्षेत्र में सिंचाई परियोजनाओं की उपेक्षा को उजागर किया। उन्होंने मरीजों के लिए मुफ्त शिक्षा और बीमा कवर की मांग की।

## टेंडरों में मुसलमानों को कोटा देने का मामला

# भाजपा ने सिद्धरामैया के 'तुगलक दरबार' की आलोचना की

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

कर्नाटक भाजपा ने सरकारी निविदाओं में मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार के फैसले का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर 'तुगलक दरबार' चलाने और विधानसभा में विपक्ष को दरकिनार करने का आरोप लगाया है। विधानसभा में मीडिया से बात करते हुए, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी वाई विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि मंगलवार को बिना उचित चर्चा के चुपके से विधेयक पेश किया गया। भाजपा सिद्धरामैया के तुगलक शैली के शासन का दृढ़ता से विरोध करती है। विजयेंद्र ने चेतावनी दी कि भाजपा इस विधेयक को विधानसभा के अंदर और बाहर दोनों जगह चुनौती देगी और यदि आवश्यक हुआ तो मामले को उच्च न्यायालय में ले जाएगी। उन्होंने कांग्रेस पर

वास्तविक विकास पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा अगर कांग्रेस को वास्तव में अल्पसंख्यकों की परवाह होती, तो वह उन्हें वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करने के बजाय उनकी शिक्षा और आजीविका में सुधार के लिए काम करती। उन्होंने भाजपा को अल्पसंख्यक विरोधी के रूप में चित्रित करने के लिए सीएम सिद्धरामैया की भी आलोचना की। उन्होंने कहा भाजपा मुसलमानों के खिलाफ नहीं है। यह नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार थी जिसने मुस्लिम महिलाओं के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए ट्रिपल तलाक को खत्म किया। मोदी सरकार के तहत कल्याणकारी पहलों पर प्रकाश डालते हुए, विजयेंद्र ने कहा कि जन धन और उज्ज्वला योजना जैसी योजनाओं ने सभी समुदायों को लाभान्वित किया है, जबकि कांग्रेस ने ऐतिहासिक रूप से अल्पसंख्यकों को राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया है। इस बीच, सत्तारूढ़ कांग्रेस ने विधानसभा में कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता संशोधन (केटीपीपी) विधेयक पेश किया, जिसमें बेरोजगारी को दूर करने के लिए कोटा को उचित ठहराया गया। राज्य के कानून मंत्री एच के पाटिल ने विधेयक पेश किया, जिसमें बताया गया कि अब आरक्षण में एससी के लिए 17.15 प्रतिशत, एसटी के लिए 6.95 प्रतिशत, श्रेणी 2ए के लिए 15 प्रतिशत और श्रेणी 2बी (मुस्लिम) के लिए 4 प्रतिशत शामिल हैं। सरकारी निर्माण परियोजनाओं के लिए पात्रता सीमा भी 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये कर दी गई है।

# फॉक्सकॉन स्थानीय लोगों को नौकरी नहीं दे रही: भाजपा विधायक

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

दुनिया की सबसे बड़ी अनुबंध इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता ताइवान की फॉक्सकॉन, बेंगलूरु, डोड्डबल्लापुर के पास अपने सेल फोन निर्माण संयंत्र में स्थानीय लोगों को नौकरी नहीं दे रही है। भाजपा विधायक धीरज मुनिराज ने बुधवार को विधानसभा में शिकायत की। एप्पल की प्रमुख आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन, डोड्डबल्लापुर और देवनहल्ली तालुकों में सूचना प्रौद्योगिकी निवेश क्षेत्र (आईटीआईआर) में 300 एकड़ के भूखंड पर स्थित अपनी सुविधा में आईफोन बनाएगी। अपने 2025-26 के बजट में, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि फॉक्सकॉन ने 21,911 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश के साथ देवनहल्ली में अपना विनिर्माण संयंत्र शुरू किया है। सीएम ने

घोषणा की इस कंपनी को 6,970 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। बजट पर बोलते हुए, मुनिराज ने कहा कि फॉक्सकॉन सुविधा में 25,000 लोग काम कर रहे हैं। लेकिन उनमें से कितने मेरे तालुका से हैं? उनमें से कितने भूमिहीन किसान हैं?

उन्होंने कहा कि डोड्डबल्लापुर के 500 लोगों को भी नौकरी नहीं दी गई है। मुनिराज ने दावा किया कि फॉक्सकॉन, जिसने एक लाख तक की नौकरियों का वादा किया है, ज्यादातर दूसरे राज्यों के लोगों को नौकरी दे रही है। मुनिराज ने सरकार से कहा कि केआईएडीबी की जमीन पर आने वाले उद्योगों के लिए स्थानीय सरकारी कॉलेजों से छात्रों की भर्ती करना अनिवार्य किया जाए। कर्नाटक भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष मुनिराज ने कहा कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) ने 6,000 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है और डोड्डबल्लापुर में 1,500 एकड़ जमीन को आईटी/बीटी जोन के रूप में आरक्षित किया गया है। डोड्डबल्लापुर के सरकारी प्रथम श्रेणी कॉलेज से हर साल 1,300 छात्र स्नातक होते हैं। सरकार को नए नियम बनाने चाहिए कि केआईएडीबी की जमीन पर आने वाले उद्योगों को स्थानीय छात्रों और उस तालुका या जिले के लोगों को नौकरी देनी चाहिए।

# अप्रैल के पहले सप्ताह में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का चुनाव संभव

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। अप्रैल में भाजपा का सारथी कौन होगा? यह स्पष्ट हो जायेगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही प्रदेश भाजपा अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव अप्रैल के पहले सप्ताह में होने की संभावना है।

इसके बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव या मुकाबला होने की संभावना है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का चुनाव आसानी से कराने के लिए जिला भाजपा अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जा रही है। पहले चरण में 23 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की गई तथा दूसरे चरण में 8 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की गई। दावणगेरे, चित्रदुर्ग, तुमकुरु, मैसूरु ग्रामीण, हासन, उडुपी और कोडागु भाजपा संगठनात्मक जिलों के अध्यक्षों की नियुक्ति लंबित है। लंबित जिला अध्यक्षों की नियुक्तियां भी इस माह के अंत तक कर दी जाएंगी। पार्टी का नियम है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का

चुनाव होने से पहले कम से कम 50 प्रतिशत जिला अध्यक्षों की नियुक्ति होनी चाहिए। राज्य के 75 प्रतिशत जिलों में अध्यक्षों की नियुक्ति पूरी हो चुकी है। इसलिए पार्टी में प्रदेश अध्यक्ष पद का चुनाव कराने में कोई बाधा नहीं है। वर्तमान अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र भाजपा अध्यक्ष पद के प्रबल दावेदार हैं। वह पहले ही आलाकमान के नेताओं से मिल चुके हैं और पद पर बने रहने के लिए उनका आशीर्वाद मांग चुके हैं। यहां तक कि अगर भाजपा हाईकमान अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराए तो वह चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। वे जीत के लिए आवश्यक रणनीति भी बना रहे हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल पार्टी में सक्रिय हैं और उन्होंने विजयेंद्र को भाजपा अध्यक्ष पद पर बने रहने से रोकने के लिए अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। विजयेंद्र में बदलाव की मांग कर रहे यतनाल गुट ने हाईकमान से चुनाव के जरिए अध्यक्ष का चयन करने का आग्रह किया है। यतनाल पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि उनका गुट निश्चित रूप से विजयेंद्र के खिलाफ चुनाव लड़ेगा। पार्टी हाईकमान जिस समुदाय के व्यक्ति को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनाने का फैसला करेगा, उसके अनुसार यतनाल गुट चुनाव लड़ने की रणनीति तैयार करेगा। लिंगायत समुदाय से बसनगौड़ा यतनाल, पिछड़ा वर्ग से पूर्व मंत्री कुमार बंगारप्पा और एससी-एसपी समुदाय से पूर्व मंत्री अरविंद लिंबावली ने चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। इस घटनाक्रम के बीच, पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई, केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना, मुरुगेश निरानी, शोभा करंदलाजे, पूर्व मंत्री डॉ. अश्वथ नारायण और सीटी रवि के बारे में कहा जा रहा है कि यदि आलाकमान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का पद चाहता है तो वे चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं। बताया जा रहा है कि भाजपा आलाकमान ने प्रमुख नेताओं से चर्चा कर जानकारी जुटाई है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किसे बनाया जाए। यह समझा जा रहा है कि विजयेंद्र को कुछ शर्तों के साथ एक और मौका दिए जाने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता, जो कि उनकी अपनी गणना पर आधारित है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

# मेंगलूरु मुडा कार्यालय में देरी से जनता में नाराजगी

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

आवश्यक कार्य के लिए मेंगलूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) कार्यालय जाने वाले नागरिकों को अनुपस्थित अधिकारियों और अक्षम प्रणाली के कारण गंभीर देरी का सामना करना पड़ रहा है। कई आवेदक, विशेष रूप से लेआउट योजना अनुमोदन चाहने वाले, काउंटर पर उनकी सहायता करने वाले किसी भी व्यक्ति के न होने के कारण अंतहीन प्रतीक्षा में रह जाते हैं। शहरी नियोजन के लिए जिम्मेदार अधिकारी शायद ही कभी उपलब्ध होते हैं, और जब वे आते भी हैं, तो अक्सर देर शाम को। जब उनसे पूछा जाता है, तो वे साइट विजिट और निरीक्षण को अपनी अनुपस्थिति का कारण बताते हैं। आवेदनों को संसाधित करने के बजाय, वे अक्सर मालिकों को उपस्थित होने की आवश्यकता वाली टिप्पणियों के साथ उन्हें वापस कर देते हैं। मुसीबतों को और बढ़ाते हुए, मुडा ने एक टोकन प्रणाली लागू की है

जो अधिकांश सरकारी कार्यालयों में नहीं पाई जाती है। सुबह आने वाले आगंतुकों को 50 या 60 नंबर के टोकन मिलते हैं और उन्हें शाम तक इंतजार करना पड़ता है। जब तक उनकी बारी आती है, तब तक कार्यालय का समय समाप्त हो जाता है, जिससे उन्हें अगले दिन वापस आना पड़ता है। अगले दिन, उन्हें एक नया टोकन लेना होगा, क्योंकि पिछले दिन के टोकन त्याग दिए जाते हैं। निराश नागरिकों की शिकायत है कि अधिकारी उनकी समस्याओं को कुशलतापूर्वक हल करने का कोई इरादा नहीं दिखाते हैं। नागरिकों का आरोप है कि जबकि बिचौलियों को कार्यालय में प्रवेश करने से प्रतिबंधित किया गया है, लेकिन अधिकारी पक्षपात कर रहे हैं। वरिष्ठ नागरिक यशवंत के अनुसार अधिकारियों को सीधे प्रस्तुत की गई फाइलें दो दिनों के भीतर निपटा दी जाती हैं, जबकि काउंटरों के माध्यम से प्रस्तुत की गई फाइलें अनिश्चित काल तक अटकी रहती हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि जब तक रिश्वत नहीं दी जाती है, आवेदकों के सामने अनावश्यक बाधाएं खड़ी की जाती हैं। एक अधिकारी की गिरफ्तारी, लोकायुक्त छापे और पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा फाइलों में हेराफेरी के मामलों सहित पिछले घोटालों के बावजूद, मुडा अब एक नए विवाद का सामना कर रहा है। कथित तौर पर एक सेवानिवृत्त ड्राइवर ने कार्यालय के अंदर कार्यभार संभाल लिया है, जो रोजाना सुबह 10 बजे पहुंचता है और बिना किसी जवाबदेही के काम करता है। हालांकि नागरिक पूरे दिन अधिकारियों का इंतजार करते हैं जो कभी नहीं आते हैं, कुछ अधिकारी कथित तौर पर सुबह जल्दी कार्यालय पहुंच जाते हैं। हालांकि, उनकी गतिविधियां अस्पष्ट रहती हैं और फाइल प्रोसेसिंग रुकी रहती है। नागरिकों का तर्क है कि अगर फाइलों को रोजाना प्रोसेस किया जाता, तो आवेदकों को कई दिनों तक इंतजार करने की जरूरत नहीं पड़ती। मुडा के चेयरमैन सदाशिव उल्लाल ने समस्याओं को स्वीकार करते हुए कहा कि टीपीएम-1, टीपीओ-1, एटीपी-2 और भूमि सर्वेक्षण अधिकारी जैसे प्रमुख पद रिक्त हैं। एक अधिकारी द्वारा कई भूमिकाएँ संभाले जाने से देरी अपरिहार्य है। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस मामले को बेंगलूरु में शहरी विकास मंत्री के समक्ष उठाया है और उम्मीद जताई है कि नए अधिकारियों की नियुक्ति से समस्याएँ हल हो जाएँगी।

# राज्य सरकार ने कुमारस्वामी पर भूमि अतिक्रमण का आरोप लगाया

## जेडी(एस) नेता ने आरोपों से किया इनकार

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

कर्नाटक सरकार ने केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी पर सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाया और घोषणा की कि अतिक्रमण की गई संपत्ति जब्त कर ली गई है।

हालांकि, कुमारस्वामी ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने कभी भी अवैध गतिविधियों में भाग नहीं लिया है और कानूनी तरीकों से सरकार के दावों का मुकाबला करेंगे। मंगलवार को बिदादी शहर के पास केतगनहल्ली गांव में रामनगर के डिप्टी कमिश्नर यशवंत वी गुरुकर के नेतृत्व में अधिकारियों ने पुलिस सुरक्षा में अतिक्रमण की गई भूमि की पहचान करने और उसे वापस लेने के लिए सर्वेक्षण किया। पत्रकारों से बात करते हुए गुरुकर ने कहा कि अतिक्रमण कुमारस्वामी और अन्य लोगों द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा कर्नाटक उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, हम सात से आठ सर्वेक्षण संख्याओं के अंतर्गत आने वाली सरकारी भूमि को वापस ले रहे हैं। 14 एकड़ से अधिक भूमि पर अतिक्रमण हुआ है। विवरण न्यायालय को प्रस्तुत किया जाएगा, और संपत्तियों को बाड़ लगाकर सरकारी हिरासत में ले लिया जाएगा। जवाब में, कुमारस्वामी ने बेंगलूरु में कहा कि उन्होंने चार दशक पहले कानूनी रूप से जमीन खरीदी थी और सरकार पर उन्हें निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा मैंने कभी भी अवैध गतिविधियों में भाग नहीं लिया। यह वह जमीन है जिसे मैंने 40 साल पहले खरीदा था और मैं इस साजिश को अदालत में चुनौती दूंगा। उन्होंने सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा यहां तक कि एक आम नागरिक के मामले में भी, कानून यह अनिवार्य करता है कि बेदखली से कम से कम 15 दिन पहले नोटिस जारी किया जाना चाहिए। मुझे अभी तक कोई नोटिस या आधिकारिक संचार नहीं मिला है। कुमारस्वामी ने राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाते हुए कहा यह सरकार बेंगलूरु को लूटते हुए दमन में लगी हुई है। इतिहास में पहली बार, इस तरह के मामले के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है। इन कार्रवाइयों के जल्द या बाद में परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। ऐसा लगता है कि मैं उनका प्राथमिक लक्ष्य हूं। पिछले 40 वर्षों में इस भूमि की कई बार जांच की जा चुकी है। अगर मुझे इस तरह के उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है, तो कोई भी आम नागरिकों की दुर्दशा की कल्पना कर सकता है। अपना रुख दोहराते हुए उन्होंने कहा मैंने यह जमीन कानूनी तौर पर हासिल की है और मैं कानून के दायरे में रहकर सरकार की कार्रवाई का विरोध करूंगा।

# अवैध रूप से मछली पकड़ने के लिए तीन नावों पर जुर्माना

**उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।**

तटीय सुरक्षा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में समुद्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के लिए अधिकारियों ने तीन नावों पर जुर्माना लगाया है।

गंगोली मछली पकड़ने के बंदरगाह पर एक विशेष अभियान चलाया गया, जिसके बाद उडुपी जिले के मत्स्य पालन के संयुक्त निदेशक को तीनों नावों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए सूचित किया गया। जांच के बाद अधिकारी ने नाव मालिकों पर कुल 16,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

इसके अलावा, निरीक्षण के दौरान एक अन्य नाव में मछली पकड़ने के लिए जनरेटर लगा हुआ पाया गया। मालिक पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। नाव को छोड़ने से पहले प्रतिबंधित मछली पकड़ने की

विधि के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले जनरेटर और प्रकाश उपकरणों को हटा दिया गया। अवैध रूप से मछली पकड़ने और बैल को पकड़ने पर अंकुश लगाने के लिए मत्स्य विभाग और तटीय सुरक्षा पुलिस के अधिकारियों का एक संयुक्त उड़न दस्ता बनाया गया है। यह टीम नियमों को लागू करने के लिए मालपे और गंगोली बंदरगाहों पर लगातार निरीक्षण कर रही है।

# कांग्रेस की दलित कार्यकर्ता ने सीएम के सहयोगी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

## महिला सुरक्षा पर सवाल उठाए

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

कर्नाटक राज्य गारंटी योजना कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के करीबी सहयोगी एच एम रेवन्ना के खिलाफ दलित कांग्रेस कार्यकर्ता नंदिनी नागराज ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने रेवन्ना पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है, जिससे राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने वाली नंदिनी ने आरोप लगाया कि रेवन्ना ने मुख्यमंत्री के आवास के पास स्थित कुमार कृपा गेस्ट हाउस में उनके साथ मारपीट की। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर

महिलाओं की सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए। नंदिनी के मुताबिक, पिछले साल नवंबर में जब उन्होंने उनके खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी की थी, तो रेवन्ना ने उन्हें धक्का देकर दूर कर दिया था। उन्होंने दावा किया कि उनके पास पिछली घटना की फोन रिकॉर्डिंग है, लेकिन पार्टी के दबाव के कारण उन्होंने कार्रवाई करने से परहेज किया। हालांकि, जब वह गेस्ट हाउस में रेवन्ना से मिली, तो उसने आरोप लगाया कि उसने उसके साथ गाली-गलौज की, उसकी जाति का जिक्र किया, उसकी गर्दन पकड़ी और उसे खींचने की कोशिश की। उसने आगे आरोप लगाया कि झगड़े के दौरान मौजूद वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी एस उग्रप्पा ने हस्तक्षेप करने के बजाय चुप रहने का विकल्प चुना। नंदिनी ने पुलिस को वीडियो साक्ष्य उपलब्ध कराए, जिसमें कथित तौर पर रेवन्ना उसे धक्का देते हुए दिखाई दे रहे हैं। उसने यह भी दावा किया कि उसकी उंगली में फ्रैक्चर होने के बावजूद, पुलिस ने शुरू में उसकी शिकायत दर्ज करने में देरी की, एफआईआर के बजाय केवल एक गैर-संज्ञेय रिपोर्ट (एनसीआर) दर्ज की। फुटेज में, नंदिनी रेवन्ना को चेतावनी देते हुए सुनाई दे रही है कि वह इस मामले को राहुल गांधी तक पहुंचाएगी और उनके साथ वीडियो साझा करेगी। रेवन्ना उसे परिसर छोड़ने का निर्देश देते हुए दिखाई दे रहे हैं। आरोपों से इनकार करते हुए, रेवन्ना ने दावा किया कि नंदिनी अक्सर राहुल गांधी के नाम का दुरुपयोग करती है और अशांति पैदा करती है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि नंदिनी ने अपने एक परिचित अधिकारी से फोनपे के जरिए 1 लाख रुपये की मांग की। रेवन्ना ने कहा वह मेरे खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगा रही हैं। जब वह वीडियो रिकॉर्ड कर रही थीं, तब मैंने उन्हें धक्का दिया था, लेकिन मैंने अपने 40 साल के राजनीतिक करियर में कभी किसी महिला के साथ दुर्व्यवहार नहीं किया। अगर मैं दोषी हूं, तो पार्टी मेरे खिलाफ कार्रवाई करे। उन्होंने ट्रांसफर से संबंधित वित्तीय लेन-देन में नंदिनी की कथित संलिप्तता के बारे में एआईसीसी में शिकायत दर्ज कराने की अपनी मंशा भी जाहिर की। राजनीतिक नतीजे कांग्रेस के एक वरिष्ठ पदाधिकारी से जुड़े इस विवाद के मौजूदा विधानसभा सत्र में चर्चा का विषय बनने की उम्मीद है। पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू करने के साथ ही आगे की कार्रवाई का इंतजार है।

# राज्य में प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाना मुश्किल: मंत्री सी. सुधाकर

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. एम.सी. सुधाकर ने विधान परिषद में कहा कि हालांकि राज्य में प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध है, लेकिन इस पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना मुश्किल है। वर्ष 2025-26 के बजट अनुमानों पर चर्चा के दौरान हस्तक्षेप करते हुए उन्होंने

कहा कि प्लास्टिक उत्पादों के उपयोग पर प्रतिबंध है। उन्होंने कहा कि हम प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग और उत्पादन करने वालों पर जुर्माना लगा रहे हैं। प्लास्टिक के कप, प्लेट, माला आदि का उपयोग निषिद्ध है। हालाँकि, प्लास्टिक का उपयोग अभी भी किसी न किसी रूप में किया जाता है। उन्होंने कहा कि इसलिए इस पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाना कठिन है।

# मछली चोरी के आरोप में महिला को पेड़ से बांधकर पीटा

**उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।**

मालपे में मछली चोरी के आरोप में एक महिला को कथित तौर पर पेड़ से बांधकर पीटा गया। यह घटना बुधवार को तब प्रकाश में आई, जब मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

वीडियो में, एक मछुआरी दूसरी महिला की पिटाई करती हुई और उस पर मालपे बंदरगाह पर नावों से मछलियाँ उतारने के दौरान चोरी करने का आरोप लगाती हुई दिखाई दे रही है। सूत्रों ने बताया कि जब नाव कर्मियों ने झींगा की कथित चोरी को लेकर महिला से पूछताछ की, तो उसने शुरू में आरोपों से इनकार किया। हालांकि, बाद में मामला मालपे पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहाँ उसने कथित तौर पर चोरी की बात स्वीकार की।

## इजरायली पर्यटक के साथ

# सामूहिक बलात्कार को लेकर भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर हमला बोला

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

कर्नाटक भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए उसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हम्पी में एक इजरायली पर्यटक के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना के बाद राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था के लिए जिम्मेदार ठहराया है। विपक्ष के नेता आर अशोक ने विधानसभा में 'स्थगन प्रस्ताव' के तहत इस मुद्दे को उठाया और कांग्रेस प्रशासन पर विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। अशोक ने कहा हम्पी एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त पर्यटन स्थल है। मैंने पुलिस अधिकारियों से बात की और पता चला कि अब अधिकांश पर्यटक इस क्षेत्र को छोड़कर जा रहे हैं। हम्पी आने वाले 60 प्रतिशत से अधिक पर्यटक इजरायल से हैं। वे आमतौर पर हम्पी जाते हैं और फिर हिमाचल प्रदेश जाते हैं। हालांकि, इस घटना के बाद वे बड़ी संख्या में यहां से जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई पर्यटक स्थानीय निवासियों के स्वामित्व वाले होमस्टे को खाली कर रहे

हैं, जिससे कन्नड़ लोगों की आजीविका प्रभावित हो रही है और राज्य को राजस्व का काफी नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा हम्पी एक वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में एक स्थायी कलंक बन गया है। राज्य की कानून व्यवस्था में विदेशी पर्यटकों का विश्वास फिर से बनाने में लगभग 10 साल लगेंगे। इजरायली पर्यटक के साथ सामूहिक बलात्कार 6 मार्च को हुआ था। वह पांच पर्यटकों के समूह का हिस्सा थी, जो तुंगभद्रा नदी के किनारे संगीत सुन रहे थे, जब तीन आरोपियों ने उन पर हमला किया। ओडिशा के एक पर्यटक को मारपीट के बाद सिर में चोट लग गई और उसे नदी में धकेल दिया गया। चोट के कारण वह वापस तैरकर नहीं आ सका। दो अन्य पर्यटक नदी में धकेले जाने के बावजूद भागने में सफल रहे। इसके बाद इजरायली महिला और एक भारतीय होमस्टे मालिक का यौन उत्पीड़न किया गया। अशोक ने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह कानून व्यवस्था की स्थिति को संबोधित करने के बजाय होमस्टे को दोष देकर ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री का दावा है कि उनकी सरकार को वैश्विक स्तर पर सराहना मिल रही है, जैसा कि राज्यपाल के भाषण में उल्लेख किया गया है। हालांकि, इस घटना के कारण कर्नाटक की प्रतिष्ठा को वैश्विक स्तर पर गंभीर झटका लगा है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष की यात्रा के बारे में भ्रामक दावे करने का आरोप लगाया और कहा कि नेता अपनी मर्जी से बेंगलूरु आए थे और उन्हें सरकार ने आमंत्रित नहीं किया था, जैसा कि दावा किया गया है। भाजपा विधायक वी सुनील कुमार ने कहा कि हम्पी की घटना ने पर्यटन क्षेत्र को जो नुकसान पहुंचाया है, उसके लिए सरकार को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

# विट्टल में कपड़ों की दुकान में लूटपाट

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

दक्षिण कन्नड़ के बंटवाल में नवीन कुम्पाला के नेतृत्व में तीन लोगों के एक गिरोह ने कथित तौर पर विट्टल स्कूल रोड के पास एक कपड़े की दुकान में घुसकर एक अकेली महिला कर्मचारी को धमकाया और मौके से भागने से पहले कपड़े और अन्य सामान लूट लिए। यह घटना मंगलवार की दोपहर को हुई। चार लोगों के गिरोह ने दुकान में अवैध रूप से प्रवेश किया और कपड़े और अन्य सामान अपने बैग में भरने लगे। जब महिला कर्मचारी ने उनकी हरकतों पर सवाल उठाया, तो आरोपियों ने कथित तौर पर उसे धमकाते हुए कहा अपने काम से काम रखो। हमारे काम में दखल मत दो। इसके बाद उन्होंने भागने से पहले कपड़े और अन्य सामान जबरन ले लिए। विट्टल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है और जांच चल रही है।

# आतंकवाद से निपटने की जीरो टॉलरेंस की नीति पर अडिग है भारत: रक्षा सचिव

**नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां)**

भारत ने बुधवार को स्पष्ट किया कि वह आतंकवाद से निपटने की जीरो टॉलरेंस की अपनी नीति पर अडिग है और इसके लिए क्षेत्रीय सहयोगियों से एकजुटता का आह्वान करता है।

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने आज यहां आतंकवाद से निपटने के लिए आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम) – प्लस और विशेषज्ञ कार्य समूह (ईडब्ल्यूजी) की 14वीं बैठक में मुख्य भाषण के दौरान कहा, भारत आतंकवाद के प्रति अपनी शून्य–सहिष्णुता की नीति पर अडिग है और एक ऐसे दृष्टिकोण में विश्वास करता है जो मजबूत घरेलू तंत्र, बढ़ी हुई खुफिया जानकारी साझा करने और मजबूत क्षेत्रीय सहयोग को जोड़ता है।

रक्षा सचिव ने कहा कि आतंकवाद एक गतिशील और उभरती चुनौती बनी हुई है, जिसके खतरे तेजी से सीमाओं को पार कर रहे हैं और आतंकवाद के कारण होने वाले नुकसानों में वृद्धि हो रही है। आतंकवादी समूहों द्वारा उन्नत प्रौद्योगिकी, साइबर उपकरणों और मानव रहित प्रणालियों के उपयोग को रोकने के लिए एक सुसंगत, दूरदर्शी और कार्रवाई–उन्मुख दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हिन्द–प्रशांत क्षेत्र, भू–राजनीतिक और आर्थिक महत्व को देखते हुए, विशेष रूप से संक्रमणकालीन आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद के प्रति संवेदनशील है, जिसके लिए एक व्यापक, अनुकूल और गहन सहयोगात्मक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है।

श्री सिंह ने जोर देकर कहा कि ए डीएमएम–प्लस प्लेटफॉर्म के माध्यम से, भारत उभरते खतरे को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए रक्षा बलों, सुरक्षा एजेंसियों और नीतिगत ढाँचों के बीच तालमेल बनाने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा, जटिल, परस्पर जुड़ी और तेज़ गति वाली दुनिया में, सामाजिक और पारिस्थितिक तंत्र नाजुक हैं। प्राथमिकता निर्धारण और निर्णय लेने में सरकारों को सशक्त बनाने के लिए इस जोखिम का आकलन करना महत्वपूर्ण है। आतंकवाद सरकारों को अस्थिर कर सकता है, नागरिक समाज को कमजोर कर सकता है और सामाजिक और आर्थिक विकास को खतरे में डाल सकता है। अनिश्चितता को समझने और निर्णय लेने पर प्रभाव को बेहतर ढंग से तौलने के लिए निर्णय लेने वालों को मार्गदर्शन प्रदान करना हमारा सामूहिक दायित्व है, । इस बैठक की अध्यक्षता रूस और म्यांमार से तीन साल के चक्र के लिए भारत और मलेशिया को सौंपी गई। रक्षा सचिव ने नए सह–अध्यक्षों की प्रतिबद्धता को व्यक्त किया कि इस चक्र के दौरान किए गए प्रयास व्यावहारिक और सार्थक परिणाम प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा, अपनी सामूहिक विशेषज्ञता का लाभ उठाकर, क्षमता निर्माण को बढ़ाकर और गहन विश्वास तथा सहयोग को बढ़ावा देकर, हम क्षेत्रीय सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी तैयारियों को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद निरोध पर विशेषज्ञता समूह के वर्तमान चक्र में संयुक्त पहलों के माध्यम से क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने और सशस्त्र बलों के बीच अंतर–संचालन में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य उभरती प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग का मुकाबला करना और एआई–संचालित प्रचार, एन्क्रिप्टेड संचार, ड्रोन प्रौद्योगिकियों के उपयोग के माध्यम से आतंकवादियों द्वारा उत्पन्न खतरों का समाधान करना होगा। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन कट्टरपंथ और भर्ती प्रयासों के खिलाफ साइबर मजबूती भी एक फोकस क्षेत्र होगा।

रक्षा सचिव ने कहा कि चक्र के उत्–ारार्ध में व्यावहारिक अभ्यासों के माध्यम से क्षमता निर्माण की दिशा में मिलकर काम किया जाएगा, जिसमें मलेशिया 2026 में एक टेबल–टॉप अभ्यास आयोजित करेगा, जिसमें आतंकवाद–रोधी योजना और तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए रणनीतिक–स्तर के निर्णय लेने के सिमुलेशन की सुविधा होगी। वर्ष 2027 में, भारत एक फील्ड ट्रेनिंग अभ्यास की मेजबानी करेगा, जिसका उद्देश्य वास्तविक दुनिया के आतंकवाद–रोधी परिदृश्यों को प्रोत्साहित करना, परिचालन समन्वय को बढ़ाना और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र का परीक्षण करना है। उन्होंने कट्टरपंथ और हिंसक उग्रवाद का मुकाबला करने और आतंकी वित्तपोषण नेटवर्क को बाधित करने के लिए कानूनी और वित्तीय ढांचे को बढ़ाने के लिए पूरी सरकार और पूरे समाज के दृष्टिकोण को विकसित करने का आह्वान किया।

# बिल्डर–बैंक मिलीभगत की सुप्रीम कोर्ट कराएगी जांच

**नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।**

सुप्रीम कोर्ट ने घर खरीदारों और निवेशकों की मेहनत की गाढ़ी कमाई ठगने वाले बिल्डरों और बैंकों के गठजोड़ की जांच करने के लिए सीबीआई से योजना मांगी है। दिल्ली–एनसीआर के बिल्डरों और बैंकों के बीच गठजोड़ के कारण मझधार में फंसे हजारों फ्लैट खरीदारों के दर्द पर सुप्रीम कोर्ट ने मरहम लगाया है। सुप्रीम कोर्ट ने घर खरीदारों और निवेशकों की मेहनत की गाढ़ी कमाई ठगने वाले बिल्डरों व बैंकों के गठजोड़ की जांच करने के लिए सीबीआई से रोडमैप तलब किया है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा, हम मामले की जड़ तक जाएंगे। दोषी धरती पर कहीं भी छिपे हों, उन्हें ढूंढ़ निकाला जाएगा। साथ ही, अदालत की सहायता के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव जैन को न्यायमित्र भी नियुक्त किया। पीठ ने जैन से संक्षिप्त नोट दाखिल करने का आग्रह किया कि मामले को आगे कैसे बढ़ाया जाए। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, हम किसी भी संस्थान को बुरा या अच्छा नहीं कह रहे हैं। हम निश्चित रूप से सीबीआई जांच कराएंगे, यह स्पष्ट है। हजारों लोग रो रहे हैं। हम आंसू नहीं पोछ सकते, पर उनके मुद्दों को संबोधित कर सकते हैं। समयबद्ध तरीके से कुछ बहुत प्रभावी किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, लाखों लोग घर के लिए कराह रहे हैं। बड़ा तबका इससे पीड़ित है। हम इसकी जड़ तक जाएंगे। हमारी शून्य सहनशीलता है। ऐसे मामलों की जांच सीबीआई को देंगे। पीठ ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी से कहा कि वह आला अधिकारियों के साथ चर्चा करें और बताएं कि उन मुद्दों पर जांच कैसे आगे बढ़ा सकते हैं, जिनका जिक्र कोर्ट के 4 मार्च के आदेश और उससे पहले किया गया है।

पीठ एनसीआर में घर खरीदने वालों की शिकायतों पर विचार कर रही थी। खरीदारों ने दावा किया है कि बिल्डरों या डेवलपर की ओर से देरी के कारण उन्हें फ्लैट का कब्जा मिले बिना ही ईएमआई का भुगतान करने के लिए बैंक मजबूर कर रहे हैं। शीर्ष अदालत अपने पहले के आदेश में बैंकों को ईएमआई वसूलने से रोक चुकी है। एजेंसी की ओर से पेश एएसजी ने रोडमैप तय समय में पेश करने का आश्वासन दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बिल्डर और बैंकों के गठजोड़ की इस जांच को पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर संचालित किया जा सकता है।

# अवैध मस्जिद और नमाज हॉल ध्वस्त करने का आदेश

**मुंबई, 19 मार्च (एजेंसियां)।**

महाराष्ट्र की बॉम्बे हाईकोर्ट ने निर्देश के बाद भी एक अवैध मस्जिद को नहीं गिराने पर ठाणे नगर निगम को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि यह जरूरी है कि वे नागरिकों के मन में यह बात बैठा दें कि कानून का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दरअसल, इस मस्जिद को बनाने के लिए नगरपालिका से अनुमति नहीं ली गई थी। कोर्ट ने 27 जनवरी को इसे गिराने का आदेश दिया, लेकिन इसकी पूरी तरह तामील नहीं की गई।

मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति एएस गडकरी और न्यायमूर्ति कमल खता की पीठ ने की। पीठ ने मस्जिद को गिराने में देरी के लिए निगम के बहाने को खारिज कर दिया और कहा कि कानून को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। कोर्ट ने कहा कि एक लोकतांत्रिक देश में किसी भी व्यक्ति या संगठन को यह कहने की भी अनुमति नहीं दी जा सकती कि वह देश के कानून का पालन नहीं करेगा और इसका विरोध करेगा।

अदालत ने साफ शब्दों में कहा, ऐसी परिस्थितियों में कानून लागू करने वालों का कर्तव्य है कि वे ऐसे व्यक्ति/संगठन को देश के कानून का पालन करने के लिए बाध्य करें।

कानून लागू करने वालों के लिए यह भी आवश्यक है कि वे नागरिकों के मन में यह बात बैठा दें कि सरकार द्वारा कानून का उल्लंघन या कानून को लागू करने का विरोध बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दरअसल, कासरवडावली के बोरिवडे गांव में न्यू श्री स्वामी समर्थ बोरिवडे हाउसिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड की 18,000 वर्ग मीटर से अधिक की जमीन है। उस जमीन पर अवैध रूप से एक मस्जिद बना दी गई। इसके बाद कंपनी ने ठाणे नगर निगम से इस अवैध ढांचे को ध्वस्त करने के लिए कहा। हालांकि, नगर निगम ने इसमें कार्रवाई नहीं तो कंपनी हाईकोर्ट पहुंच गई।

कंपनी ने कोर्ट से नगर निगम को ढांचा हटाने के लिए निर्देश देने की मांग की। याचिका के अनुसार, गाजी सलाउद्दीन रहमतुल्ला हूले उर्फ परदेशी बाबा ट्रस्ट ने साल 2013 से उसकी 18,122 वर्ग मीटर भूमि पर अतिक्रमण कर लिया है। इस पर अवैध ढांचे का निर्माण कर दिया गया है, जिसमें एक मस्जिद और नमाज पढ़ने के लिए एक बड़ा हॉल शामिल है।

ठाणे नगर निगम ने कोर्ट को बताया कि 1 जनवरी 2025 को साइट का निरीक्षण किया गया था। वहां 3,600 वर्ग फुट पर एक मंजिल का ढांचा बना है। उसमें नमाज के लिए एक हॉल भी है। नगर निगम ने कोर्ट को बताया कि 19 फरवरी को निगम के 10 अधिकारी 65 श्रमिकों तथा कुछ पुलिसकर्मियों के साथ ढांचा गिराने पहुंचे, लेकिन वहां जमा हुई भारी भीड़ के विरोध के कारण यह काम पूरा नहीं हो सका।

हालांकि, कोर्ट ने इसे बहाना बताते हुए नगर निगम के दावे को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि जब इतनी बड़ी संरचना का निर्माण किया जा रहा था तो इसे नगर निगम के अधिकारियों ने रोकने के लिए क्या किया, इसको लेकर याचिकाकर्ताओं ने बार–बार पत्राचार किया था।

कोर्ट ने कहा कि नगर निगम कानून को सख्ती से लागू करने में असमर्थ रहा है। कोर्ट ने कहा कि इसकी तस्वीरें देखने से पता चलता है कि ढांचे का अधिकांश भाग गिरा दिया गया है। वहीं, रमजान के महीने के खत्म होते ही तुरंत गिराने का आदेश दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि ढांचे गिराने के बाद इसे दोबारा बनाने की कोशिश होनी चाहिए। न्यायालय ने कहा है कि उसके आदेश के पूरी तरह लागू करने के लिए नगर निगम के अधिकारी जवाबदेह हैं।

## केरल हाईकोर्ट ने मंदिर बोर्ड को लगाई फटकार

# मंदिर उत्सव में सीपीएम के झंडे क्यों लगाए?

**तिरुवनंतपुरम, 19 मार्च (एजेंसियां)।**

केरल हाईकोर्ट ने 10 मार्च को कोलम के कडक्कल देवी मंदिर उत्सव के दौरान राजनीतिक प्रतीकों और संगीत के प्रदर्शन पर नाराजगी व्यक्त की है। केरल हाईकोर्ट ने मंगलवार 18 मार्च को मंदिर परिसर के अंदर ऐसी गतिविधियों की अनुमति देने के लिए त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड को फटकार लगाई। उत्सव के दौरान सत्ताधारी पार्टी सीपीआईएम और उसके छात्र विंग के झंडे लगाए गए थे।

इसको लेकर एडवोकेट विष्णु सुनील ने केरल हाईकोर्ट ने याचिका दाखिल की। याचिका में सुनील ने कहा कि कडक्कल देवी मंदिर उत्सव के दौरान सीपीएम और उसकी युवा शाखा डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) के राजनीतिक झंडे लगाए। इसके साथ ही वामपंथी राजनीतिक समूहों से जुड़े क्रांतिकारी गीत भी बजाए गए। इसके अलावा, कई तरह श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाया गया।

याचिकाकर्ता ने कहा कि मंदिर उत्सव के दौरान गायक अलोशी एडम को संगीत प्रदर्शन के बुलाया गया था, जो बेहद गैरकानूनी था। इससे भक्तों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। उन्होंने तर्क दिया यह प्रदर्शन कभी भी मंदिर उत्सव का हिस्सा नहीं रहा। एडवोकेट ने कहा कि यह प्रदर्शन धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करता है, जो संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि मंदिर का प्रबंधन करने वाला त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड यह सुनिश्चित करने में विफल रहा कि मंदिर परिसर का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए न किया जाए। इसके बाद न्यायमूर्ति अनिल के नरेंद्रन और न्यायमूर्ति मुरली कृष्णा की खंडपीठ ने मंदिर परिसर के अंदर राजनीतिक प्रदर्शन के आयोजन की आलोचना की।

कोलम के कडक्कल देवी मंदिर का प्रबंधन करने वाले बोर्ड को फटकार लगाते हुए केरल हाईकोर्ट ने म्यूजिक परफॉर्मेंस के लिए उससे जवाब मांगा है। अदालत ने कहा, आपने मंच पर किस तरह की सजावट की है? क्या यह कोई कॉलेज उत्सव है? आपने ऐसा करने के लिए भक्तों से पैसे लिए हैं! यह मंदिर का उत्सव है। क्या इसमें फिल्मी गानों के बजाय भक्ति गीतों की प्रस्तुति नहीं होनी चाहिए? एडवोकेट विष्णु सुनील की याचिका को स्वीकार कर लिया और कडक्कल देवी मंदिर सलाहकार समिति एवं अन्य प्रतिवादियों से इस पर जवाब मांगा। उत्सव के वीडियो देखने के बाद अदालत ने एक अंतरिम आदेश पारित किया है। इस आदेश में कहा गया है, वीडियो क्लिप देखने के बाद हम पाते हैं कि 10 मार्च को वार्षिक उत्सव में होने वाली गतिविधियां मंदिर में स्वीकार नहीं की जा सकतीं।

इस मामले में केरल हाईकोर्ट ने मंदिर बोर्ड को चेतावनी देते हुए कहा कि उनके द्वारा प्रबंधित किसी भी मंदिर में ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने निर्देश में आगे कहा, त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड यह सुनिश्चित करेगा कि उसके प्रबंधन के तहत किसी भी मंदिर के उत्सव में ऐसी गतिविधि न हो। वहीं, मंदिर बोर्ड ने कहा कि मंदिर सलाहकार समिति ने उसे सूचित किए बिना ही संगीत कार्यक्रम आयोजित किया था। हालांकि, कोर्ट मंदिर बोर्ड यानी त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के इस दलील से सहमत नहीं हुआ। हाईकोर्ट ने कहा, हम बोर्ड द्वारा अपनाए गए रुख से प्रथम दृष्टया प्रभावित नहीं हैं। जैसा कि वीडियो में देखा जा सकता है कि डॉल्बी स्क्रीन और फ्लैश लाइट से सुसज्जित मंच पर विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए बड़ी रकम खर्च की गई है। कोर्ट ने कहा कि मंदिर के धन के इस तरह के दुरुपयोग को रोका जा सकता था।

# 2000 रुपए तक के भीम–यूपीआई भुगतान 2025–26 में भी रहेंगे प्रभार मुक्त: सरकार

**नयी दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।**

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने ग्राहक से दुकानदार को कम मूल्य वाले भुगतान (पी2एम) में भीम–यूपीआई के उपयोग को को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना को वित्त वर्ष 2025–26 में जारी रखने का निर्णय लिया है।

इस निर्णय के तहत छोटे व्यापारियों को दो हजार रुपये तक के भुगतान पर एक निश्चित दर पर प्रोत्साहन की व्यवस्था बनी रहेगी। इस योजना के प्रोत्साहन के लिए चालू वित्त वर्ष के लिए 1500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल के इस निर्णय की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वष्णव ने कहा कि देश में डिजिटल भुगतान तेजी से लोक प्रिय हुआ है। उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ग्राहकों की ओर से 2000 रुपये तक के भुगतान को मर्चेंट डिस्काउंट दर (एमडीआर) के प्रभार से मुक्त रखा है।

उन्होंने कहा कि 'व्यक्ति से व्यापारी (पी2एम) को कम मूल्य वाले भीम–यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना' एक साल के लिए जारी रखने का निर्णय किया गया है।

उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान तंत्र में ग्राहक का बैंक, फिनटेक और भुगतान प्राप्त करने वाला बैंक , भुगतान सेवा प्रदाता कंपनी और तीसरे पक्ष के मोबाइल ऐप आदि का एक बड़ा तंत्र शामिल होता है जिसके विकास और सुरक्षा पर खर्च आता है। फिर भी छोटे भुगतान को प्रभार से मुक्त रखा गया है।

इस निर्णय के विषय में जारी कैबिनेट की एक विज्ञप्ति में कहा गया है, कम मूल्य वाले भीम–यूपीआई लेनदेन (पी2एम) को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से प्रोत्साहन योजना को 01.04.2024 से 31.03.2025 तक 1,500 करोड़ रुपये के अनुमानित परिव्यय पर लागू किया जाएगा।

सरकार ने कहा है कि इस योजना के अंतर्गत केवल छोटे व्यापारियों के लिए 2,000– तक के यूपीआई (पी2एम) लेनदेन को शामिल किया गया है। इस योजना में छोटे व्यापारियों को दो हजार रुपये तक के भुगतान के लिए शून्य एमडीआर (0.15 प्रतिशत की दर) से प्रोत्साहन दिया जाता है।

विज्ञप्ति के अनुसार योजना की सभी तिमाहियों के लिए, अधिग्रहण करने वाले बैंकों (धन प्राप्त करने वाले बैंकों) द्वारा स्वीकृत दावा राशि का 80 प्रतिशत बिना किसी शर्त के वितरित किया जाएगा।

प्रत्येक तिमाही के लिए स्वीकृत दावा राशि के शेष 20 प्रतिशत की प्रतिपूर्ति निम्नलिखित शर्तों पर निर्भर होगी: स्वीकृत दावे का 10 प्रतिशत केवल तभी प्रदान किया जाएगा, जब अधिग्रहण करने वाले बैंक की तकनीकी गिरावट 0.75 प्रतिशत से कम होगी और, स्वीकृत दावे का शेष 10 प्रतिशत केवल तभी प्रदान किया जाएगा जब अधिग्रहण करने वाले बैंक का सिस्टम अपटाइम 99.5 प्रतिशत से अधिक होगा।

सरकार का कहना है कि चूंकी छोटे व्यापारी मूल्य–संवेदनशील होते हैं, इसलिए यह कदम उन्हें यूपीआई भुगतान स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

सरकार का लक्ष्य फीचर फोन आधारित (यूपीआई 123पेय) और ऑफलाइन (यूपीआई लाइट/यूपीआई लाइटएक्स) भुगतान समाधान जैसे अभिनव उत्पादों को बढ़ावा देकर टियर तीन से छह तक के शहरों, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में यूपीआई का प्रवेश कराना है।

आरबीआई के अनुसार, सभी कार्ड नेटवर्क (डेबिट कार्ड के लिए) पर लेनदेन मूल्य का 0.90 प्रतिशत तक और एनपीसीआई के अनुसार, यूप–ीआई पी2एम लेनदेन के लिए लेनदेन मूल्य का 0.30 प्रतिशत तक एमडीआर लागू है।

रुपे डेबिट कार्ड और कम मूल्य वाले भीम–यूपीआई लेनदेन (पी2एम) को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना को मंत्रिमंडल की स्वीकृति के साथ लागू किया गया है।

सरकार ने इसके लिए वर्ष 2021–22 में 1389 करोड़ रुपये, 2022–23 में 1110 करोड़ रुपये और 2023–24 में 3631 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया है।

इस प्रोत्साहन राशि का भुगतान अधिग्रहणकर्ता बैंक (व्यापारी का बैंक) को किया जाता है और उसके बाद यह अन्य हितधारकों के बीच साझा किया जाता है जिनमें जारीकर्ता बैंक (ग्राहक का बैंक), भुगतान सेवा प्रदाता बैंक ( जो यूपीआईऐप/एपीआई एकीकरण पर ग्राहक को शामिल करने की सुविधा प्रदान करता है) तथा और ऐप प्रदाता (टीपीएपी) शाामिल होते हैं।

श्री वैष्णव ने बताया कि सिंगापुर, फ्रांस, यूएई, श्रीलंका , भूटान , नेपाल और मारीशस सहित छह देशों में यूप–ीआई प्रणाली से लेन–देन हो रहा है। यूपीआई को जापान में पेटेंट स्वीकृत किया गया है।

उन्होंने बताया कि यूपीआई लेन–देन की संख्या चालू वित्त वर्ष –अप्रैल–मार्च 2024–25 में इस वर्ष जनवरी तक 151 अरब तक थी जिनका कुल मूल्य 213.8 अरब रुपये के बराबर था ।संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी

नयी दिल्ली 19 मार्च (वार्ता) सरकार ने पशुधन क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के लिए संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन को मंजूरी देते हुए इसके लिए 3400 करोड़ रूपये का व्यय निर्धारित किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी।

इस प्रस्ताव में पशुधन क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के लिए संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत केंद्रीय क्षेत्र घटक के रूप में संशोधित मिशन का क्रियान्वयन 1000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त परिव्यय के साथ किया जा रहा है, जो 2021–22 से 2025–26 तक 15वें वित्त आयोग चक्र के दौरान कुल 3400 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है।

मिशन के साथ दो नई गतिविधियां जोड़ी गई हैं । पहली गतिविधि में कुल 15000 बछियों के लिए सुविधाओं के निर्माण को लेकर बछिया पालन केंद्रों की स्थापना के लिए पूंजीगत लागत का 35 प्रतिशत एकमुश्त सहायता का प्रावधान है। दूसरी गतिविधि में किसानों को उच्च आनुवंशिक योग्यता (एचजीएम) आईवीएफ बछिया खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है।

यह योजना राष्ट्रीय गोकुल मिशन की मौजूदा गतिविधियों को जारी रखने के लिए है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

# यूपी में हो रहा परिषदीय विद्यालयों का कायाकल्प

## आधुनिक सुविधाओं से लैस परिषदीय विद्यालय का लोकार्पण

**ग्रेटर नोएडा, 19 मार्च (एजेंसियां)।**

उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव ला रही है। इसी क्रम में मंगलवार को ग्रेटर नोएडा के मथुरापुर दादरी में हाईटेक और अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित प्राथमिक विद्यालय के नवनिर्मित भवन का बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों का अभूतपूर्व कायाकल्प किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि अगर देश को विकसित बनाना है तो विद्यालयों को आधुनिक और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करना होगा, क्योंकि भारत के भविष्य का रास्ता इन्हीं विद्यालयों से होकर गुजरता है।

इस अवसर पर पूर्व की सरकारों पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले तक ऐसे विद्यालयों की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। पहले स्कूलों की स्थिति बहुत खराब थी। पढ़ाने के लिए ब्लैक बोर्ड नहीं होते थे, बच्चों के बैठने के लिए सीट नहीं थी, छत से पानी टपकता था। लेकिन अब प्रदेश में ऐसा कोई विद्यालय नहीं है, जहां मूलभूत सुविधाएं न हों।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन कायाकल्प के जरिए सरकार यूपी के स्कूलों का कायाकल्प कर रही है। प्रदेश के 1 लाख 30 हजार परिषदीय विद्यालयों में 1 करोड़ 57 लाख से अधिक बच्चों को अत्याधुनिक शिक्षा दी जा रही है। इन विद्यालयों में कुल 19 पैरामीटर पर कार्य किया गया है, जिनमें से 97 प्रतिशत लक्ष्य सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं।

संदीप सिंह ने विद्यालय के नवनिर्मित भवन की सराहना करते हुए कहा कि यह विद्यालय कान्वेंट और पब्लिक स्कूलों से किसी भी मायने में कम नहीं है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार सिर्फ विद्यालयों के ढांचे को आधुनिक नहीं बना रही, बल्कि शिक्षकों को भी उच्च स्तरीय सुविधाएं देकर उन्हें शिक्षण कार्य में पूरी तरह सक्षम बना रही है। परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक निजी स्कूलों के शिक्षकों से कहीं अधिक योग्य और दक्ष हैं। बेसिक शिक्षा मंत्री ने बताया कि योगी सरकार 57 जिलों में 'सीएम मॉडल स्कूल' बना रही है। प्रत्येक स्कूल को 30 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। ये विद्यालय पूरी तरह डिजिटल और स्मार्ट क्लासरूम से लैस होंगे, जहां विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा मिलेगी। संदीप सिंह ने कहा कि डिजिटल युग में बच्चों तक स्मार्टफोन, टैबलेट और अन्य गैजेट्स की पहुंच पहले से कहीं अधिक हो गई है।

यूपी सरकार भी बच्चों को टैबलेट और स्मार्ट डिवाइस उपलब्ध करा रही है, ताकि वे आधुनिक शिक्षा पद्धति से जुड़ सकें। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि गैजेट्स का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल बच्चों के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए, बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए सरकार ने विद्यालयों में खेलकूद, नैतिक शिक्षा और अन्य गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया है।

इस हाईटेक विद्यालय की एक और खासियत यह है कि इसके प्रत्येक कक्षा का नाम किसी महान विभूति के नाम पर रखा गया है। विद्यालय में क्लासरूम के नाम वशिष्ठ कक्ष, विश्वामित्र कक्ष, द्रोणाचार्य कक्ष, वाल्मीकि कक्ष रखे गए हैं।

भवन निर्माण करते समय परिसर में मौजूद एक भी पेड़ नहीं काटा गया। विद्यालय परिसर में 100 से अधिक पेड़ हैं। क्लास रूम में स्मार्ट बोर्ड, बेंच, आलमारी है। प्रकाश और वेंटिलेशन का विशेष ध्यान रखा गया है। यह यूपी का सबसे अधिक 40 केएलडी वाटर हार्वेस्टिंग क्षमता वाला प्राथमिक विद्यालय है। यह न केवल विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति और इतिहास से जोड़ने का कार्य करेगा, बल्कि उन्हें प्रेरित भी करेगा। यूपी का यह पहला प्राथमिक विद्यालय है, जिसकी जल संरक्षण प्रणाली 40 केएलडी वाटर हार्वेस्टिंग क्षमता वाली है।

### सीएम योगी ने दिए सख्त निर्देश

# जीएसटी चोरी रोकने के लिए रणनीति बने

**लखनऊ, 19 मार्च (एजेंसियां)।**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि राज्य कर विभाग व्यापारियों से संवाद बनाकर राजस्व संग्रह के तय लक्ष्य हासिल करे। विभाग की सराहना करते हुए कहा कि जीएसटी में पंजीकृत व्यापारियों की संख्या के मामले में पूरे देश में प्रदेश पहले पायदान पर है।

राज्य कर विभाग की समीक्षा करते हुए सीएम ने कहा कि टैक्स चोरी रोकने के लिए क्षेत्रवार रणनीति बनाएं। इसके लिए गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम और स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार करने के निर्देश दिए और कहा कि सही प्रयासों से टैक्स चोरी रोकी जा सकती है। साथ ही कहा कि कामकाज के आधार पर अफसरों की पोस्टिंग की जाए। सीएम ने वर्ष 2025-26 के लिए 1.75 लाख करोड़ रुपए राजस्व संग्रह के लक्ष्य के लिए मिशन मोड में काम करने करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि वर्ष 2023-24 में क्रियाशील पंजीकृत व्यापारियों की संख्या 17.2 लाख थी, जो 2024-25 में बढ़कर 19.9 लाख हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश रिटर्न दाखिल करने वाले अग्रणी राज्यों में है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। दुर्घटना में व्यापारी की मृत्यु, आंशिक व पूर्ण विकलांगता की स्थिति में उत्तराधिकारी तथा व्यापारी को राज्य सरकार 10 लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता दे रही है। साथ ही कहा कि सर्वाधिक टैक्स देने वाले लोगों को विभाग सम्मानित करे।

# संभल में नेजा मेला के झंडे वाली जगह में पुलिस ने भरा सीमेंट

**संभल, 19 मार्च (एजेंसियां)।**

संभल के नेजा मेला को लेकर प्रशासन सख्त हो गया है। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि इस्लामी लुटेरे और आक्रांता सालार मसूद की याद में कोई मेले का आयोजन नहीं होगा। मेला आयोजन स्थल पर भारी पुलिसबल तैनात किया गया है। उसकी मजार के आसपास ड्रोन से सर्वे हो रहा है।

मंगलवार को पुलिस ने उस गड्ढे में सीमेंट भरवा दी, जहां इस मेले के लिए झंडा लगाया जाना था। यह झंडा सालार मसूद की याद में लगता है और यह मेले का केंद्र बिंदु होता है। इसे ही नेजा कहते हैं। यहीं से इसका नाम नेजा मेला पड़ा है। संभल में इस जगह पर पुलिसबल तैनात कर दिया गया है। मेला कमिटी के अध्यक्ष के घर के बाहर भी जवान तैनात हैं। पूरे इलाके में पुलिस ने गश्त करना चालू कर दिया है और ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है। संभल के एएसपी श्रीषचंद्र दीक्षित ने स्पष्ट कर दिया है कि नेजा मेला की अनुमति इस बार नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि नेजा मेला एक गलत परंपरा थी और इनके साथ आगे बढना उचित नहीं है। एएसपी श्रीषचंद्र से बताया है कि अनुमति न दिए जाने के विषय में आयोजकों को सूचित कर दिया गया है। मसूद की मजार पर भी पुलिस तैनात है। एएसपी ने कहा कि जो भी व्यक्ति नेजा मेला को लेकर सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाएगा उस पर भी कार्रवाई होगी। संभल के हिंदू भी लगातार इस मेले के विरोध में हैं। हिंदुओं ने कहा है कि किसी आक्रांता के नाम पर मेले का आयोजन ठीक नहीं है।

वहीं मुस्लिम अब कोर्ट जाने की बात भी कर रहे हैं। इससे पहले एएसपी श्रीषचंद्र का एक वीडियो भी वायरल हुआ था, इसमें वह आयोजकों से सालार मसूद के विषय में बात करते हुए दिखाई पड़े थे। इसमें एएसपी दीक्षित कहते हैं, इतिहास गवाह है कि वह महमूद गजनवी का सेनापति था, उसने सोमनाथ को लूटा था, पूरा देश यह जानता था। किसी लुटेरे की याद में यहां कोई मेले का आयोजन नहीं होगा। अगर किसी ने यह करने का प्रयास किया तो कठोर कार्रवाई होगी। किसी भी लुटेरे के प्रति आप कहेंगे कि वह बहुत अच्छा है तो यह बिलकुल नहीं माना जाएगा। अगर आप लोग अभी तक कर रहे थे तो यह कुरीति थी और आप अज्ञानता में यह कर रहे थे। अगर जानबूझ कर रहे थे तो आप देशद्रोही थे। सारे ऐतिहासिक तथ्य सालार मसूद की क्रूरता साबित करते हैं। उसने सोमनाथ को लूटा था और इस देश के प्रति अपराध किया था। इस देश के प्रति अपराध करने वाले को कहीं बख्शा नहीं जाएगा। लुटेरे की याद में कोई नेजा (झंडा-निशान) नहीं गड़ेगा। अगर ये झंडा गड़ गया तो आप देशद्रोही हैं।

### मुख्यमंत्री ने चीनी उद्योग एवं गन्ना विभाग की समीक्षा की

# 46.50 लाख किसानों को हुआ 2,80, 223 करोड़ का भुगतान

**लखनऊ, 19 मार्च (एजेंसियां)।**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बुधवार को चीनी उद्योग व गन्ना विकास विभाग की समीक्षा बैठक की। विभागीय प्रगति की स्थिति से अवगत होते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान, सरकार की प्राथमिकता में हैं। इनके हितों के प्रति पूरी गंभीरता से काम किया जाना चाहिए।मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक जनपद में मास्टर ट्रेनर के माध्यम से गन्ना किसानों का प्रशिक्षण कराया जाए। इसमें स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्रों को भी जोड़ा जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि पेराई सत्र 2024-25 में अब तक 23,173 करोड़ से अधिक का भुगतान गन्ना किसानों को किया जा चुका है, जो कुल देय का 82 प्रतिशत है। वहीं विगत आठ वर्ष में 46.50 लाख किसानों को अब तक 2,80,223 करोड़ का गन्ना मूल्य भुगतान किया जा चुका है। यह वर्ष 1995 से मार्च 2017 (22 वर्ष) में हुए कुल भुगतान से 66,703 करोड़ रुपए अधिक है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि चीनी मिलों में टिशू कल्चर पद्धति से गन्ने की नई प्रजाति का बीज तैयार कराया जाए, जिससे नई गन्ना प्रजातियों का आच्छादन तेजी से हो सके और गन्ना उत्पादकता में भी वृद्धि हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारी चीनी मिलों में प्रबंधन की जवाबदेही तय करते हुए इसे लाभ में लाने के निरंतर प्रयास किए जाएं। सहकारी गन्ना विकास समितियों के भवनों का जीर्णोद्धार किया जाए तथा प्रगतिशील गन्ना किसानों को कार्यक्रमों में सम्मानित भी किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने गन्ना समितियों के माध्यम से पूर्व से संचालित विद्यालयों की मरम्मत व सुदृढ़ीकरण पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चीनी मिलों में गन्ना किसानों के लिए बुनियादी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके लिए संबंधित सहकारी गन्ना विकास समितियों का दायित्व भी निर्धारित किया जाए। गन्ना समितियां किसानों के बैठने, पेयजल एवं सस्ती कैंटीन भी खोलने का कार्य करें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गन्ना विकास समितियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों का जनप्रतिनिधियों से ही लोकार्पण कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गन्ना फसलों में कीट व बीमारियों के रोकथाम के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए तथा ससमय इसका नियंत्रण किया जाए, जिससे गन्ना उत्पादकता व उत्पादन में वृद्धि हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गन्ना शोध परिसर शाहजहांपुर, सेवरही व मुजफ्फरनगर का सुदृढ़ीकरण कराया जाए। तकनीकी स्टाफ एवं वैज्ञानिकों आदि की व्यवस्था करते हुए इनका प्रभावी संचालन निरंतर सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि सहकारी चीनी मिल संघ व उत्तर प्रदेश राज्य चीनी निगम के अंतर्गत संचालित चीनी मिलों में स्वच्छ छवि वाले अधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि चीनी मिलें निरंतर लाभप्रदता की स्थिति में आ सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि चीनी मिलों को इंटीग्रेटेड शुगर कॉम्प्लेक्स के रूप में विकसित कराया जाए। बैठक में गन्ना विकास व चीनी मिलें विभाग के कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण समेत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

# 204 करोड़ पौधरोपण कर यूपी सरकार ने पेश की मिसाल

**लखनऊ, 19 मार्च (एजेंसियां)।**

भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट के मुताबिक यूपी के वनाच्छादन में 559.19 वर्गकिमी की वृद्धि हुई है। पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ जनअभियान-2024 के तहत यूपी में 36.80 करोड़ पौधरोपण हुए। सीएम योगी के नेतृत्व में वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग ने कई बड़े-बड़े कार्य भी किए। वन विभाग में पारदर्शिता के आधार पर युवाओं को नियुक्ति दी गई। यूपी में पहली बार कार्बन क्रेडिट के जरिये किसानों की आय में वृद्धि हुई। 25 नवम्बर 2024 से लखनऊ से पलिया तक योगी सरकार ने हवाई सेवा भी शुरू की। उत्तर प्रदेश में सारस की संख्या में भी वृद्धि हुई।

योगी सरकार के प्रयास का नतीजा है कि उत्तर प्रदेश की नदियों में सर्वाधिक डॉल्फिन पाई गईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल

में ही राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की सातवीं बैठक में रिपोर्ट जारी की, जिसके मुताबिक देश में नदी डॉल्फिन की कुल संख्या 6,327 रही। देश के आठ राज्यों की 28 नदियों के सर्वेक्षण में सर्वाधिक संख्या (2397 डॉल्फिन) के साथ उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। अन्य राज्य यूपी से पीछे हैं। योगी सरकार ने 17 अक्टूबर 2023 को गंगा डॉल्फिन को राज्य जलीय जीव घोषित किया था। योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में 204 करोड़ से अधिक पौधरोपण किया गया। विगत वर्ष 36.80 करोड़ पौधरोपण कर उत्तर प्रदेश ने नया रिकॉर्ड स्थापित किया।भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश का वनाच्छादन 559.19 वर्ग किमी. बढ़ा है। छत्तीसगढ़ को छोड़कर सभी राज्य उत्तर प्रदेश से पीछे हैं।

योगी सरकार के पिछले आठ वर्ष में लगभग ढाई हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली। अभी हाल में ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 10 सितंबर को 647 वन रक्षकों-वन्य जीव रक्षकों और 22 नवंबर को 701 वन दारोगा को नियुक्ति पत्र प्रदान किया था। दुधवा टाइगर रिजर्व / दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में ईको पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए 25 नवम्बर 2024 को लखनऊ से पलिया तक हवाई सेवा का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा छह सितंबर 2024 को गोरखपुर के कैम्पियरगंज में एशिया के प्रथम नवनिर्मित जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र का उद्घाटन किया गया। नव निर्मित जटायु/राजगिद्ध के संरक्षण व संवर्धन केंद्र में कुल छह राजगिद्धों (नर एवं मादा) को लाया जा चुका है।

पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ जन अभियान, 2024 के अंतर्गत वर्ष में 36.80 करोड़ पौधरोपण किए गए। 20 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ, प्रयागराज व गोरखपुर में पौधरोपण किया।

इसके अतिरिक्त प्रदेश के 223 महत्वपूर्ण वेटलैण्ड्स के जलागम क्षेत्र में वेटलैंड संरक्षण वन की स्थापना की गई। प्रदेश में 948 विरासत वृक्ष वाटिका का निर्माण किया गया। इसके अलावा मित्र वन, मियावाकी वन, सौमित्र वन, शक्ति वन आयुष वन, पंचवटी, नवग्रह वाटिका की स्थापना की गई। गंगा, यमुना, सरयू, हिंडन, गोमती सहित विभिन्न नदियों के जलागम क्षेत्र में पवित्र धारा वृक्षारोपण योजना के तहत लगभग 3.72 करोड़ पौधरोपण किया गया। किसानों की निजी भूमि पर खड़े वृक्षों के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 20 जुलाई 2024 को कार्बन क्रेडिट का भुगतान किया।

# सर्वोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

### अंतिम तिथि 22 मार्च, 30 मार्च को होगी परीक्षा

**लखनऊ, 19 मार्च (एजेंसियां)।**

समाज कल्याण विभाग और जनजाति विकास विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। सीबीएसई मान्यता प्राप्त इन विद्यालयों में कक्षा 6, 7, 8, 9 और 11 में रिक्त सीटों पर प्रवेश परीक्षा के माध्यम से चयन किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी 22 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं।

कक्षा 6 से 9 तक के लिए प्रवेश परीक्षा 30 मार्च को आयोजित की जाएगी। जिसका परिणाम 31 मार्च को जारी होगा। वहीं कक्षा 11 में प्रवेश के लिए कोई परीक्षा नहीं होगी। 10वीं के प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी।

उसी के अनुसार इसमें चयन होगा। कक्षा 6 और 7 में कुल 70 सीटें हैं। दो सेक्शन में 35-35 छात्र होंगे। वहीं, कक्षा 8 और 9 में रिक्तियों के अनुसार प्रवेश दिया जाएगा। कक्षा 11 में अधिकतम 20 छात्रों का चयन होगा।

गांव के छात्रों को 85 फीसदी और शहरी छात्रों को 15 फीसदी सीटों में प्राथमिकता दी जाएगी। आरक्षण नीति के अनुसार 60 फीसदी सीटें अनुसूचित जाति/जनजाति, 25 फीसदी अन्य पिछड़ा वर्ग और 15 फीसदी सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित रहेंगी।

पूरी चयन प्रक्रिया जिलाधिकारी के नियंत्रण में होगी। प्रश्नपत्र का निर्माण व मूल्यांकन डायट के माध्यम से किया जाएगा। प्रदेश के सभी राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में भी यही प्रक्रिया लागू होगी।

सभी चयनित छात्रों के लिए शैक्षिक सत्र एक अप्रैल से शुरू होगा। सरकार ने चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिससे मेधावी छात्रों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा मिल सके। साथ ही हर वर्ग के छात्रों को समान अवसर प्रदान किया जाए।

संपादकीय

# वक्फ का जंतर-मंतर

**वक्फ** बिल के मुद्दे पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और हिंदू संगठन एक-दूसरे के खिलाफ आंदोलित हैं। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर दोनों ने अपने-अपने मोर्चे खोले। मुस्लिम पक्ष के तेवर काफी उग्र हैं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष महमूद मदनी ने कहा है कि सरकार वक्फ बिल के जरिए संविधान पर बुलडोजर चलाना चाहती है। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा है कि यह सांप का बिल है, जिसमें जहर भरा है। सांसद ओवैसी अपने तल्ख संबोधनों में मुसलमानों को डराते और भडक़ाते रहे हैं कि यदि वक्फ बिल संसद में पारित हो गया, तो हुकूमत हमारी मस्जिदें छीन लेगी, दरगाहें तोड़ देगी और कब्रिस्तान पर भी कब्जा कर लेगी। अजीब आंदोलन है यह ! यही नहीं, 'शाहीन बाग' सरीखे नए आंदोलन तक की धमकी दी जा रही है। वक्फ संशोधन बिल ईद के बाद, बजट सत्र के अंतिम भाग में, संसद में पेश किया जाना प्रस्तावित है। लोकसभा स्पीकर ने, सरकार का आग्रह मानते हुए, जिस संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया था, उसकी भारी-भरकम रपट लोकसभा में रखी जा चुकी है। जेपीसी के 31 सांसद-सदस्यों में विपक्ष के भी पर्याप्त सांसद थे, लिहाजा ये दलीलें बेमानी हैं कि उनके पक्ष और संशोधन अनसुने रखे गए हैं। संसद के भीतर भी तमाम संशोधन बहुमत या ध्वनि मत के आधार पर ही पारित किए जाते हैं। यदि जेपीसी में भी यही प्रणाली इस्तेमाल की गई है, तो विपक्ष की आपत्तियां चीखा-चिल्ली के अलावा कुछ और नहीं हैं। कार्यपालिका और विधायिका को सदन में किसी भी मुद्दे या कानून में संशोधन करने के संवैधानिक विशेषाधिकार हैं। सदन में मुस्लिम और उनके समर्थक दलों-सपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस आदि-के सांसद भी हैं। वे संसदीय बहस में शिरकत करें। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के मु_ी भर नेता प्रस्तावित बिल को 'अल्लाह' और 'इस्लाम' के खिलाफ करार क्यों दे रहे हैं? वक्फ बोर्ड की जमीनें और संपत्तियां अल्लाह के नाम पर अर्जित की गई होंगी, लेकिन उनमें गहरे विवाद हैं। केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय को 2023 में 148 शिकायतें मिली थीं, जिनमें अधिकतर मुसलमानों की ही थीं। आज भी 40,951 मामले ट्रिब्यूनल या अदालतों में लंबित हैं, लिहाजा संशोधन क्यों न किया जाए? हम तो देश में वक्फ बोर्ड सरीखे मजहबी संगठनों के अस्तित्व के ही खिलाफ हैं। देश में सरकार और प्रशासन के लोकतांत्रिक ढांचे को जनादेश प्राप्त है। वक्फ कानून में संशोधन होते रहे हैं, लेकिन इसकी निरंकुशता पर लगाम नहीं लगाई जा सकी है। देश में 9 लाख एकड़ से अधिक जमीन वक्फ बोर्ड के अधीन है, जो रेलवे और सेना के बाद सर्वाधिक है। करीब 8.7 लाख संपत्तियों की सालाना आमदनी मात्र 200 करोड़ रुपए बताई जाती रही है, जबकि सच्चर कमेटी की रपट के मुताबिक, यह आमदनी 12,000 करोड़ रुपए से अधिक होनी चाहिए। सवाल है कि इसमें भारी घोटाला है अथवा भू-माफिया की एक जमात हकीकत को छिपाए रखना चाहती है? विडंबना यह है कि 1.26 लाख करोड़ रुपए, 2023-24 के आकलन के मुताबिक, की संपत्तियों वाले वक्फ के मुस्लिम समाज में आज भी करीब 32 फीसदी अनपढ़ और 30 फीसदी गरीब मुसलमान हैं। वक्फ बोर्ड ऐसे मुसलमानों की मदद क्यों नहीं करते? जब आंदोलन की नौबत आ गई है, तो रमजान के महीने में भी रोजेदार मुसलमानों को सडक़ों पर उतरने के आह्वान किए जा रहे हैं। दरअसल वक्फ बोर्ड संविधान के अनुच्छेदों 25 और 26 की अवहेलना करता है। संशोधन की जरूरत इसलिए है, ताकि एक निश्चित व्यवस्था के तहत वक्फ के बेहतर ऑडिट किए जा सकें।

> राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर दोनों ने अपने-अपने मोर्चे खोले। मुस्लिम पक्ष के तेवर काफी उग्र हैं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष महमूद मदनी ने कहा है कि सरकार वक्फ बिल के जरिए संविधान पर बुलडोजर चलाना चाहती है। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा है कि यह सांप का बिल है, जिसमें जहर भरा है। सांसद ओवैसी अपने तल्ख संबोधनों में मुसलमानों को डराते और भडक़ाते रहे हैं कि यदि वक्फ बिल संसद में पारित हो गया, तो हुकूमत हमारी मस्जिदें छीन लेगी, दरगाहें तोड़ देगी और कब्रिस्तान पर भी कब्जा कर लेगी। अजीब आंदोलन है यह! यही नहीं, 'शाहीन बाग' सरीखे नए आंदोलन तक की धमकी दी जा रही है। वक्फ संशोधन बिल ईद के बाद, बजट सत्र के अंतिम भाग में, संसद में पेश किया जाना प्रस्तावित है। लोकसभा स्पीकर ने, सरकार का आग्रह मानते हुए, जिस संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया था, उसकी भारी-भरकम रपट लोकसभा में रखी जा चुकी है। जेपीसी के 31 सांसद-सदस्यों में विपक्ष के भी पर्याप्त सांसद थे, लिहाजा ये दलीलें बेमानी हैं कि उनके पक्ष और संशोधन अनसुने रखे गए हैं। संसद के भीतर भी तमाम संशोधन बहुमत या ध्वनि मत के आधार पर ही पारित किए जाते हैं। यदि जेपीसी में भी यही प्रणाली इस्तेमाल की गई है, तो विपक्ष की आपत्तियां चीखा-चिल्ली के अलावा कुछ और नहीं हैं।

## सुनीता विलियम्स की उपलब्धियाँ न केवल भारतीय वैज्ञानिकों बल्कि देश के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं

# धरती पर लौटीं सुनीता विलियम्स: एक ऐतिहासिक वापसी

डॉ. सत्यवान सौरभ

> सुनीता विलियम्स और उनके जैसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भविष्य के चंद्र और मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नासा और अन्य स्पेस एजेंसियाँ अब दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों की तैयारी कर रही हैं, जिनमें अंतरिक्ष में रहने के नए तरीके, कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण की संभावनाएँ और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने की रणनीतियाँ शामिल हैं

**नासा** की अनुभवी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर, जो पिछले नौ महीने से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर थे, आज सफलतापूर्वक धरती पर लौट आए हैं। स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल की मदद से उन्होंने मेक्सिको की खाड़ी में सुरक्षित लैंडिंग की। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर के साथ परीक्षण उड़ान के लिए अंतरिक्ष में गए थे। हालांकि, स्टारलाइनर में तकनीकी खामी के कारण उनकी वापसी में देरी हुई, जिससे वे नौ महीने तक ISS पर रहे। उनकी वापसी के लिए स्पेसएक्स का क्रू-10 मिशन लॉन्च किया गया था, जिसने सफलतापूर्वक उन्हें धरती पर वापस लाया। वापसी के बाद, दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को स्ट्रेचर पर ले जाया गया, जो लंबे समय तक भारहीनता में रहने के बाद सामान्य प्रक्रिया है। यह मिशन न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्त्वपूर्ण रहा, बल्कि इससे वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के प्रभावों को समझने में भी मदद मिलेगी। इससे नासा और अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों को भविष्य के गहरे अंतरिक्ष अभियानों, जैसे कि मंगल पर मानव मिशन की योजना बनाने में सहायता मिलेगी। सुनीता विलियम्स की यह वापसी अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यह मिशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए मूल्यवान डेटा प्रदान करेगा और अंतरिक्ष यान तकनीक के सुधार में सहायक सिद्ध होगा। सुनीता विलियम्स और उनके जैसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भविष्य के चंद्र और मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नासा और अन्य स्पेस एजेंसियाँ अब दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों की तैयारी कर रही हैं, जिनमें अंतरिक्ष में रहने के नए तरीके, कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण की संभावनाएँ और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने की रणनीतियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, स्टारलाइनर जैसी तकनीकों में सुधार कर, अंतरिक्ष अन्वेषण को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाया जाएगा। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति को और विस्तारित करने के लिए वैज्ञानिक शोध जारी रहेंगे, जिससे भविष्य में मंगल और उससे आगे की यात्राएँ संभव हो सकेंगी। सुनीता विलियम्स भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री हैं, जिनका भारत से गहरा जुड़ाव रहा है। उनके पिता भारतीय मूल के हैं और उन्होंने कई बार भारत के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया है। भारत में अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान की बढ़ती उपलब्धियों के बीच, सुनीता विलियम्स एक प्रेरणास्रोत बनी हुई हैं। इसरो (ISRO) भी अब मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, गगनयान, की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। इसरो ने हाल ही में गगनयान के लिए प्रमुख परीक्षण पूरे किए हैं और आने वाले वर्षों में भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन को लॉन्च करने की योजना बना रहा है। सुनीता विलियम्स की उपलब्धियाँ न केवल भारतीय वैज्ञानिकों बल्कि देश के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं। उनकी सफलता यह दिखाती है कि भारतीय मूल के लोग वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। भविष्य में, इसरो और नासा के बीच सहयोग बढ़ सकता है, जिससे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को और मजबूती मिलेगी। सुनीता विलियम्स न केवल एक उत्कृष्ट अंतरिक्ष यात्री हैं, बल्कि एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व भी हैं। उनका सफ़र यह दर्शाता है कि कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और विज्ञान के प्रति जुनून कैसे किसी को नई ऊंचाइयों तक पहुँचा सकता है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं और युवा वैज्ञानिकों को प्रेरित किया है कि वे अंतरिक्ष अनुसंधान और विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ें। उन्होंने कई मौकों पर भारतीय छात्रों और युवाओं से संवाद किया है और उन्हें वैज्ञानिक क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। उनके अनुभव और उपलब्धियाँ न केवल अंतरिक्ष क्षेत्र बल्कि विज्ञान और तकनीक में रुचि रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक प्रेरणा हैं। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि सीमाएँ केवल मानसिकता में होती हैं और यदि कोई लक्ष्य निर्धारित किया जाए, तो उसे प्राप्त किया जा सकता है। सुनीता विलियम्स और उनके जैसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भविष्य के चंद्र और मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नासा और अन्य स्पेस एजेंसियाँ अब दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों की तैयारी कर रही हैं, जिनमें अंतरिक्ष में रहने के नए तरीके, कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण की संभावनाएँ और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने की रणनीतियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, स्टारलाइनर जैसी तकनीकों में सुधार कर, अंतरिक्ष अन्वेषण को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाया जाएगा। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति को और विस्तारित करने के लिए वैज्ञानिक शोध जारी रहेंगे, जिससे भविष्य में मंगल और उससे आगे की यात्राएँ संभव हो सकेंगी। सुनीता विलियम्स की यह वापसी अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यह मिशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए मूल्यवान डेटा प्रदान करेगा और अंतरिक्ष यान तकनीक के सुधार में सहायक सिद्ध होगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनीता विलियम्स की सफल वापसी पर बधाई दी और उनके साहस तथा समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि सुनीता विलियम्स न केवल भारतीय मूल के लोगों के लिए गर्व का विषय हैं, बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि उनका यह मिशन भारत के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और युवाओं के लिए एक प्रेरणा है, जो अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयों को छूने का सपना देखते हैं।



दृष्टि कोण

# नए बजट की दशा और दिशा

**बाप** बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपया। कोई घर, संस्था या सरकार पैसे के बिना कुछ नहीं कर सकते। सरकारों का यह दायित्व होता है कि ज्यादा से ज्यादा साधन जुटाएं और चादर देख कर ही अपने पांव पसारें। भारतीय संविधान केंद्र और राज्य सरकारों को अगामी वित्तीय वर्ष के लिए अपनी आय और व्यय का लेखा-जोखा संसद या विधानसभा में प्रस्तुत करने के लिए बाध्य करता है जिसे वार्षिक वित्तीय विवरणिका कहा जाता है। इस विवरणिका को आम तौर पर बजट कह कर संबोधित किया जाता है। हिमाचल प्रदेश का वर्ष 2025-26 का बजट 17 मार्च को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत किया गया। इससे पहले 13 मार्च को प्रदेश का इकोनॉमिक सर्वे आया था। इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार आर्थिक गति दर में 0.1 फीसदी की मामूली सी बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2023-24 में जो दर 6.6 फीसदी थी, 2024-25 में 6.7 फीसदी आंकी गई है। घरेलु सकल उत्पाद जो 2023-24 में 2.10 लाख करोड़ था, बढ़ कर 2.32 लाख करोड़ हो गया है। वर्ष 2023-24 में प्रति व्यक्ति आय जो 234782 रुपए थी, 9.6 प्रतिशत वृद्धि के साथ वर्ष 2024-25 में 257212 रुपए हो गई है जो एक अच्छा संकेत है। प्रदेश की महंगाई दर 5 प्रतिशत से घट कर 4.2 प्रतिशत पर आ गई है। हिमाचल का लेबर फोर्स पार्टीसिपेशन रेट 60.5 प्रतिशत है जो पड़ोस के सभी राज्यों से तो अधिक है। हिमाचल की बेरोजगारी दर 5.4 फीसदी आंकी गई है, लेकिन रोजगार कार्यालयों के अनुसार 675671 व्यक्ति अभी रोजगार की कतार में खड़े हैं। राज्य का 2025-26 का बजट 58514 करोड़ रुपए का है, जबकि गत वर्ष यह 58444 करोड़ का था। मात्र 70 करोड़ की वृद्धि हुई है। राज्य की कुल अनुमानित राजस्व आय 42343 करोड़, तो अनुमानित व्यय 48733 करोड़ रुपए है। राजस्व घाटा 6390 करोड़ रुपए का और वित्तीय घाटा 10338 करोड़ का है। वित्तीय घाटा कुल सकल घरेलु उत्पाद का 4.4 प्रतिशत है जो एफ आरबीएम की 3 फीसदी की सीमा से बाहर है। राज्य की सीमित आय को देखते हुए जाहिर है कि वित्तीय घाटा ऋण लेकर ही पूरा किया जा सकेगा। वेतन, पेंशन, ऋण व ऋण पर ब्याज की अदायगी और स्वायत्त संस्थाओं के अनुदान पर 76 प्रतिशत व्यय होना दर्शाया गया है। विकासात्मक कार्यों के हिस्से केवल 24 प्रतिशत राशि ही आएगी, जबकि पिछले वर्ष 28 प्रतिशत थी। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना, कृषि ऋण पर ब्याज उपदान योजना, मंडी तक अपना सामान ले जाने पर भाड़ा उपदान, बंदरों की समस्या से निजात पाने के लिए जंगलों में फल के पौधे लगाना और स्थानीय समुदायों को उससे जोडऩा आदि किसान हितकारी योजनाएं बजट में हैं। लेकिन आवारा बैल-गायों की समस्या के समाधान के लिए कुछ विशेष नजर नहीं आता। शिक्षा संस्थानों में युक्तिकरण सही है, लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। स्कूलों में बढ़ती नशा प्रवृत्ति पर भी अंकुश की सख्त जरूरत है। चिकित्सा संस्थानों में एमआरआई और पेट स्कैन आदि नए उपकरण खरीदना समय की मांग है। इसी तरह महिला और बाल विकास की कल्याणकारी योजनाओं का भी जिक्र बजट में है, जिसे आगे ले जाने की आवश्यकता है। पुरानी टैक्सियों को ई-टैक्सियों में बदलने के लिए ऋण सुविधा, सोलर पॉवर को बढ़ावा देने के लिए उद्यमियों, विशेषकर युवाओं को ऋण पर ब्याज उपदान की घोषणा करना, राज्य में उद्योग को आकृष्ट करने के लिए दो महीने के अंदर उन्हें सारी क्लीयरैंस देना, धार्मिक, साहसी, मेडिकल पर्यटन को विकसित करना, पर्यटन को शहर से गांव की ओर ले जाना सही दिशा में सही कदम हैं, लेकिन जरूरत है इसे अमलीजामा पहनाने की। नए डेस्टिनेशन को विकसित करने की बातें वर्षों से चल रही हैं, परंतु धरातल पर आज तक कुछ उतर नहीं पाया है। दिहाड़ीदारों, आउटसोर्स वर्कर, आंगनवाड़ी व आशा वर्कर और अन्य कई कर्मियों की पगार बढ़ाना अच्छी बात है, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण है आउटसोर्स कर्मियों को नियमित करने के लिए नीति निर्धारण करना। कर्मचारियों को 3 प्रतिशत डीए और 70 वर्ष से ऊपर के पेंशनरों को एरियर के भुगतान की घोषणा स्वागत योग्य है, परंतु देनदारियों को निपटाने में इस तरह तो कई दशक लग जाएंगे जो न कर्मचारियों के और न ही सरकार के हित में होगा। न्यायालयों ने अगर एरियर पर ब्याज देने को बाध्य किया तो मुश्किल और बढ़ जाएगी। चिंताजनक पहलु यह है कि विकास के लिए बजट का कुल हिस्सा घटता जा रहा है। पिछले वर्ष अगर यह 28 फीसदी था, तो इस साल यह 24 फीसदी रह गया है।

कुछ अलग

# डॉट वरी! हो जाएगा...

**अब** अपने मुंह अपनी तारीफ क्या करनी। मैं नहीं, मेरा काम बोलता है। पिछले हफ्ते मेरे मुहल्ले का पुजारी मेरे पास आ सिर शान से उठाए बोला, 'बंधुवर! कहते हुए आ तो शर्म रही है, पूजा करते करते बहुत थक गया हूं, अब मुझे भगवान होने का प्रमाणपत्र चाहिए था।' 'बस इतनी सी बात! डोंट वरी! कल ले लेना! हम यहां बैठे किसलिए हैं?' और मैंने अगले दिन वायदे के मुताबिक पुजारी को भगवान होने का चकाचक प्रमाणपत्र थमा दिया। अगली सुबह मुहल्ले के मंदिर गया तो देखा, मेरे द्वारा दिलाए प्रमाणपत्र को गले में डाले पुजारी भगवान के सिंहासन पर और असली के भगवान पुजारी के पटड़े पर। इसी सिलसिले में कल मेरे एक मित्र का फोन आया। फोन उठाते ही बोले, 'यार! उनको एक प्रमाणपत्र चाहिए था। हो जाएगा न?'
'एक क्या, सौ लो, हजार लो। हम आए ही किसलिए हैं इस जीव जगत में? कौनसा प्रमाणपत्र चाहिए जनाब को? किस बोर्ड का चाहिए? किस विश्वविद्यालय का चाहिए? किस ऑफिस का चाहिए? बस, थोड़ा सा वक्त दे देना प्लीज! माना, तुम्हारा दोस्त हूं। पर फर्जी काम के लिए थोड़ा समय तो मुझे भी चाहिए होता है न!' मैंने अपने हर कस्टमर की तरह उनको भी आश्वस्त किया तो वे बोले, 'उनको अपनी पत्नी की मृत्यु का प्रमाणपत्र चाहिए था।' उन्होंने कहा तो मुझे काटो तो खून नहीं। उनमें यह कहते हुए रहा होगा, तो मैं कुछ कह नहीं सकता। उनके मुखारविंद से यह सुन गुस्सा तो बहुत आया, पर दोस्त अपने थे, इसलिए खामोश रहा। फिर पता नहीं क्यों, ऐसे में भी उनको सही गाइड करना अपना फर्ज समझा। सो मैंने उनको गाइड करते कहा, 'तो इस मृत्यु प्रमाणपत्र लेने में मेरी जरूरत क्या? कमेटी से इजीली मिल जाएगा।' 'नहीं मित्र! वे चाहते हैं कि उनकी पत्नी तो जिंदा रहे, पर पत्नी के फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र से पत्नी के मरने के बाद वाले सारे बेनिफिट उनको मिल जाएं। बेचारे आजकल बहुत तंगी में चले हैं!' 'तो उनसे कहो कि जीवित पत्नी का मृत्यु प्रमाणपत्र लेने के लिए सबसे पहले वे सरकारी कागजों में शमशानघाट के असली कर्मचारी के कर कमलों द्वारा अपनी पत्नी का कागजी अंतिम संस्कार करवाएं। जब उसका शमशानघाट के कर्मचारी के हाथों कागजी अंतिम संस्कार हो जाए तो उसके बाद वे मृत्यु ऑफिस जाकर मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने वाले अधिकारी की सेवा पानी करें। परम सत्य है, जहां सेवा, वहां मेवा। जो वे सेवा पानी करवाने के बाद भी आनाकानी करें तो बीच में हजार-दो हजार दे दलाल को डाल दें। मेरे जैसे दलालों की ऑफिसों में कोई कमी नहीं। एक ढूंढो, दस मिलेंगे। वैसे भी अब एक से महानों ने देश की रखवाली करने के बदले दलाली का बिजनेस शुरू कर रखा है। अपने समाज में नागरिक कम तो दलाल अधिक हैं। पैसे देखकर यहां कौन नहीं बिक जाता?' 'फिर?' लगा जैसे वे मेरी बातों को गहनता से ले रहे थे, 'जब वहां से उनकी जीवित पत्नी की फर्जी मृत्यु का मृत्यु प्रमाणपत्र मिल जाए तो उसे वे जहां चाहते हों वहां पेश कर दें। अगर बीच में कोई दिक्कत आए तो बता देना। बंदा जरूरतमंदों के नेक कामों के लिए हरदम हाजिर है', मैंने कहा तो वे इतने प्रसन्न कि मानो उनको ही...।

देश दुनिया से

# प्रकृति संरक्षण के कृतसंकल्प लिए जाएं

**आधुनिक** प्रगति की असंख्य उलझी हुई समस्याओं के साथ निरंतर उत्पन्न होतीं मौसम संबंधी अस्थिरताएं भी मनुष्य को हतप्रभ कर रही हैं। इस बार होली दिवस के संध्याकाल से ही भारत सहित विभिन्न देशों में जलवायु प्रतिकूल होनी आरंभ हो गई। परिणाम में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड की संपूर्ण पर्वतमाला के ऊंचे शिखरों पर हुए हिमपात, वर्षा, आंधी-तूफान द्वारा जलवायु पुनः अस्थिर हो उठी है। होली दिवस के अपराह्न काल से आरंभ हुआ ऐसा अप्रत्याशित जलवायु परिवर्तन पहले कभी यदा-कदा ही घटित हुआ होगा। ऐसा परिवर्तन वायुमंडल की वातानुकूलन स्थिति को ध्वस्त कर रहा है। यह दुष्चक्र विगत दस-पंद्रह वर्षों से तीव्रतापूर्वक अप्रकट रूप में घूम रहा है। इस पर आधुनिक विज्ञान और वैज्ञानिकों का कोई नियंत्रण नहीं है। यह मनुष्य के अल्पावधि के जीवन को भी केवल और केवल कठिनाइयों, समस्याओं व पीड़ाओं से घेर रहा है। इस लेखक ने स्वयं पहाड़ी क्षेत्र में रहते हुए 14 मार्च को रात 12 बजे के बाद से लेकर 15 मार्च प्रातः 9 बजे तक भयंकर तेज हवाओं, अंधड़, तूफान और घन गर्जनाओं का सामना किया। वायु की गति इतनी तीव्र थी कि विशाल आकार के बीस-पच्चीस फुट लंबे-चौड़े वृक्ष जड़मूल धराशायी हो गए। घन गर्जनाएं ऐसी प्रतीत हुईं कि घर को नींव से भी नीचे गहरे जाकर उखाड़ रही हों। घरों में बनाए हुए अपने घोंसलों में रहने वाले गौरैया पक्षी इस विध्वंसकारी वातावरण में बाहर निकलने का साहस नहीं कर सके। विशाल वृक्षों को तोड़-मरोड़ कर रख देने वाली तेज हवाओं के सम्मुख नन्हे पक्षियों का क्या अस्तित्व! प्रायः ब्रह्म मुहूर्त में अपनी चहचहाटों के साथ फुदकने वाले गौरैया सहित अनेक अन्य पक्षी इस जलवायुगत विपत्ति में निःश्वास एवं अस्तित्वहीन होकर दुबके हुए थे। ऐसे में क्या मनुष्य का घर और क्या पक्षी का घोंसला, सभी आश्रयस्थल असुरक्षित थे। इस प्रतिकूल परिस्थिति में पूरा जीवन ही असुरक्षित हो उठा था। यह सभी कुछ होने की समयावधि में जो जन गहरी नींद में थे, उनके निद्रास्वास्थ्य का अभिनंदन है। किंतु यह लेखक तो पूरे छह-सात घंटे तक प्रकृति के विनाशक तांडव के थमने, रुकने की ही प्रतीक्षा करता रहा। यह पारिस्थितिकी असंतुलन भारत के वायुमंडल तक ही सीमित नहीं था। इसी समयावधि में अमेरिका के मध्य-पश्चिमी व दक्षिणी क्षेत्र के मिसौरी, अर्कांसस, टेक्सास, ओक्लाहोमा, कंसास और मिसिसिपी में भी आंधी-तूफान, वर्षा-हवाओं के कारण 34 लोग मारे गए और 29 घायल हो गए। अमेरिका के इन क्षेत्रों में भी वैसी ही अग्नि भडक़ी हुई है जैसी जनवरी में कैलिफोर्निया के जंगलों में थी। हवाओं से अग्नि का तीव्र प्रसार हो रहा है। परिणामतः मिसिसिपी, अलबामा और टेनेसी सहित अनेक क्षेत्रों के लगभग नब्बे लाख लोग तेज हवाओं से प्रज्ज्वलित अग्नि बवंडर से प्रभावित हो सकते हैं। वहां आठ करोड़ अ_ाईस लाख की जनसंख्या को हवा के अलर्ट के बारे में सूचित किया गया है। मौसम का विनाशक घूर्णनकारी चक्र अमेरिका के मध्य क्षेत्र से होकर के पूर्व की ओर बढ़ रहा है। इस कारण जॉर्जिया में अत्यधिक वर्षा, अकस्मात बाढ़ आने, विनाशकारी हवा के झोंकों के चलने और तीव्रतापूर्वक फैल रहे बवंडर का संकट व्याप्त है। भारत और अमेरिका ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों, भूभागों और इनमें रह रहे लोगों पर 14-15 मार्च का जलवायु उत्पात गहन संकट बनकर छाया। ऐसा गत पंद्रह वर्षों में कम प्रभाव के साथ, गत दस वर्षों में अधिक प्रभाव के साथ और अब विगत एक-दो वर्षों में अत्यधिक प्रभाव के साथ निरंतर कुछ-कुछ दिनों के अंतराल पर हो ही रहा है। जब मौसम मानवजाति के सिर पर विनाश की छतरी बनकर तन चुका है, तो क्या मानवों को अभिशप्त वैज्ञानिक प्रतिस्पद्र्धा और परिणामकारी जैविक व जीवन संबंधी गतिविधियों पर नियंत्रण का कार्य अभ्यास आरंभ नहीं कर देना चाहिए? मौसम के अप्रत्याशित संकटों के सम्मुख मानव का विज्ञान-लालच कोई महत्त्व नहीं रखता है। अतः विज्ञान के आत्मघाती प्रयोगों को रोककर मानवीय जीवन को पुनः आत्मनिर्भर ग्रामीण व्यवस्था की ओर अग्रसर करने का समय आ चुका है। कोरोना महामारी के बाद तो ऐसा हो भी जाना चाहिए था, किंतु विश्व के कर्ताधर्ता ऐसा नहीं चाहते हैं। वे महामारीजन्य अनेक असुरक्षाओं के बाद भी मनुष्य को प्रगति का दास बनाए रखने की प्रेरणा दे रहे हैं। वे मनुष्य को प्राकृतिक जीवन, स्वास्थ्य, खाद्यान्न, आनंद देने की स्थिति में तो नहीं हैं, किंतु वैज्ञानिक प्रगति के मंत्र से मुग्ध करके उसे अप्राकृतिक रूप में मरने-खपने और मरने-खपने की इस प्रतियोगिता से लगाव रखने की सीख देने में अवश्य सफल हैं। वैज्ञानिकों, पूंजीधारकों, उद्योगकारों और इनके अनुसार शासन हांकने वाले शासकों को अंततः कितना अधिक साधन-संसाधन संपन्न होना है! ऐसी संपन्नता की कोई सीमा भी तो होगी। यदि ऐसे लोग प्रकृति के प्रकट व गुप्त तत्त्वों का राक्षसी दोहन करते हुए अपने संबंधियों और समर्थकों के लिए भी साधनों-संसाधनों की विशाल मात्रा एकत्र कर देना चाहते हैं, तो करें। इस हेतु वे अपने व अपने संबंधियों के लिए साधनों-संसाधनों के मूल्य प्रतीक और अर्थव्यवस्था के शक्ति संकेत के स्वरूप में विद्यमान मुद्रा को वास्तविक अथवा आभासी रूप में मनचाही मात्रा में एकत्र कर लें। वे ऐसा कर भी रहे हैं। किंतु गहन आश्चर्य है कि ऐसा करने के बाद भी उनका लालच रुक नहीं रहा। उन्हें स्वयं और अपनी पीढियों के लिए मनचाही मात्रा में एकत्र की हुई मुद्रा भी कम ही लग रही है। यदि मनुष्यगण ऐसी ही प्रवृत्ति से ग्रस्त रहेंगे तो इसका अंतिम दुष्परिणाम प्रकृति की विनाश लीला के रूप में ही सामने होगा। साधन-संसाधन संपन्न मनुष्यों को बारंबार यह सूत्र स्मरण करने की आवश्यकता है कि वे उपलब्ध पंचतत्त्वों का आसुरी दोहन करके वैज्ञानिक-आधुनिक प्रगति तो कर सकते हैं, परंतु पंचतत्त्वों की विकारग्रस्तता के कारण उत्पन्न होने वाली अप्रत्याशित पर्यावरणीय प्रतिक्रियाएं नहीं थाम सकते। आज के प्रगतिवादी, आधुनिक और तर्कशील व्यक्ति अपनी कपोल कल्पना के वशीभूत होकर प्राचीन लोगों को मूर्ख समझते हैं, किंतु उन्हें जलवायु की दुर्दशा देखकर अपने बारे में भी यह सत्य जानने-समझने की अति आवश्यकता है कि अपने जीवन के आधार पंचतत्त्वों को पराकाष्ठा तक विकृत करने में वे सर्वाधिक दोषी हैं। पहले के मनुष्य जीवन की प्रत्येक गतिविधि को दूरदर्शी नीतियों के अनुसार निर्धारित करते थे। अपने जीवन को जीते हुए, उसे संभालते हुए, उसका चहुंदिश आनंद लेते हुए और उसका सम्मान करते हुए वे हमारी अर्थात अपनी भावी पीढ़ी की पर्यावरणीय सुरक्षा के बारे में भी विचार किया करते थे।

आप का नजरिया

# पर्यटन के साइड इफेक्ट

**छुट्टियों** में चढ़ता घरेलू पर्यटन का बुखार हिमाचल की आबोहवा में रंग घोलता है, तो इसी के साथ कुछ अवांछित पहलू भी जुड़ जाते हैं। सारे यात्री पर्यटक नहीं हो सकते, इसलिए सही पर्यटन को चिन्हित करना होगा, जबकि हिमाचल में हर आने वाले की पहचान तथा उसके आचरण की निगरानी बेहद जरूरी है। प्रदेश में एक हुजूम ऐसा भी आने लगा है, जो भ्रमित है या हिमाचल में आकर पर्यटन के आंकड़े बिगाड़ रहा है। एक और पर्यटक समूह है, जो अभी आया नहीं या यहां पहुंचा नहीं, उसे बुलाने की जरूरत है। जो भीड़ आती है, उसका पर्यटन से अलग करके मुआयना करना होगा। सही को सहेजना और गलत को वापस भेजना भी पर्यटन की कला है। सही वह है जिसे हाई एंड टूरिस्ट कहते हैं। उसके लिए सुकून चाहिए। उसे संस्कृति, पर्वतीय आबोहवा, परंपराओं में बहती सादगी और पहाड़ी रिवायत में गीत-संगीत व ट्राइबल जीवन से रूबरू होना है। इस तरह असली पर्यटक तो अभी आया नहीं, क्योंकि उसके लिए रास्ते अभी बने नहीं और जो रास्ते बने, उनसे पर्यटन के नाम पर हमने अवांछित भीड़ इकट्ठी कर ली। यही भीड़ ऊना में पुलिस से उलझ जाती है, तो मणिकर्ण गुरुद्वारे के दर्शन को अफरा-तफरी में बदल देती है। आखिर यह कौनसा पर्यटन है, जो झंडा प्रदर्शन की इबारत में चुनौती दे रहा है। क्या हिमाचल इस हुड़दंग की गिनती भी पर्यटन में करता है। हम इन्हें किसी राज्य से जोडक़र नहीं देख सकते, लेकिन वर्ष के सारे यात्री साधु नहीं होते या हिमाचल की पर्यटन महफिल को अशांत करने वालों से निपटने की व्यवस्था करनी चाहिए। हम अगर पर्यावरण राज्य हैं, तो एक सीमा से आगे बाहरी राज्यों के पुराने वाहनों खास तौर पर बाइकर्ज को आने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। प्रदेश के प्रमुख पर्यटक स्थलों से दस किलोमीटर पहले ही बाहरी वाहन रोककर आगे का सफर सार्वजनिक परिवहन या रज्जु मार्गों के माध्यम से ही संभव करना होगा।हिमाचल में पर्यटन को अनुशासित, उपयोगी और शालीन बनाए रखने के लिए पुलिस की गश्त चौबीस घंटे करनी पड़ेगी। अब हमें पर्यटन पुलिस के खाके में मेहनत करते हुए देश में सबसे आगे खड़ा होना पड़ेगा। दरअसल हमने पर्यटन को फेरी बना दिया है, जहां चंद गेड़ीबाज लोग माहौल को खराब कर रहे हैं। यह भीड़ पर्यटन है जो प्रदेश के शांत माहौल में आवारगी का आलम पैदा करता है। इसी भीड़ के बीच पर्यटन की सौम्यता का कायल युवा पढ़ा-लिखा व कारपोरेट से जुड़ा सैलानी आहत होता है। गेड़ीबाज पर्यटक किसी न किसी तरह के पुराने-अनफिट वाहन पर सवार होकर आ रहा है। परिवहन के मानकों को नजरअंदाज करके कानून-व्यवस्था पर दबाव डाल रहा है। इसे पर्यटक अधोसंरचना से कोई सरोकार नहीं। यह मुफ्त के लंगर खोज रहा है या एक दिन और रात के सफर में सामाजिक ताने-बाने, धार्मिक परंपराओं और शिष्टाचार के सारे पैमानों को नजरअंदाज कर रहा है। इसकी जिज्ञासा में हो-हल्ले का सफर ही मुकम्मल है और यह प्रकृति के विपरीत खतरे मोल लेता है। कांगड़ा की बनेर खड्ड में अगर पंजाब का युवक डूब कर मरा, तो यह खुदकुशी है। वहां सुरक्षा के सारे इंतजाम तथा चेतावनियों के बावजूद अगर पानी से छेडख़ानी होगी, तो मौत की मंजिल तय है।

# अमेरिका के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स का राष्ट्रपति ट्रंप पर पलटवार

**वाशिंगटन, 19 मार्च (एजेंसियां)।**

संयुक्त राज्य अमेरिका के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने मंगलवार को संघीय न्यायपालिका के खिलाफ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बढ़ती बयानबाजी पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के खिलाफ फैसला सुनाने वाले न्यायाधीशों पर महाभियोग चलाने का आह्वान लक्षित प्रतीत होता है। रॉबर्ट्स का बयान सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया है।

मुख्य न्यायाधीश ने बयान में कहा, दो शताब्दियों से भी अधिक समय से यह स्थापित है कि न्यायिक निर्णय से संबंधित असहमति के लिए महाभियोग उचित प्रतिक्रिया नहीं है। इसके लिए अपीलीय समीक्षा प्रक्रिया मौजूद है। रॉबर्ट्स के बयान में सीधे तौर पर ट्रंप का नाम नहीं लिया गया है। मुख्य न्यायाधीश का यह बयान ऐसे समय आया है जब राष्ट्रपति ने संघीय न्यायाधीशों पर अपने हमले तेज कर दिए और विशेष रूप से अमेरिकी जिला न्यायाधीश जेम्स बोसबर्ग के खिलाफ महाभियोग चलाने का आह्वान किया है। बोसबर्ग ने वेनेजुएला के कथित गिरोह के सदस्यों के निर्वासन पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी थी।

महत्वपूर्ण यह है कि एलन मस्क समेत ट्रंप के कई सहयोगी प्रशासन के खिलाफ सुनाए गए फैसलों पर संबंधित जजों के खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस के रिपब्लिकन सदस्यों ने भी संघीय जजों पर महाभियोग चलाने की पहल की है। टेक्सास के रिपब्लिकन प्रतिनिधि ब्रैंडन गिल ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने बोसबर्ग के खिलाफ महाभियोग के लिए पहल की है। ट्रंप ने बोसबर्ग के खिलाफ ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया है। उन्होंने कहा, यह कट्टरपंथी वामपंथी पागल जज है। यह उपद्रवी और आंदोलनकारी है। इसे दुर्भाग्य से बराक हुसैन ओबामा ने नियुक्त किया था। ट्रंप ने कहा कि यह कुटिल जजों की तरह है। इसके खिलाफ महाभियोग लाना चाहिए। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कभी अदालत के आदेश की अवहेलना नहीं की।

## न्यूज ब्रीफ

### हूती ने दागे हाईपरसोनिक मिसाइल गाजा पर हमले के बाद से फिर गदर

**गाजा।** इजरायल ने गाजा पट्टी पर ताबड़तोड़ हमले शुरू कर दिए। इसके चलते ही में यमन के हूती विद्रोहियों की तरफ से भी इजरायल पर मिसाइल का अटैक किया गया। आईडीएफ की तरफ से एक ब्यान जारी कर मिसाइल हमले की पुष्टि की गई। यमन की तरफ से इजरायल पर मिसाइल लॉन्च की गई थी। इजरायल एयरफोर्स ने मिसाइल को सीमा में घुसने से पहले ही इंटरसेप्ट कर उसे नष्ट कर दिया। इस अटैक पर हूती के प्रवक्ता ने कहा कि हूती ने इजरायल के नेवातिम एयरबेस पर हाइपरसोनिक मिसाइल से हमला किया। इसके अलावा आईडीएफ ने अन्य हाई वैल्यू टारगेट को मारने का दावा किया है। जिनमें महमूद मरजूक अहमद अबू-वातफा जो हामास के इंटरनल अफेयर मिनिस्टर और हामास की इंटर्नल सिक्योरिटी फोर्स के इंचार्ज थे। हमास की इंटर्नल सिक्योरिटी फोर्स का प्रमुख बहजत हसन मोहम्मद अबू-सुलतान अहमद और हामास के लॉ एंड जस्टिस मंत्री अमर अब्दुल्लाह अल्हाता शामिल है। आईडीएफ लगातार बदल रहा स्थिति का आकलन कर रही है। इसी के हिसाब से आईडीएफ होम फ्रंट कमांड के डिफेंसिव गाइडलाइन में कई तरह के बदलाव कर रही है। इन बदलावों के तहत गाजा पट्टी के पास रहने वाले समुदायों और पश्चिमी नेगेव और पश्चिमी लाचिश के कुछ समुदायों के क्षेत्र मे रोजमर्रा की सीमित की गई गतिविधियों से आंशिक गतिविधियों में बदल दिया। मतलब ऐसी जगह पर ही शैक्षिक गतिविधियां चलाई जा सकती हैं जहां चेतावनी के समय सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की व्यवस्था हो।

### गाजा में 400 लोगों की मौत के बाद बोले नेतन्याहू ये तो हमले की शुरुआत है

**तेल अवीव।** मंगलवार की सुबह इजरायल ने गाजा पर हवाई हमले किए, जिसमें 400 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर आई है। इस हमले के बाद इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि गाजा में मंगलवार को हुए हमले सिर्फ शुरुआत हैं और हमास के साथ भविष्य में बंधकों की रिहाई से जुड़ी सभी बातचीत गोलीबारी के बीच होगी। इजरायल और हमास के बीच लगभग दो महीने तक युद्धविराम चला, लेकिन गाजा पर हमले के बाद यह टूट गया। नेतन्याहू ने कहा कि हमास ने बंधक रिहाई का पहला चरण खत्म होने के बाद अभी भी 59 लोगों को रिहा करने का प्रस्ताव खारिज कर दिया। इनमें से 24 के जिंदा होने की उम्मीद है। वर्तमान में इजरायल केवल हवाई हमला कर रहा है, लेकिन चैनल 12 ने सूत्रों के हवाले से कहा कि अधिकारी गाजा में फिर से जमीनी हमले के विकल्प पर विचार कर रहे हैं। इजरायली अधिकारियों ने कहा कि अगर हमास अगले कुछ दिनों में बातचीत के लिए तैयार नहीं होता तो यह ऑपरेशन और भी तेज हो जाएगा। इजरायल के राष्ट्रीय चैनल पर नेतन्याहू का पहले से रिकॉर्ड बयान चलाया गया। नेतन्याहू ने इसमें दोहराया कि इजरायल तब तक हमले करता रहेगा, जब तक कि वह युद्ध से जुड़े अपने सभी लक्ष्यों को हासिल नहीं कर लेता, जिसमें हमास को पूरी तरह खत्म करना और सभी बंधकों को छुड़ाना शामिल है। उन्होंने कहा, हमास की ओर से इससे पहले रिहा किए गए बंधकों से यह साबित हो गया है कि उन्हें छुड़ाने के लिए सैन्य दबाव जरूरी शर्त है। नेतन्याहू ने कहा कि यह सैन्य अभियान इजरायल की खुफिया एजेंसियों और आईडीएफ की सिफारिश पर शुरू किया गया।

### ट्रंप और पुतिन की बातचीत के बाद रूस यूक्रेन युद्धविराम की बढ़ी उम्मीद

**वॉशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों ने ऊर्जा और बुनियादी ढांचे पर तत्काल सीजफायर (युद्धविराम) पर सहमति जताई। ट्रंप ने बताया कि इस समझौते के तहत, वे पूरी तरह से युद्धविराम और अंततः रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे इस भयंकर युद्ध को समाप्त करने की दिशा में तेजी से काम करेंगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, अगर मैं राष्ट्रपति होता तो यह युद्ध कभी नहीं शुरू होता। ट्रंप के मुताबिक, शांति समझौते के कई महत्वपूर्ण तत्वों पर चर्चा की गई, जिसमें यह भी बताया गया कि हजारों सैनिकों की जान जा चुकी है और दोनों देशों के नेता (राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जेलेंस्की) युद्ध समाप्त करना चाहते हैं। ट्रंप ने इस प्रक्रिया को पूरी ताकत के साथ लागू होने की बात कही और उम्मीद की कि यह युद्ध मानवता के हित में समाप्त हो जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने को लेकर फोन पर बातचीत की।

# पाकिस्तान : जाफर ट्रेन अपहरण के बाद बलूचिस्तान और केपी में आतंकी हमलों में बढ़ोतरी

**इस्लामाबाद , 19 मार्च (एजेंसियां)।**

पाकिस्तान के हिंसा प्रभावित खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान प्रांतों में सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ लक्षित आतंकवादी हमलों में तेजी देखी जा रही है। हालांकि पिछले 24 घंटों में आतंकवाद विरोधी अभियानों में कई आतंकवादी हताहत भी हुए।

हमलों का यह ताजा सिलसिला बोलन दर्रे में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के सदस्यों द्वारा जाफर एक्सप्रेस यात्री ट्रेन अपहरण के बाद शुरू हुआ है। इस हमले में 18 सुरक्षाकर्मियों सहित कम से कम 26 बंधकों की हत्या कर दी गई थी। दो दिन के ऑपरेशन के दौरान पांच सुरक्षाकर्मी भी शहीद हो गए।

नवीनतम जानकारी के अनुसार, केपी और बलूचिस्तान के विभिन्न हिस्सों से ताजा झड़पों की सूचना मिली है। पुलिस अधिकारियों, कांस्टेबलों, सुरक्षा कर्मियों और अन्य लोगों पर घात लगाकर हमले किए गए।

पुलिस सूत्रों ने कहा कि केपी प्रांत में विभिन्न हमलों में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया, जबकि कम से कम छह आतंकवादी मारे गए।

केपी के बन्नू शहर में हथियारबंद मोटरसाइकिल सवारों ने लोअर हेड कांस्टेबल (एलएचसी) को निशाना बनाया, जब वह मीरानशाह रोड पर ड्यूटी पर था। हमले में कांस्टेबल की मौत हो गई, जबकि हमलावर मौके से भाग निकले।

केपी पुलिस और आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) के कमांडो ने बन्नू में एक ऑपरेशन (आईबीओ) के दौरान दो आतंकवादियों को मार गिराया।

केपी के लक्की मरवत इलाके में पुलिस कर्मियों ने सराय गाम्बिला में एक पुलिस स्टेशन पर आतंकवादी हमले को नाकाम कर दिया।

केपी पुलिस ने दो दिन के अभियान के बाद कुर्रम पार के पहाड़ी इलाके में आतंकवादियों के कई ठिकानों को भी नष्ट कर दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शनिवार को दादिवाला पुलिस स्टेशन और अब्बास खट्टक पुलिस चौकी पर आतंकवादी हमले के बाद यह अभियान शुरू हुआ। इसके परिणामस्वरूप आतंकवादियों और पुलिस अधिकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं और भीषण गोलीबारी हुई। झड़पों में एक आतंकवादी मारा गया।

खैबर जिले में सुरक्षा बलों के साथ गोलीबारी में कम से कम तीन आतंकवादी मारे गए।

बलूचिस्तान के खुजदार में ग्रेनेड हमले में पांच लोग घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की कि ग्रेनेड एक घर के अंदर फटा, जिसमें एक पुलिस अधिकारी के पिता और उसके भाइयों के चार बच्चे घायल हो गए। घटना में घर के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए।

जानकारी के अनुसार, यह हमला खुजदार में कादिर शेख के घर को निशाना बनाकर किया गया, जो बलूचिस्तान के हब शहर के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) हैं।

इससे पहले, बलूचिस्तान के नुश्की जिले में सुरक्षा बलों के काफिले पर हुए बम हमले में कम से कम तीन सुरक्षाकर्मियों और दो नागरिकों की मौत हो गई थी।

एक अन्य घटना में, प्रांतीय राजधानी क्वेटा में बलूचिस्तान के आतंकवाद निरोधी बल (एटीएफ) के वाहन के पास हुए विस्फोट में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई, जबकि कम से कम छह अन्य घायल हो गए।

# आर्सा नेता अता उल्लाह समेत 10 गिरफ्तार, सात को 10 दिन की रिमांड पर भेजा गया

**ढाका, 19 मार्च (एजेंसियां)।**

बांग्लादेश की रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) ने सोमवार रात को गुप्त अभियान चलाकर अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी (एआरएसए - आर्सा) के प्रमुख अता उल्लाह अबू अम्मार जुनूनी सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी सिद्धिरगंज, नारायणगंज और मयमनसिंह में किए गए अभियानों के दौरान हुई। आतंकवादी गतिविधियों और अवैध रूप से बांग्लादेश में प्रवेश करने के आरोप में अता उल्लाह सहित सात लोगों को 10 दिनों की रिमांड पर भेज दिया गया है।

सोमवार रात सिद्धिरगंज के भूमि पल्ली इलाके में एक गुप्त बैठक के दौरान छह लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि अन्य चार को मयमनसिंह से पकड़ा गया। गिरफ्तार किए गए लोगों में अता उल्लाह (48), मोस्ताक अहमद (66), सलीमुल्लाह (27), मोनिरुज्जमान (24), असमत उल्लाह (40), मोहम्मद हसन (43), असमाउल होस्ना (23), शाहिना अख्तर (22), एक 15 वर्षीय लड़का और 17 वर्षीय लड़की शामिल हैं।

आरएबी-11 के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल एएचएम सज्जाद हुसैन ने इन गिरफ्तारियों की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि अता उल्लाह और अन्य आरोपितों पर बांग्लादेश में अवैध प्रवेश और आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता के गंभीर आरोप हैं। सभी आरोपितों को सिद्धिरगंज पुलिस स्टेशन ले जाया गया और फिर उन्हें नारायणगंज जिला अदालत में पेश किया गया।

अता उल्लाह अबू अम्मार जुनूनी पर प्रमुख रोहिंग्या नेता मुहीबुल्लाह की हत्या का आदेश देने का आरोप है। इससे पहले गिरफ्तार किए गए संदिग्धों ने इस हत्या के पीछे अता उल्लाह का नाम लिया था। इसके अलावा, बांग्लादेश के डीजीएफआई अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर रिज़वान रश्दी की हत्या में भी अता उल्लाह का नाम सामने आया है। यह हत्या बंदरबन के तुम्ब्रू सीमा क्षेत्र में एक संयुक्त मादक पदार्थ विरोधी अभियान के दौरान हुई थी।

मंगलवार को सभी सात मुख्य आरोपितों को अदालत में पेश किया गया, जहां न्यायाधीश ने प्रत्येक मामले में पांच दिनों की रिमांड देते हुए कुल 10 दिनों की पुलिस हिरासत की मंजूरी दी। कोर्ट इंस्पेक्टर क़य्यूम खान ने बताया कि आरोपितों के खिलाफ अवैध घुसपैठ और आतंकवाद से संबंधित आरोप लगाए गए हैं। गिरफ्तार तीन महिलाओं और एक किशोर को भी उसी आरोप में जेल भेज दिया गया है। मामले की विस्तृत जांच जारी है, और पुलिस को इस गिरोह के अन्य सदस्यों की भी तलाश है।

# पाकिस्तान में बलूचिस्तान प्रांत के तीन विश्वविद्यालय अनिश्चितकाल के लिए बंद

**इस्लामाबाद, 19 मार्च (एजेंसियां)।**

पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान के तीन विश्वविद्यालयों ने अनिश्चितकाल के लिए परिसर में कक्षाएं बंद कर दी हैं। विद्यार्थियों से वर्चुअल कक्षाओं में भाग लेने को कहा गया है। यह तीनों शिक्षण संस्थान हैं-बलूचिस्तान विश्वविद्यालय, सरदार बहादुर खान महिला विश्वविद्यालय और तुर्बत विश्वविद्यालय। तीनों में शैक्षणिक गतिविधियों को तत्काल निलंबित कर दिया है। सूत्रों के हवाले से कहा गया कि हाल ही में हुए हमलों और सुरक्षा खतरों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। यह निर्णय सिबी के पास जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक कर यात्रियों को बंधक बनाए जाने के कुछ समय बाद लिया गया। इस घटना की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली थी। तब से बलूचिस्तान में कई हमले हो चुके हैं। बताया गया है कि तीनों विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों को निलंबित करने का डीन और शैक्षणिक विभागों के प्रमुखों के साथ परामर्श के बाद लिया गया। बलूचिस्तान विश्वविद्यालय ने अधिसूचना में कहा है कि डीन और अनुभागीय प्रमुखों के साथ बैठक के बाद निर्णय लिया गया कि अगले आदेश तक सभी परिसर वर्चुअल लर्निंग पर स्विच करेंगे। बलूचिस्तान विश्वविद्यालय के कुलपति जहूर अहमद बाजई ने बताया कि कक्षाओं को ऑनलाइन स्थानांतरित कर दिया गया है, क्योंकि दूरदराज के क्षेत्रों के छात्र राष्ट्रीय राजमार्गों पर विरोध प्रदर्शनों के कारण परिसरों तक पहुंचने में असमर्थ थे। जिन क्षेत्रों में इंटरनेट एक्सेस की समस्या है, वहां के छात्रों को सेमेस्टर के दौरान रियायतें दी जाएंगी। ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्णय ईद-उल-फितर के बाद लिया जाएगा। सरदार बहादुर खान महिला विश्वविद्यालय ने भी इसी तरह के निर्णय की घोषणा करते हुए एक अधिसूचना जारी की। इसमें कहा गया है कि छात्राएं रमजान के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगी। कुलपति प्रो. डॉ. गुल हसन की अध्यक्षता में बैठक के बाद तुर्बत विश्वविद्यालय ने एक बयान में कहा कि मौजूदा स्थिति के मद्देनजर मंगलवार से शैक्षणिक गतिविधियों और कक्षाओं को निलंबित कर दिया गया है।

## विरोध प्रदर्शन

मैक्सिको में मैमीसाइकिल मोनूमेंट के सामने बुल फाइटिंग के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग।

# ट्रंप प्रशासन ने पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी हत्याकांड के दस्तावेज सार्वजनिक किए

**वाशिंगटन, 19 मार्च (एजेंसियां)।**

ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी की हत्या से जुड़े दस्तावेजों का पुलिंदा सार्वजनिक कर दिया। हालांकि कैनेडी हत्याकांड से जुड़ी कई फाइलें पहले भी सार्वजनिक की जा चुकी हैं। बाइडेन प्रशासन के दौरान 13,000 दस्तावेजों का पुलिंदा देश के सामने सार्वजनिक किया गया था। मंगलवार को सार्वजनिक दस्तावेजों में कुछ हिस्से संपादित बताए गए हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि कैनेडी की हत्या से संबंधित 80,000 पन्नों का रिकॉर्ड देखने के लिए लोग दशकों से इंतजार कर रहे हैं। खास बात यह है कि ट्रंप ने इस साल जनवरी में दूसरे कार्यकाल के लिए पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद कैनेडी, रॉबर्ट एफ. कैनेडी और मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्याओं से संबंधित हजारों फाइलों को सार्वजनिक करने संबंधी एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे।

राष्ट्रीय अभिलेखागार की वेबसाइट पर यह दस्तावेज मंगलवार शाम अपलोड किए गए। इस संबंध में टॉम समोलुक का कहना है कि सार्वजनिक किए गए दस्तावेज में कुछ भी नया नहीं है। कैनेडी की हत्या के लिए एक अकेला बंदूकधारी ली हार्वे ओसवाल्ड जिम्मेदार था। टॉम समोलुक हत्या रिकॉर्ड समीक्षा बोर्ड के उप निदेशक रहे हैं। 1990 के दशक में हत्या से संबंधित रिकॉर्ड का अध्ययन करने के लिए सरकार ने इस बोर्ड का गठन किया था। टॉम और दर्जनों लोगों की टीम ने 1994 और 1998 के बीच दस्तावेजों की नए सिरे से जांच की थी

उन्होंने कहा कि बोर्ड ने जिन अभिलेखों के संग्रह की समीक्षा की, उनमें से अधिकांश को सार्वजनिक कर दिया गया है। अगर दस्तावेजों में कुछ भी नया तथ्य होता तो बोर्ड तभी जारी कर देता। मंगलवार को सार्वजनिक किए गए दस्तावेज में कुछ भी नहीं है। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने एक बयान में कहा कि सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों में लगभग 80,000 पृष्ठ पहले से वर्गीकृत अभिलेख हैं। उनको बिना किसी संशोधन के प्रकाशित किया जाएगा।

वर्जीनिया विश्वविद्यालय के राजनीतिक अध्येता लैरी सबाटो ने कहा कि जो लोग इन दस्तावेजों से 61 साल बाद हत्याकांड के रहस्य से परदा उठने की उम्मीद कर रहे हैं, वे बुरी तरह निराश होने वाले हैं। कैनेडी की हत्या ने लंबे समय से षड्यंत्र के सिद्धांतों को हवा दी है। ऐसा करने में ट्रंप भी पीछे नहीं रहे।

लैरी सुबाटो का टिप्पणी इस मायने में अहम है कि वह इस हत्याकांड पर किताब लिख चुके हैं। इस किताब का नाम है-द कैनेडी हाफ-सेंचुरी: द प्रेसीडेंसी, असैसिनेशन, एंड लास्टिंग लिगेसी ऑफ जॉन एफ. कैनेडी। जॉन एफ कैनेडी की 22 नवंबर, 1963 को गोली मार कर हत्या की गई थी।

# स्विस ओपन 2025 : त्रीसा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी दूसरे दौर में, पुरुष एकल में भारतीय चुनौती मजबूत

**बासेल,19 मार्च (एजेंसियां) ।** भारतीय महिला युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली ने स्विट्जरलैंड के बासेल में जारी स्विस ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है।

दुनिया की नौवें नंबर की भारतीय जोड़ी ने स्विट्जरलैंड की एलाइन मुलर और नीदरलैंड की केली वान बुइटन को 21-16, 21-17 से केवल 32 मिनट में हराकर अगले दौर में जगह बनाई। अब वे जर्मनी की सेलिन हब्सच और एमेली लेहमैन के खिलाफ खेलेंगी।

हालांकि, त्रीसा और गायत्री, जो इस टूर्नामेंट में चौथी वरीयता प्राप्त हैं, महिला युगल में बची एकमात्र भारतीय चुनौती हैं। अन्य भारतीय जोड़ियां प्रिया कोंजेंगबाम-श्रुति मिश्रा और वर्षिनी विश्वनाथ श्री-आरती सारा सुनील पहले दौर में हारकर बाहर हो गईं। प्रिया-श्रुति की जोड़ी को तुर्किये की नाज़लिकन इंसी और बेंगिसु एरचेतिन ने 21-11, 21-19 से हराया। वहीं, वर्षिनी-आरती नीदरलैंड की डेबोरा जिल और डेनमार्क की सारा थाइगेसन के खिलाफ 21-13, 21-13 से हार गईं।

### पुरुष एकल में अयुष शेट्टी और संकर मुथुसामी मुख्य ड्रॉ में पहुंचे

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों अयुष शेट्टी और एस संकर मुथुसामी सुब्रमण्यम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। आयुष शेट्टी (दुनिया के 44वें नंबर के खिलाड़ी) ने पहले दौर में इंग्लैंड के चोलन कायन (रैंक 161) को 21-12, 21-15 से हराया। इसके बाद, उन्होंने फ्रांस के राफेल गावियोस (रैंक 400) को केवल 23 मिनट में 21-6, 21-8 से हराकर अंतिम 32 में जगह बनाई। अब वह जापान के केंटा निशिमोटो (2018 जकार्ता एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता) से भिड़ेंगे।

संकर मुथुसामी ने भी क्वालिफायर में दो शानदार जीत दर्ज कीं। पहले दौर में उन्होंने इंग्लैंड के यूहेन वांग को 21-13, 21-4 से मात दी। फिर अपने ही हमवतन थरुण मानेपाल्ली को 21-7, 21-10 से हराकर मुख्य ड्रॉ में पहुंचे। अब संकर मुथुसामी (रैंक 64) पहले दौर में डेनमार्क के मैग्नस जोहानसेन से भिड़ेंगे।

## न्यूज ब्रीफ

### मुंबई इंडियंस के शुरुआती मैचों में नहीं खेल सकेंगे बुमराह- महेला जयवर्धने

**नई दिल्ली।** मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने स्पष्ट किया है कि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शुरुआती कुछ मैचों में नहीं खेल पाएंगे। जयवर्धन ने यह नहीं बताया कि बुमराह कब तक मैदान में वापसी करेंगे। जानकारी के अनुसार बुमराह बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। जयवर्धने को उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम से जुड़ेंगे। जयवर्धने ने मीडिया से बातचीत में कहा, बुमराह ने अपनी रिकवरी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हमें देखना होगा कि बीसीसीआई की मेडिकल टीम की ओर से क्या अपडेट मिलता है। अभी तक सबकुछ सही दिशा में जा रहा है, लेकिन यह दिन-प्रतिदिन की प्रक्रिया है। जयवर्धने ने बुमराह की अनुपस्थिति को मुंबई इंडियंस के लिए एक बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा, बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं और उन्होंने कई सालों तक हमारी टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उनका नहीं होना हमारे लिए मुश्किल होगा, लेकिन यह किसी और गेंदबाज के लिए खुद को साबित करने का अवसर भी हो सकता है। उल्लेखनीय है कि बुमराह जनवरी 2025 से क्रिकेट से बाहर हैं, जब वह सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट के दौरान चोटिल हो गए थे। इसके बाद उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी भी मिस कर दी। उनकी फिटनेस को लेकर अभी भी चिंता बनी हुई है। मुंबई इंडियंस के पूर्व गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने हाल ही में बुमराह को अत्यधिक वर्कलोड से बचने की सलाह दी थी, ताकि वह अपने करियर को लंबा खींच सकें।

### उरुग्वे के कोच बिएल्सा ने वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स के लिए छह नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया

**मोंटेवीडियो।** उरुग्वे के मैनेजर मार्सेलो बिएल्सा ने अर्जेंटीना और बोलिविया के खिलाफ होने वाले फीफा वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए अपनी टीम में छह नए खिलाड़ियों को शामिल किया है। बिएल्सा द्वारा चुने गए नए खिलाड़ी लोकल क्लबों से हैं, जिनमें फॉरवर्ड पाब्लो सुआरेज, मिडफील्डर जर्मन बारबास, मिडफील्डर एरिको कुएलो, डिफेंडर पैट्रिसियो पैसिफिको, सेंटर-बैक पाओलो कैलियोन और विंगर लुकास अगाजी का नाम शामिल है। उम्मीद के मुताबिक, लिवरपूल के फॉरवर्ड डार्विन नुनेज, रियल मैड्रिड के मिडफील्डर फेडेरिको वाल्वेर्दे, टॉटनहैम के मिडफील्डर रोड्रिगो बेंटानकुर और बार्सिलोना के डिफेंडर रोनाल्ड अराउजो को भी टीम में जगह दी गई है। उरुग्वे की टीम शुक्रवार को मोंटेवीडियो में अर्जेंटीना से भिड़ेगी, जबकि अगले मंगलवार को एल आल्टो में बोलिविया के खिलाफ खेलेगी। दस टीमों की दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप तालिका में उरुग्वे 12 मैचों में 20 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि अर्जेंटीना 25 अंकों के साथ शीर्ष पर बनी हुई है।

### इतालवी फुटबॉलर एंटोनियो कंद्रेवा ने लिया संन्यास

**रोम।** इटली के फुटबॉल खिलाड़ी एंटोनियो कंद्रेवा ने 38 वर्ष की उम्र में मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए संन्यास की घोषणा की, जिससे उनका करीब 20 साल का करियर समाप्त हो गया। रोम में जन्मे कंद्रेवा मुख्य रूप से दाएं विंगर के रूप में खेलते थे और उन्होंने जुवेंटस, लाजियो, इंटर मिलान सहित कई अन्य क्लबों के लिए खेलते हुए 500 से अधिक सेरी ए मैचों में हिस्सा लिया। हालांकि, वह अपने करियर में केवल एक प्रमुख ट्रॉफी जीत सके, जब उन्होंने 2012-13 सीजन में लाजियो के साथ कोपा इटालिया का खिताब अपने नाम किया। कंद्रेवा पिछले सीजन में सालेर्नितना के साथ अपने अनुबंध की समाप्ति के बाद से फ्री एजेंट थे और पिछले महीने उन्होंने अपना 38वां जन्मदिन मनाया था। इस अनुभवी खिलाड़ी ने 2009 में इटली की राष्ट्रीय टीम के लिए डेब्यू किया था और अपने करियर में कुल 54 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें उन्होंने 7 गोल किए।

## सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025

# पैंथर्स, विंग्स, क्लासिक और वॉरियर ने दर्ज की जीत

**देहरादून,19 मार्च (एजेंसियां) ।** सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के तहत बुधवार को चार अहम मुकाबले खेले गए, जिनमें सचिवालय पैंथर्स, विंग्स, सचिवालय क्लासिक और सचिवालय वॉरियर ने शानदार जीत दर्ज की।

महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए पहले मुकाबले में सचिवालय पैंथर्स ने सचिवालय राइजिंग को 3 विकेट से हराया। सचिवालय राइजिंग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 125 रन बनाए, जिसमें अमित सतवाल (45) और संदीप (27) ने उपयोगी पारियां खेलीं। पैंथर्स की ओर से अजीत शर्मा ने 3 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए पैंथर्स ने प्रमोद नेगी (48) और अजीत शर्मा (36) की पारियों के दम पर जीत हासिल की। शुभम ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच अजीत शर्मा को चुना गया।

### दीपक सैनी ने सर्वाधिक 39 रन बनाए

दूसरे मुकाबले में विंग्स ने रॉयल स्ट्राइकर्स को 48 रनों से हराया। विंग्स ने पहले खेलते हुए 6 विकेट पर 145 रन बनाए, जिसमें संजय जोशी ने 37 रन जोड़े। जवाब में रॉयल स्ट्राइकर्स की टीम 97 रनों पर ऑल आउट हो गई। दीपक सैनी ने सर्वाधिक 39 रन बनाए, जबकि विंग्स के दीपक पंवार ने 4 विकेट झटके। मैन ऑफ द मैच दीपक पंवार को मिला।

इसके अलावा दून हैरिटेज क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में सचिवालय क्लासिक ने ईगल्स को 2 रनों से हराया। सचिवालय क्लासिक ने पहले खेलते हुए 5 विकेट पर 165 रन बनाए, जिसमें सुशील बिष्ट (54) और रमेश (44) ने अहम योगदान दिया। ईगल्स की टीम 163 रनों पर ऑल आउट हो गई। तेजपाल ने 39 रन बनाए, जबकि क्लासिक के सुशील बिष्ट ने 3 विकेट चटकाए। मैन ऑफ द मैच सुशील बिष्ट रहे।

अगले मुकाबले में सचिवालय वॉरियर ने सचिवालय सुपर किंग्स को 11 ओवर में 3 विकेट से मात दी। सुपर किंग्स ने पहले खेलते हुए 150 रन बनाए, जिसमें अमित तोमर ने 32 रन जोड़े। वॉरियर की ओर से राजीव तड़ियाल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए अशोक बिष्ट की 83 रनों की धमाकेदार पारी से वॉरियर ने जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच राजीव तड़ियाल बने।

### आईपीएल 2025: सीजन के पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे सूर्यकुमार यादव

**नई दिल्ली।** सूर्यकुमार यादव इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे क्योंकि पूर्णकालिक कप्तान हार्दिक पांड्या एक मैच के प्रतिबंध के कारण पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। हार्दिक ने बुधवार को मीडिया से कहा, जब मैं नहीं रहूंगा तो सूर्या आदर्श विकल्प होंगे। हार्दिक को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 2024 सीजन के मुंबई के आखिरी मैच में धीमी ओवर गति के लिए एक मैच के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। चूंकि यह हार्दिक का सीजन का तीसरा अपराध था, इसलिए उन पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया और एक मैच का प्रतिबंध लगाया गया था, जो इस सीजन के शुरुआती मैच में भी जारी रहेगा। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने भी पुष्टि की कि फ्रेंचाइजी को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अभियान के शुरुआती मैच के लिए हार्दिक की अनुपलब्धता के बारे में औपचारिक रूप से सूचित कर दिया गया है। हार्दिक ने कहा, पिछले साल, जो हुआ वह खेल का हिस्सा था। हमने आखिरी ओवर में डेढ़ या दो मिनट देरी से गेंदबाजी की। उस समय, मुझे नहीं पता था कि इसके क्या परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन मुझे लगता है कि नियम ऐसा कहते हैं। इसका मतलब है कि मुझे प्रक्रिया के साथ चलना होगा। 2023 में सूर्यकुमार यादव, जो वर्तमान में भारतीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के कप्तान हैं, ने एक आईपीएल मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी की थी।

# तेलंगाना सरकार ने खेल बजट में की 100 करोड़ की वृद्धि, युवा इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की घोषणा

**हैदराबाद,19 मार्च (एजेंसियां) ।** तेलंगाना विधानसभा में बुधवार को प्रस्तुत वार्षिक बजट के दौरान राज्य के खेल क्षेत्र के लिए 465 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। पिछले बजट की तुलना में इसमें 100 करोड़ रुपये की वृद्धि की गयी है।

उप मुख्यमंत्री एवं वित्तमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने बजट पेश करते हुए कहा कि राज्य सरकार हैदराबाद के बाहरी इलाके हकीमपेट में 200 एकड़ में 'यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी' की स्थापना कर रही है, जिसका उद्देश्य विश्वस्तरीय खिलाड़ियों को तैयार करना है। इस विश्वविद्यालय में 12 विशेष खेल अकादमियां स्थापित की जाएंगी, जहां विभिन्न खेलों में उन्नत प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि फ्यूचर सिटी में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार एक अत्याधुनिक 'स्पोर्ट्स हब' विकसित किया जाएगा, जिससे तेलंगाना को खेल उत्कृष्टता का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा। इस स्पोर्ट्स हब में स्पोर्ट्स साइंस सेंटर और स्पोर्ट्स मेडिसिन सेंटर होंगे, जो वैज्ञानिक प्रशिक्षण, प्रदर्शन अनुकूलन और चोट प्रबंधन जैसी सुविधाएं प्रदान करेंगे, जिससे खिलाड़ियों का समग्र विकास अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप हो सकेगा।

### खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर सराहना

उप मुख्यमंत्री ने राज्य के खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, बॉक्सर निखत जरीन और पैरा-एथलीट दीप्ति जीवनजी का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मोहम्मद सिराज ने टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन किया और वैश्विक स्तर पर पहचान बनाई। निखत जरीन को वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में मिली जीत के लिए बधाई देते हुए उन्होंने बताया कि सिराज और निखत दोनों को डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (डीएसपी) पद से सम्मानित किया गया है। इसके अलावा उन्होंने पैरा-एथलीट दीप्ति जीवनजी के प्रेरणादायक सफर का जिक्र किया और बताया कि उन्हें ग्रुप-2 सरकारी नौकरी प्रदान की गई है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि दीप्ति जीवनजी ने 2024 पैरालंपिक्स में पदक जीतकर इतिहास रच दिया, वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाली राज्य की पहली महिला खिलाड़ी बनी हैं।

### ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए डिवाइन, केर, और ताहूहू की न्यूजीलैंड टीम में वापसी

**वेलिंगटन।** ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 मार्च से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए अनुभवी खिलाड़ी सोफी डिवाइन, अमेलिया केर और ली ताहूहू की न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम में वापसी हुई है। इस बीच, श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज में 1-1 की बराबरी के बाद, सूजी बेट्स अंतरिम कप्तान बनी रहेंगी। वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज इसाबेला गेज अभी भी हिप फ्लेक्सर की चोट के कारण टीम से बाहर हैं।

**एचपीआरसी अजीजनगर में हाल ही में आयोजित वर्ल्ड एरिना पोलो चैंपियनशिप में भाग लेने पहुंचे प्रसिद्ध निर्देशक राजमौली से शिष्टाचार भेंट करते हुए एचपीआरसी के प्रशासनिक सचिव शेख रियाज अहमद और एचपीआरसी की सदस्य मनीषा पाटिल। ज्ञात हों उक्त वर्ल्ड एरिना पोलो चैंपिशनशिप मेंफ्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, स्पेन, लक्जमबर्ग, यूके और यूएसए सहित दुनिया भर की टीमों ने भाग लिया था। चैंपियनशिप की मेजबानी हैदराबाद पोलो एंड राइडिंग क्लब (एचपीआरसी) ने की थी, जो 2005 में अपनी स्थापना के बाद से हैदराबाद में पोलो और अन्य घुड़सवारी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है।**

# 'रन फॉर राम' हॉफ मैराथन के लिए 40,000 से अधिक धावक तैयार, राम नगरी अयोध्या में होगा भव्य आयोजन

**नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां) ।** रामनगरी अयोध्या एक बार फिर आस्था और फिटनेस के संगम की साक्षी बनेगी, जब 13 अप्रैल को क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित 'रन फॉर राम' हॉफ मैराथन का तीसरा संस्करण संपन्न होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खेल प्रकोष्ठ क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित यह प्रतिष्ठित मैराथन, जिसे 'संकल्पका मैराथन' नाम दिया गया है, केवल एक दौड़ नहीं बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों से प्रेरित भक्ति और समुदायिक समर्पण का प्रतीक है।

2023 और 2024 में जबरदस्त सफलता प्राप्त करने के बाद, क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह के नेतृत्व में इस वर्ष 40,000 से अधिक धावकों को शामिल करने की तैयारी की जा रही है। राम जन्मभूमि से प्रेरित इस मैराथन का आयोजन 14 कोसी परिक्रमा के महत्व को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है, जो शारीरिक सहनशक्ति, आध्यात्मिक समर्पण और सामूहिक एकता का प्रतीक है।

### तीन श्रेणियों में होगी दौड़

इस मैराथन में 3 प्रमुख श्रेणियां शामिल होंगी— 1. 21 किलोमीटर हाफ मैराथन 2. 10 किलोमीटर दौड़, 3. तीन किलोमीटर परिवार एवं आनंद दौड़।

ये सभी दौड़ अयोध्या के पवित्र राम पथ और भक्ति पथ को समाहित करेंगी, जिससे प्रतिभागियों को धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व का अनुभव भी मिलेगा। इस दौड़ में पुरुषों, महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी उम्र और पृष्ठभूमि के लोग भाग ले सकेंगे। यह न केवल शारीरिक क्षमता की परीक्षा होगी, बल्कि श्रद्धा और परंपरा से जुड़ने का भी एक अवसर प्रदान करेगी।

### संकल्प, स्वास्थ्य और भक्ति का संगम

क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह ने कहा, रन फॉर राम' अब केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि एक आंदोलन बन चुका है, जो पूरे देश से श्रद्धालुओं और फिटनेस प्रेमियों को एक साथ जोड़ता है। यह केवल शारीरिक दक्षता को परखने की दौड़ नहीं, बल्कि एक सामूहिक संकल्प (संकल्पका) है कि हम श्रीराम के आदर्शों को अपनाते हुए अनुशासित, स्वस्थ और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध जीवन जीने की दिशा में आगे बढ़ें। रामलला की पावन नगरी अयोध्या हम सभी को प्रेरित करती है। पिछले दो वर्षों में 'रन फॉर राम' को देश-विदेश से हजारों श्रद्धालुओं और धावकों का भरपूर समर्थन मिला है। इस वर्ष भी क्रीड़ा भारती इस आयोजन के माध्यम से लोगों में स्वास्थ्य, अनुशासन और आध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को आगे बढ़ाएगा।

### 5 अप्रैल को होगी प्रेस वार्ता

आयोजकों के अनुसार, इस भव्य मैराथन के आयोजन को लेकर 5 अप्रैल को अयोध्या सहित विभिन्न स्थानों पर प्रेस वार्ता आयोजित की जाएगी। आयोजकों को पूर्ण विश्वास है कि 'रन फॉर राम 2025' अयोध्या को एक बार फिर आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा और साथ ही, एकता एवं कल्याण के मूल्यों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

# सविता ने गोलकीपर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीतने पर कहा- टीम के बिना यह संभव नहीं था

**नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां) ।** भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान और अनुभवी गोलकीपर सविता को हॉकी इंडिया के 7वें वार्षिक पुरस्कार 2024 में हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड फॉर प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला) और हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवॉर्ड फॉर गोलकीपर ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी शानदार हॉकी यात्रा में एक और उपलब्धि जोड़ता है, लेकिन सविता के लिए यह सिर्फ व्यक्तिगत सफलता नहीं बल्कि उन सभी लोगों की मान्यता है जिन्होंने उनकी इस सफलता में योगदान दिया है।

तीसरी बार हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड जीतने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए सविता ने कहा, बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। इस साल कई खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, इसलिए मुझे उम्मीद नहीं थी कि यह पुरस्कार मुझे मिलेगा। हर खिलाड़ी को उसकी मेहनत के लिए पहचान मिलना अच्छा लगता है और मैं इस सम्मान के लिए आभारी हूं।

उन्होंने हॉकी इंडिया की ओर से बुधवार को जारी एक बयान में कहा, हमारी टीम में हम सब एक-दूसरे का समर्थन करते हैं और हर खिलाड़ी की सफलता की कामना करते हैं। कोई भी खिलाड़ी अकेले कुछ हासिल नहीं कर सकता, टीम के बिना यह संभव नहीं था।

इस साल सविता व्यक्तिगत रूप से पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो पाईं। उन्होंने टोरंटो, कनाडा से अपने ससुराल वालों के साथ लाइव प्रसारण देखा। सविता ने यह पुरस्कार अपने परिवार को समर्पित किया और कहा, मेरे पति और उनका परिवार हॉकी को लेकर बहुत सहयोगी रहा है। कई खिलाड़ियों पर शादी के बाद खेल छोड़ने का दबाव होता है, लेकिन उन्होंने मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे उनका समर्थन मिला।

हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवॉर्ड फॉर गोलकीपर ऑफ द ईयर जीतने पर सविता ने अपने खेल की चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, हर बचाव के पीछे घंटों की मेहनत होती है। फुटवर्क, फुर्ती, रिफ्लेक्स और पोजिशनिंग पर लगातार अभ्यास किया जाता है। हमारे कोचों ने भी मेरे खेल को निखारने के लिए कड़ी मेहनत की है।

पिछला साल सविता के लिए खास रहा, खासकर हीरो हॉकी इंडिया लीग में जहां उन्होंने सूरमा हॉकी क्लब की अगुवाई की। उन्होंने कहा, हॉकी इंडिया ने महिला हॉकी लीग कराने का वादा पूरा किया और हम सभी इसके लिए आभारी हैं। यह टूर्नामेंट हमारे व्यक्तिगत कौशल को निखारने में बहुत सहायक रहा।

सविता को इन पुरस्कारों के साथ बड़ी धनराशि भी मिली— हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड के लिए 25 लाख और हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवॉर्ड के लिए 5 लाख रुपये। उन्होंने इस पर कहा, पहले के वर्षों में हमें विश्वास नहीं होता था कि हमें इतनी बड़ी राशि भी मिल सकती है। यह सिर्फ सम्मान का विषय नहीं है, बल्कि हमें अपने परिवार और प्रियजनों की देखभाल करने का अवसर भी देता है। भारत में बहुत कम खेलों में महिलाओं को इतनी बड़ी पहचान और अवसर मिलते हैं।

आने वाले समय में सविता का ध्यान अगले साल के वर्ल्ड कप और एफआईएच महिला प्रो लीग पर रहेगा। उन्होंने कहा, जब देश हमें इतना सम्मान और प्रोत्साहन देता है, तो यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ दें। इन पुरस्कारों के साथ एक जिम्मेदारी भी जुड़ती है।

भारत के हालिया प्रदर्शन पर बात करते हुए उन्होंने कहा, हमने एफआईएच महिला प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण में कुछ शानदार प्रदर्शन किए। खासकर नीदरलैंड्स को शूटआउट में हराना हमारे लिए एक बड़ी जीत थी। यह मेरी इस साल की सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मेंस में से एक थी। उम्मीद है कि हम आगे और बेहतर करेंगे।

# सरकार ने कुछ इस्पात उत्पादों पर 12 फीसदी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की

**नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।** केंद्र सरकार ने हाल में आयात में वृद्धि से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति से बचाने के लिए कुछ इस्पात उत्पादों पर 200 दिनों के लिए 12 फीसदी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की जांच शाखा व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने जारी एक अधिसूचना में घरेलू इस्पात उत्पादकों को आयात में वृद्धि से बचाने के उद्देश्य से कुछ इस्पात उत्पादों पर 200 दिन के लिए 12 फीसदी का अस्थायी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की है। अधिसूचना के मुताबिक इस शुल्क पर अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेगा। यह सुरक्षा शुल्क एक अस्थायी टैरिफ अवरोध है, जो घरेलू इस्पात उद्योगों को आयात में वृद्धि से बचाने के लिए लगाया जाता है। डीजीटीआर ने 18 मार्च को जारी एक अधिसूचना में कहा है कि ऐसी गंभीर परिस्थितियां मौजूद हैं, जहां अनंतिम सुरक्षा उपायों के लिए आवेदन में किसी भी प्रकार की देरी से ऐसी क्षति होगी, जिसकी मरम्मत करना कठिन होगा। अनंतिम सुरक्षा उपायों को तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। अधिसूचना के अनुसार प्राधिकरण विचाराधीन उत्पाद के आयात पर अंतिम निर्धारण होने तक सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश करता है। यह 200 दिनों के लिए 12 फीसदी की दर से अनंतिम है। उल्लेखनीय है कि व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने पिछले साल दिसंबर में फैब्रिकेशन, पाइप विनिर्माण, विनिर्माण, पूंजीगत सामान, ऑटो, ट्रैक्टर, साइकिल और इलेक्ट्रिकल पैनल सहित विभिन्न उद्योगों में उपयोग किए जाने वाले गैर-मिश्र धातु एवं मिश्र धातु इस्पात 'फ्लैट' उत्पादों के आयात में अचानक वृद्धि की जांच शुरू की थी। इस जांच में निदेशालय ने प्रारंभिक रूप से पाया है कि भारत में इन उत्पादों के आयात में हाल ही में अचानक, तीव्र और महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है, जिससे घरेलू उद्योग/उत्पादकों को गंभीर क्षति पहुंचने का खतरा है।

## न्यूज ब्रीफ

### सीसीआई ने एडवरटाइजिंग एजेंसियों ग्रुपएम समेत कई जगहों पर मारे छापे

**नई दिल्ली।** कॉम्पिटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने कार्रवाई करते हुए ग्रुपएम, डेंटुस, इंटरपब्लिक ग्रुप सहित कई ग्लोबल एडवरटाइजिंग एजेंसियों और एक ब्रॉडकास्टिंग इंडस्ट्री ग्रुप के कार्यालयों पर छापे मारे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सीसीआई कीमतों को लेकर कथित मिलीभगत के आरोप में इन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। अधिकारियों ने करीब 10 स्थानों पर तलाशी ली। यह मामला एडवर्टाइजिंग एजेंसियों और बड़े ब्रॉडकास्टर्स के विज्ञापन के रेट और डिस्काउंट तय करने में मिलीभगत करने से जुड़ा है। छापेमारी मुंबई, नई दिल्ली और गुरुग्राम में की गई। सीसीआई ने हाल ही में इस मामले में केस दर्ज किया था। सूत्रों ने बताया कि ग्रुपएम के मुंबई एयरपोर्ट के पास स्थित ऑफिस बाय 99 को सीसीआई अधिकारियों ने घेर लिया है और जांच जारी है। यह जांच कई महीनों तक चल सकती है और इस दौरान पूरी प्रक्रिया को गोपनीय रखा गया है। इंडियन ब्रॉडकास्टिंग और डिजिटल फाउंडेशन ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सीसीआई भी अपनी इनफोर्समेंट कार्रवाई या प्राइस में मिलीभगत से जुड़े मामलों को सार्वजनिक नहीं करता। इससे पहले दिसंबर 2024 में सीसीआई ने एल्कोहल इंडस्ट्री के दिग्गज पर्नो रिकार्ड और एन्हेसर-बुश इनबेव के कार्यालयों पर छापा मारा था। यह कार्रवाई साउथ इंडिया के एक राज्य में रिटेल विक्रेताओं के साथ मूल्य मिलीभगत के आरोपों को लेकर की गई थी।

### वोडा आईडिया ने लॉन्च की 5जी शुरुआती ऑफर 299 रुपए से

**नई दिल्ली।** टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) ने बुधवार से भारत में अपनी 5जी सेवाएं लॉन्च कर दी। कंपनी ने बताया कि उसने 5जी सेवाओं की शुरुआत मायानगरी मुंबई से की है और जल्द ही पांच और शहरों में यह सेवा शुरू की जाएगी। टेलीकॉम कंपनी इस नई सेवा के जरिए ग्राहकों के पलायन को रोकने और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े टेलीकॉम बाजार में अपने बड़े प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले मजबूत स्थिति हासिल करने की कोशिश कर रही है। बाजार खुलते ही वोडा आईडिया (वीआई) के शेयरों में 4 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने कहा कि वीआई का 5जी शुरुआती ऑफर 299 के प्लान से शुरू होता है, जिसमें ग्राहकों को अनलिमिटेड 5जी डेटा मिलेगा। यह ऑफर बाजार में सबसे किफायती विकल्प है। नई 5जी सेवा से वीडियो स्ट्रीमिंग, ओटीटी ऐप्स, ऑनलाइन गेमिंग, वीडियो कॉल और कॉन्फ्रेंसिंग का अनुभव बेहतर होगा। इसके साथ ही डाउनलोडिंग की स्पीड भी बढ़ेगी। हालांकि इस शुरुआती ऑफर की अवधि को लेकर फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी गई है। शेयर बाजार को दी सूचना में कंपनी ने बताया कि बेहतर कनेक्टिविटी अनुभव सुनिश्चित करने के लिए वीआई ने नोकिया के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने अपने 5जी नेटवर्क में नई पीढ़ी के उपकरणों को शामिल किया है, जो न केवल हल्के हैं बल्कि ऊर्जा-कुशल भी हैं, जिससे नेटवर्क अधिक सस्टेनेबल बनता है। इसके अलावा, वीआई ने एआई-आधारित सन सिस्टम भी तैनात किया है, जो नेटवर्क प्रदर्शन को लगातार ऑप्टिमाइज़ करता है ताकि उपभोक्ताओं को बेहतरीन अनुभव मिल सके।

### लिटिल ग्रेसी' तीन वेरिएंट में लॉन्च



**नई दिल्ली।** अपने पोर्टफोलियो में इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता ज़ेलियो ई मोबिलिटी ने एक नया स्कूटर 'लिटिल ग्रेसी' जोड़ा है। इस स्कूटर को खासतौर पर 10 से 18 वर्ष की उम्र के युवाओं के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनी ने इसे तीन वेरिएंट में लॉन्च किया है, जिसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 49,500 रुपये रखी गई है। लिटिल ग्रेसी के एंट्री-लेवल मॉडल में 48वी/32एएच लीड-एसिड बैटरी दी गई है, जो 7-8 घंटे में चार्ज होकर 55-60 किलोमीटर तक की रेंज प्रदान करती है। इसका मिड-टियर वेरिएंट 60वी/32एएच लीड-एसिड बैटरी के साथ आता है, जो 70 किलोमीटर तक की रेंज देता है और इसकी कीमत 52,000 रुपये रखी गई है। वहीं, टॉप-एंड वेरिएंट 60वी/30एएच लिथियम-आयन बैटरी से लैस है, जिसकी कीमत 58,000 रुपये है और यह 70-75 किलोमीटर तक की रेंज देता है। सभी वेरिएंट 48/60वी बीएलडीसी मोटर से संचालित होते हैं, जो अधिकतम 25 किमी प्रति घंटे की गति प्रदान करता है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में डिजिटल डिस्प्ले, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट, कीलेस ड्राइव, रिवर्स गियर, पार्किंग स्विच और एंटी-थेफ्ट अलार्म जैसी आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। सुरक्षा के लिए इसमें हाइड्रोलिक सस्पेंशन और दोनों पहियों में ड्रम ब्रेक दिए गए हैं। इसका कुल वजन 80 किलोग्राम है और यह 150 किलोग्राम तक का भार वहन कर सकता है।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### अंतरिक्ष में परचम...

गौरतलब है कि सुनीता विलियम्स पिछले 9 महीने से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में फंस गई थीं। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट द्वारा अंतरराष्ट्रीय 5 जून 2024 को भेजा गया था। उनका मिशन केवल आठ दिनों का था, लेकिन तकनीकी समस्याओं के कारण वे वहां नौ महीने से अधिक समय तक फंसे रहे। नासा के अनुसार, अंतरिक्ष यात्री निक हेग, सुनीता विलियम्स, बुच विल्मोर और अलेक्जेंडर गोरबुनोव स्थानीय समय के मुताबिक शाम 5:57 बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 3.27 बजे) पृथ्वी पर लौट आए। स्पेसएक्स रिकवरी जहाजों पर सवार टीमों ने अंतरिक्ष यात्रियों को वापस निकाला। इस तरह नासा के स्पेसएक्स क्रू-9 ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एजेंसी के नौवें वाणिज्यिक क्रू रोटेशन मिशन को पूरा किया। यह अमेरिका की खाड़ी में फ्लोरिडा के तल्हासी तट से स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान में सुरक्षित रूप से उतरा। नासा की कार्यवाहक प्रशासक जेनेट पेट्रो ने कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर नासा और स्पेसएक्स की एक महीने की मेहनत रंग लाई। अंतरराष्ट्रीय चालक दल और धरती पर मौजूद हमारी टीमों ने सभी को घर वापस लाने में कड़ी मेहनत की।

सुनीता विलियम्स और विल्मोर ने अपने मिशन के दौरान 121,347,491 मील की यात्रा की। अंतरिक्ष में 286 दिन बिताए और पृथ्वी के चारों ओर 4,576 परिक्रमा पूरी की। दूसरी तरफ हेग और गोरबुनोव ने अपने मिशन के दौरान 72,553,920 मील की यात्रा की, अंतरिक्ष में 171 दिन बिताए और पृथ्वी के चारों ओर 2,736 परिक्रमा पूरी की। हेग ने अपने दो मिशनों में अंतरिक्ष में 374 दिन और विलियम्स ने अपनी तीन उड़ानों में अंतरिक्ष में 608 दिन बिताए हैं। विल्मोर ने अपनी तीन उड़ानों में अंतरिक्ष में 464 दिन बिताए हैं।सुनीता विलियम्स ने दो स्पेसवॉक किए। एक में उनके साथ विल्मोर और दूसरे में हेग शामिल थे। अंतरिक्ष में 900 घंटे से अधिक समय तक शोध के साथ 150 से अधिक अद्वितीय वैज्ञानिक प्रयोग किए गए। इस शोध में पौधों की वृद्धि और गुणवत्ता पर जांच शामिल थी, साथ ही रक्त रोगों, ऑटोइम्यून विकारों और कैंसर को संबोधित करने के लिए स्टेम सेल तकनीक की क्षमता भी शामिल थी। उन्होंने प्रकाश व्यवस्था का भी परीक्षण किया। इस अध्ययन के लिए अंतरिक्ष स्टेशन के बाहरी हिस्से से नमूने लिए कि क्या सूक्ष्मजीव अंतरिक्ष में जीवित रह सकते हैं।भारतीय समयानुसार सुबह 3.27 बजे ऑर्बिट बर्न का प्रोसेस पूरा होने के बाद फ्लोरिडा के तट पर अंतरिक्ष परी के उतरते ही सुनीता विलियम्स के गुजरात के पैतृक गांव में जश्न शुरू हो गया। इतिहास रचकर धरती पर सकुशल वापस लौटीं सुनीता विलियम्स का स्वागत समुद्र में तैरते डॉल्फिन के झुंड ने किया। जब उनका कैप्सूल पानी में उतरा तो उनके आसपास बड़ी संख्या में डॉल्फिन थीं। इसके बाद उनको रिकवरी पोत से कैप्सूल से निकाला गया। उल्लेखनीय है कि सुनीता विलियम्स का जन्म 19 सितंबर 1965 को अमेरिका के ओहायो के यूक्लिड में हुआ था। वे भारतीय मूल की हैं। उनके पिता दीपक पांड्या मूल रूप से गुजरात के मेहसाणा जिले के झूलासन गांव के रहने वाले थे, जो बाद में अमेरिका में न्यूरोएनाटॉमी के क्षेत्र में काम करने लगे। सुनीता ने माइकल विलियम्स से शादी की, लेकिन उनकी कोई संतान नहीं है।मिशन की सफलता पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में, नासा ने इस लंबे प्रवास के दौरान आई चुनौतियों और स्पेसएक्स के योगदान पर प्रकाश डाला और उनको धन्यवाद कहा। नासा अधिकारियों के अनुसार, ड्रैगन क्रू कैप्सूल की विश्वसनीयता और टीम के समर्पण ने इस मिशन को सफल बनाया। सुनीता विलियम्स ने सुरक्षित वापसी के बाद हाथ हिलाकर खुशी जाहिर की और मिशन के दौरान अपने अनुभव साझा किए। नासा ने यह भी बताया कि इस मिशन से मिले अनुभवों का उपयोग भविष्य में अंतरिक्ष यात्राओं को और सुरक्षित और प्रभावी बनाने में किया जाएगा।स्पेसएक्स का यह क्रू मिशन 15 मार्च को लॉन्च किया गया था, जिसमें कुछ तकनीकी चुनौतियों के कारण देरी हुई। हालांकि, 17 घंटे की यात्रा के बाद अंतरिक्ष यात्री सफलतापूर्वक पृथ्वी पर लौट आए। इस मिशन की सफलता के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलन मस्क को विशेष रूप से जिम्मेदारी सौंपी थी। सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी से जुड़ी हर अपडेट के लिए जनसत्ता के लाइव ब्लॉग से जुड़े रहें।भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी कहा, नासा के क्रू-9 की पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी से मैं प्रसन्न हूं। भारत की बेटी सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों वाले चालक दल ने अंतरिक्ष में मानव धीरज और दृढ़ता के इतिहास को फिर से लिखा है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह बोले, यह गौरव और राहत का पल है। पूरा विश्व भारत की इस बेटी की सुरक्षित वापसी का जश्न मनाने के लिए एक साथ आया है, जो अंतरिक्ष में अनिश्चितताओं को सहन करने के साहस, दृढ़ विश्वास और स्थिरता के लिए इतिहास में दर्ज हो गई है।

सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर जब क्रू ड्रैगन कैप्सूल के जरिए पृथ्वी पर लौट रहे थे, तो बहुत लोगों को पूर्व भारतीय अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला की याद आ रही थी। यह बहुत ही स्वाभाविक बात है। दो दिन पहले ही कल्पना चावला का जन्मदिन था। सुनीता विलियम्स के चचेरे भाई दिनेश रावल ने मंगलवार सुबह गुजरात के अहमदाबाद में उनकी सुरक्षित धरती पर वापसी के लिए यज्ञ का आयोजन किया। सुनीता विलियम्स के धरती पर लौटने की खुशी में पूरे देश में उत्साह का माहौल है। हर कोई अपने तरीके से उनके सुरक्षित धरती पर उतरने की कामना कर रहा है। कई जगह मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों पर प्रार्थना की जा रही है। सुनीता के गांव वाले उनकी सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रहे थे और उन्होंने देवी डोला माता के स्थानीय मंदिर में अखंड ज्योति जलाई थी।

### सुनीता विलियम्स...

नासा के किसी अंतरिक्ष यात्री के लिहाज से यह अंतरिक्ष में दूसरी सबसे ज्यादा अवधि है। अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों में उनसे आगे सिर्फ पेगी व्हिटमोर हैं, जिन्होंने आईएसएस पर 675 दिन बिताए हैं। हालांकि, दुनियाभर के अंतरिक्ष यात्रियों की बात करें तो रूस के आगे नासा के एस्ट्रोनॉट कहीं नहीं ठहरते। इस मामले में रिकॉर्ड है रूसी कॉस्मोनॉट ओलेग कोनोनेंको के पास, जो कि पिछले साल जून में ही 33 महीने यानी 1000 दिन स्पेस में रहने का रिकॉर्ड कायम किया था। उन्होंने इसके साथ ही रूसी कॉस्मोनॉट और साथी गेनाडी पडालका का रिकॉर्ड तोड़ा था।सुनीता विलियम्स ने आईएसएस पर इस बार अपना सबसे लंबे समय तक रहने का रिकॉर्ड बनाया। एक बार में 286 दिन तक अंतरिक्ष में रहकर सुनीता नासा की रिकॉर्ड बुक में भी अपना नाम दर्ज करा चुकी हैं। दरअसल, अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों की बात करें तो एक दौरे में सबसे ज्यादा दिन तक आईएसएस पर रहने का रिकॉर्ड अब तक फ्रैंक रूबियो के पास है। वहीं, मार्क वांडे हेई अब तक 355 दिन आईएसएस पर बिताए हैं। इसके बाद स्कॉट केली, महिला अंतरिक्ष यात्री क्रिस्टिना कॉश और पेगी व्हिट्सन का नंबर है। इस लिहाज से एक दौरे में आईएसएस पर सबसे ज्यादा दिन बिताने वाले अंतरिक्ष यात्रियों में सुनीता विलियम्स छठे नंबर पर काबिज हो गई हैं। हालांकि, इसके लिए उन्होंने इस बार अंतरिक्ष यात्री एंड्रयू मोर्गन का 272 दिन का रिकॉर्ड तोड़ दिया।59 वर्षीय सुनीता विलियम्स ने 62 घंटे 9 मिनट तक स्पेसवॉक किया, जो किसी भी महिला अंतरिक्ष यात्री की तरफ से किया गया सबसे लंबा समय है। उन्होंने ताजा मिशन में 16 और 30 जनवरी को दो महत्वपूर्ण स्पेसवॉक किए, जिनमें से एक 5 घंटे 26 मिनट और दूसरा 6 घंटे का था। इतना ही नहीं, उनके मिशन के दौरान उन्हें आईएसएस का कमांडर भी बनाया गया, जो किसी भी अंतरिक्ष यात्री के लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। इतना ही नहीं सुनीता विलियम्स अब तक नौ बार स्पेसवॉक में हिस्सा ले चुकी हैं, जो कि पेगी व्हिट्सन के 10 स्पेसवॉक से कम है। हालांकि, अवधि में सुनीता का रिकॉर्ड पेगी से आगे है। नासा के अनुसार, सुनीता विलियम्स और उनकी टीम ने 150 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोगों पर 900 घंटे से अधिक शोध कार्य किया। इस दौरान उन्होंने आईएसएस पर बागवानी जैसे कार्यों में भी हिस्सा लिया।स्पेसवॉक का सीधा अर्थ है, आईएसएस के बाहर खुले अंतरिक्ष में बिताए गए घंटे। 2006 में अपने पहले मिशन में सुनीता विलियम्स ने 29 घंटे स्पेसवॉक की थी। इतना ही नहीं आईएसएस पर रहते हुए उन्होंने 42.2 किलोमीटर दौड़कर बॉस्टन मैराथन में भी वर्चुअल तौर पर हिस्सा लिया था। सुनीता ने इस मिशन में कुल 195 दिन आईएसएस पर बिताए थे। इसके अलावा 2012-13 में भी सुनीता विलियम्स ने 21 घंटे से ज्यादा स्पेसवॉक की थी। इस मिशन में वे 127 दिन तक अंतरिक्ष पर रही थीं। इस तरह दो मिशन में उन्होंने कुल 321 दिन अंतरिक्ष में बिताए।स्पेसवॉक का सीधा अर्थ है, आईएसएस के बाहर खुले अंतरिक्ष में बिताए गए घंटे। 2006 में अपने पहले मिशन में सुनीता विलियम्स ने 29 घंटे स्पेसवॉक की थी। इतना ही नहीं आईएसएस पर रहते हुए उन्होंने 42.2 किलोमीटर दौड़कर बॉस्टन मैराथन में भी वर्चुअल तौर पर हिस्सा लिया था। सुनीता ने इस मिशन में कुल 195 दिन आईएसएस पर बिताए थे। इसके अलावा 2012-13 में भी सुनीता विलियम्स ने 21 घंटे से ज्यादा स्पेसवॉक की थी। इस मिशन में वे 127 दिन तक अंतरिक्ष पर रही थीं। इस तरह दो मिशन में उन्होंने कुल 321 दिन अंतरिक्ष में बिताए।

### भारत विरोधी...

ओपन सोसाइटी फाउंडेशन (ओएसएफ) और इसकी निवेश शाखा, सोरोस इकोनॉमिक डेवलपमेंट फंड (एसईडीएफ) से जुड़े बेंगलुरु में आठ स्थानों पर तलाशी ली। यह छापेमारी विदेशी मुद्रा उल्लंघन की जांच के तहत की गई। ओएसएफ और एसईडीएफ के कुछ लाभार्थियों के परिसरों, जिनमें कुछ अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार निकायों से जुड़े लोग भी शामिल हैं। एस्पाडा इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड नामक एक कंपनी की विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत तलाशी ली गई। एस्पाडा इन्वेस्टमेंट भारत में एसईडीएफ का निवेश सलाहकार या फंड मैनेजर है। भारत में फंडिंग को चैनलाइज करने के लिए ओएसएफ ने मॉरीशस में एस्पाडा इन्वेस्टमेंट कंपनी की स्थापना की थी। भारत में एसईडीएफ के निवेश का प्रबंधन/सलाह देने के लिए 4 फरवरी, 2013 को बेंगलुरु में एस्पाडा इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड (एआईएपीएल) की स्थापना की गई थी। यह पता चला है कि एसईडीएफ ने भारत में 12 से अधिक कंपनियों को 300 करोड़ रुपए का वित्त पोषण किया।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि 30 मई 2016 को केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा ओएसएफ को पूर्व संदर्भ श्रेणी (पीआरसी) के तहत रखा गया था। तब से, ओएसएफ को भारत में एफसीआरए पंजीकृत संगठनों को धन भेजने के लिए गृह मंत्रालय की पूर्व मंजूरी आवश्यक थी। भारत सरकार के प्रतिबंधों को दरकिनार करने के लिए, ओएसएफ ने भारत में सहायक कंपनियां बनाईं और एफडीआई और परामर्श शुल्क के रूप में धन लाया, और इन निधियों का उपयोग एनजीओ की निधि देने के लिए किया गया। ईडी ने इसे स्पष्ट तौर पर फेमा का उल्लंघन बताया है।ईडी एफडीआई फंड के उपयोग की भी जांच कर रहा है। एसईडीएफ को तीन भारतीय कंपनियों को एफडीआई या परामर्श/सेवा शुल्क की आड़ में एनजीओ क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों के लिए धन मुहैया कराने का दोषी पाया गया, जिन्हें कुल मिलाकर 2020-21 से 2023-24 तक लगभग 25 करोड़ रुपए मिले। ओएसएफ के अनुसार, यह मानवाधिकार, न्याय और जवाबदेह सरकार का समर्थन करने वाले समूहों की दुनिया की सबसे बड़ी निजी फंडिंग एजेंसियों में से एक है, जिसका 2020 में वार्षिक बजट एक बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है। ओपन सोसाइटी का सोरोस इकोनॉमिक डेवलपमेंट फंड भी भारत में एक सक्रिय सामाजिक प्रभाव निवेशक है। इसके लक्ष्यों में छोटे किसानों और छोटे व्यवसायों को उनकी आय बढ़ाने में मदद करना और स्वास्थ्य सेवा, स्कूली शिक्षा और वित्तीय सेवाओं को व्यापक लोगों के लिए अधिक उपलब्ध और सस्ता बनाना शामिल है, लेकिन इसके पीछे एजेंडा कुछ और है। 2008 से, ओपन सोसाइटी ने बेंगलुरु स्थित एस्पाडा इन्वेस्टमेंट्स द्वारा प्रबंधित स्टार्ट-अप और शुरुआती फंडिंग परियोजनाओं में 90 मिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है। भारत सरकार ने सोरोस पर भारत के हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया है। पिछले साल दिसंबर में, लोकसभा में यह मामला उठा कि सोरोस, समाचार पोर्टल ओसीसीआरपी (संगठित अपराध और भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग परियोजना) और कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी के साथ मिल कर भारत की सफलता की कहानी को पटरी से उतारने और सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है।

ईडी द्वारा मारे गए छापे विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन के संबंध में कर्नाटक के कई हिस्सों के साथ-साथ बेंगलुरु में सोरोस की तथाकथित उदारता के लाभार्थियों पर मारे जा रहे हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल, ग्रीन पीस और ह्यूमन राइट्स वॉच के छह से अधिक कर्मचारी उन लोगों में शामिल हैं जिनसे उनके खातों में धन की एक किस्त के संबंध में पूछताछ की जा रही है। भारत में सोरोस समर्थित ओएसएफ पर छापेमारी के दौरान राजेश भट्टाचार्य और दिव्या रघुनाथन सहित कम से कम चार कर्मचारियों से ईडी अधिकारियों द्वारा पूछताछ की जा रही है।ओएसएफ ने भारत और विदेश में एमनेस्टी और एचआरडब्ल्यू दोनों को पिछले पांच वर्षों में अकेले भारत में 200 मिलियन डॉलर (1,500 करोड़ रुपए) से अधिक का उदार दान दिया है। कुछ अधिकारियों का अनुमान है कि भारत में सोरोस ने एक दशक के दौरान करीब 18 बिलियन डॉलर दान दिया जिसमें वॉचडॉग, समाचार पोर्टल, शोध परियोजनाएं, सेमिनार, सम्मेलन थिंक टैंक और यहां तक कि सेवानिवृत्त और वर्तमान सिविल सेवकों की संतानें तक इसकी लाभान्वित रहीं। बेंगलुरु में एक अधिकारी ने कहा, 2016 और 2023 के बीच, ईडी ने एमनेस्टी इंटरनेशनल के कई खाते जब्त किए हैं। ये छापे ओएसएफ के और अधिक फंडिंग पैटर्न का पता लगाने के लिए नए हैं, जिनका इस्तेमाल भारत में गैरकानूनी तरीके से विरोध प्रदर्शन या शांतिपूर्ण कार्यों को बाधित करने के लिए किया जा रहा था। अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस और उसके संगठन ओएसएफ पर भारत के हितों के खिलाफ काम करने का गंभीर आरोप है। अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में भी जॉर्ज सोरोस की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं।

### धर्मांतरण ...

धर्मांतरण को लेकर विधानसभा में अजय चंद्राकर, राजेश मूणत, नीलकंठ टेकाम, सुशांत शुक्ला और रायमुनी भगत ने अपनी चिंता जाहिर की। वहीं रायमुनी भगत ने बताया कि उनके क्षेत्र में 80 साल की एक वृद्ध महिला अब भी इस इंतजार में हैं कि उनके बेटे का अंतिम संस्कार हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार हो, लेकिन गांव में ईसाई बाहुल्य होने के कारण अंतिम संस्कार ईसाई परंपरा से कर दिया गया। विधायक नीलकंठ टेकाम ने कहा कि बस्तर में हर रविवार को 70 प्रतिशत लोग प्रार्थना सभा के नाम से बाहर निकलते हैं, जिससे धर्मांतरण का खतरा बना हुआ है। वहीं राजेश मूणत ने सवाल किया कि बिना पुलिस को सूचना दिए चंगाई सभाएं कैसे हो रही हैं और क्या थानों में इसकी अलग से जांच की कोई व्यवस्था है?

भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने धर्मांतरण के मुद्दे पर कहा कि जशपुर जिले में सबसे ज्यादा धर्मांतरण के मामले सामने आए हैं। मिशनरियों से जुड़े शैक्षणिक संस्थानों को करोड़ों का अनुदान दिया जाता है, लेकिन उसकी ऑडिट नहीं कराई जाती। राज्य में धर्मांतरण और धर्म परिवर्तन के मामले बढ़ रहे हैं। गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि चंगाई सभा की आड़ में धर्मांतरण कराए जाने के शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। अब तक चार मामले सामने आए हैं, जिस पर आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा तुरंत वैधानिक कार्रवाई की गई है।गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि जो संस्थाएं विदेशों से सहायता लेती हैं, वह एफसीआरओ से पंजीकृत होती हैं। राज्य में ऐसी 153 संस्थाएं हैं। विदेशी फंडिंग की जांच और कार्रवाई का अधिकार केंद्र के पास है। लिहाजा, इस मामले में जांच के बाद केंद्र सरकार ने विदेशी फंडिंग पाने वाली सैकड़ों संस्थाओं को खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। संस्थाओं की गतिविधियों पर भी निगाह रखी जा रही है। प्रदेश के गृह मंत्री ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक में जल्द ही नए प्रावधान शामिल किए जाएंगे।

भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने कहा कि जोशुआ प्रोजेक्ट चलाकर बिलासपुर में धर्म परिवर्तन कराया जाता है। पुलिस में शिकायत दर्ज होने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। वेबसाइट पर खुलेआम धर्मांतरण चल रहा है। यदि इसकी जानकारी स्थानीय प्रशासन को नहीं है तो इसका मतलब है कि सूचना तंत्र फेल है। गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि ऐसी संस्थाएं जिन्हें विदेशी फंडिंग होती है, उस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय की सीधी नजर है।केशकाल के विधायक नीलकंठ टेकाम ने कहा कि बस्तर के 70 फीसदी गांवों में धर्मांतरण का खेल चल रहा है। इसमें सीधे तरीके से विदेशी फंडिंग का इस्तेमाल हो रहा है। यदि स्थिति ऐसी ही रहेगी तो आने वाले दिनों में हम आदिवासी राज्य नहीं रह जाएंगे। अब तक जो क़ानून है, उसकी धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। इस पर रोक के लिए कड़े कानून की ज़रूरत है। गृहमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि बस्तर में ऐसी 18 संस्थाएं हैं जिन्हें विदेशी फंडिंग मिलती है। भाजपा विधायक राजेश मूणत ने कहा कि पंद्रह दिनों के भीतर राजधानी में ही धर्म परिवर्तन के दो प्रकरण सामने आए हैं। जिस तरह से हिंदू समाज कोई आयोजन करता है तो उसकी अनुमति लेता है। लेकिन धर्मांतरण कराने वाले ऐसे आयोजनों की सरकार से मंजूरी नहीं लेते।

### उत्तराखंड में ...

और इन मदरसों के फंडिंग सोर्स क्या हैं? इसकी जांच चल रही है। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड की धामी सरकार को खुफिया रिपोर्ट्स से इनपुट मिले हैं कि उत्तर प्रदेश में मदरसों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के बाद कई मदरसों संचालकों ने उत्तराखंड का रुख किया है। इन रिपोर्ट्स के आधार पर राज्य सरकार ने अवैध मदरसों के खिलाफ अभियान को तेज कर दिया है।

### बसें रोक कर...

उनकी बाइक पर भिंडरावाले का झंडा लगा हुआ था, जिसे उतारने को लेकर एक स्थानीय व्यक्ति सुभाष ठाकुर से मारपीट की गई। युवकों ने झंडा उतारने से मना कर दिया और सुभाष ठाकुर को जान से मारने की धमकी दी। कई ऐसे वीडियो सामने आए हैं जिसमें सिख युवक भिंडरावाले का झंडा उतारने की सलाह देने वाले से उलझ रहे हैं। कई इसी तरह के वीडियो वायरल हो रहे हैं, इनमें सिख युवक झंडे को लेकर लड़ाई करते हुए दिख रहे हैं। वे तलवारों से भी हमला कर रहे हैं। एक और वीडियो वायरल हो रही है, इसमें कुछ सिख युवक एक बैरियर तोड़ते हुए दिखाई पड़ते हैं। भिंडरावाले का झंडा लगाने के मामले में हिमाचल पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मामला भी दर्ज किया है।हिमाचल प्रदेश में भिंडरावाले का झंडा हटाने के बाद अब पंजाब में हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की बसों को रोका जा रहा है। बाहर से आने वाली निजी बसों को भी निशाना बनाया जा रहा है और इन पर भिंडरावाले के पोस्टर जबरदस्ती चिपकाए जा रहे हैं। विडंबना यह है कि अकाल तख़्त के एक जत्थेदार ने भी हिमाचल प्रदेश में भिंडरावाले का झंडा हटाए जाने की निंदा की है और कहा है कि वह कौमी शहीद हैं। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने भी भिंडरावाले के फोटो लगाकर चलने वालों की आल-ोचना की है। उन्होंने हिमाचल की कांग्रेस सरकार और पंजाब की आपा सरकार पर भी निशाना साधा कि वह इन लोगों पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रही हैं?

### केरल के...

परंपरा बंद करवाना चाहते हैं। गज सेवा समिति ने आरोप लगाया कि यह एक्टिविस्ट विदेशी फंड के सहारे काम करते हैं और यह हिंदुओं की परंपराओं को रोक रहे हैं। गज सेवा समिति ने कहा कि हाथियों को केरल के भीतर पवित्र माना जाता है और उन्हें शक्ति के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। गज सेवा समिति ने आरोप लगाया कि कथित पशु अधिकार वाले पूरी तरह से मंदिरों में उनका इस्तेमाल रोकना चाहते हैं। केरल हाईकोर्ट ने मंदिर के उत्सवों में हाथियों के उपयोग पर रोक लगा दी थी। केरल हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2024 में रोक दिया था। इसके बाद भी जनवरी 2025 में केरल हाईकोर्ट ने नया ऐसा ही आदेश दिया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रवैया अपनाते हुए केरल हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी।

# 21 को शीतला सप्तमी और 22 को होगी शीतलाष्टमी

होली के बाद सातवें और आठवें दिन देवी शीतला माता की पूजा की परंपरा है। इन्हें शीतला सप्तमी या शीतलाष्टमी कहा जाता है। शीतला माता का जिक्र स्कंद पुराण में मिलता है। पौराणिक मान्यता है कि इनकी पूजा और व्रत करने से चेचक के साथ ही अन्य तरह की बीमारियां और संक्रमण नहीं होता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि चैत्र मास में शीतला माता के लिए शीतला सप्तमी 21 मार्च और अष्टमी 22 मार्च का व्रत-उपवास किया जाता है। इस व्रत में ठंडा खाना खाने की परंपरा है। जो लोग ये व्रत करते हैं, वे एक दिन पहले बनाया हुआ खाना ही खाते हैं। 20 और 21 मार्च को रांधा पुआ होगा। जहां पर शीतला सप्तमी मनाई जाएगी। वहां पर 20 मार्च को रांधा पुआ होगा। जहां पर शीतला अष्टमी मनाई जायेगी। वहां पर 21 मार्च को रांधा पुआ होगा। कहीं पर सप्तमी के दिन और कहीं पर अष्टमी के दिन ठंडा भोजन किया जाता है। दरअसल, ये समय शीत ऋतु के जाने का और ग्रीष्म ऋतु के आने का समय है। इस दौरान मौसमी बीमारियां होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। शीतला सप्तमी और अष्टमी पर ठंडा खाना खाने से हमें मौसमी बीमारियों से लड़ने की शक्ति बढ़ती है। ऐसी मान्यता है। बसौड़ा हिन्दू धर्म में एक महत्वपूर्ण त्योहार है। शीतला अष्टमी को 'बसौड़ा पूजा' के नाम से भी जाना जाता है। बसौड़ा पूजा, शीतला माता को समर्पित लोकप्रिय त्योहार है। यह त्योहार चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाया जाता है। आमतौर पर यह होली के आठ दिनों के बाद पड़ता है लेकिन कई लोग इसे होली के बाद पहले सोमवार या शुक्रवार को मनाते हैं। बसौड़ा या शीतला अष्टमी का यह त्योहार उत्तर भारतीय राज्यों जैसे गुजरात, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अधिक लोकप्रिय है। राजस्थान राज्य में शीतला अष्टमी का त्यौहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस अवसर मेलां व लोक संगीत के कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। भक्त इस पर्व को बड़े ही हर्षोल्लास और भक्ति के साथ मनाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस चुने हुए दिन पर व्रत रखने से उन्हें कई तरह की बीमारियों से बचाव होता है।

बच्चों को बीमारियों से दूर रखने के लिए और उनकी खुशहाली के लिए इस त्योहार को मनाने की परंपरा बरसों से चली आ रही है। कुछ स्थानों पर शीतला अष्टमी को बासौड़ा भी कहा जाता है। इस दिन माता शीतला की बासी भोजन का भोग लगाने की परंपरा है और स्वयं भी प्रसाद के रूप में बासी भोजन ही करना होता है। नाम के अनुसार ही शीतला माता को शीतल चीजें पसंद हैं। मां शीतला का उल्लेख सर्वप्रथम स्कन्दपुराण में मिलता है। इनका स्वरूप अत्यंत शीतल है और कष्ट-रोग हरने वाली हैं। गधा इनकी सवारी है और हाथों में कलश, सूप, झाड़ू और नीम के पत्ते हैं। मुख्य रूप से इनकी उपासना गर्मी के मौसम में की जाती है।

**शीतला सप्तमी और अष्टमी**

कुछ जगह शीतला माता की पूजा चैत्र महीने के कृष्णपक्ष की सप्तमी को और कुछ जगह अष्टमी पर होती है। सप्तमी तिथि के स्वामी सूर्य और अष्टमी के देवता शिव होते हैं। दोनों ही उग्र देव होने से इन दोनों तिथियों में शीतला माता की पूजा की जा सकती है। निर्णय सिंधु ग्रंथ के मुताबिक इस व्रत में सूर्योदय व्यापिनी तिथि ली जाती है।

**शीतला सप्तमी**

वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि की शुरुआत 21 मार्च को देर रात 02:45 मिनट पर शुरू होगी और 22 मार्च को सुबह 04:23 मिनट पर समाप्त होगी। शीतला सप्तमी पर पूजा के लिए शुभ समय 21 मार्च को सुबह 06:24 मिनट से लेकर शाम 06:33 मिनट तक है। इस दौरान साधक देवी मां शीतला की पूजा कर सकते हैं।

**शीतला अष्टमी शुभ मुहूर्त**

चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 22 मार्च को सुबह 04::23 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, 23 मार्च को सुबह 05:23 मिनट पर समाप्त होगी। इस दिन ही बसौड़ा मनाया जाएगा। चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर मां शीतला की विशेष पूजा की जाती है।

**शीतला सप्तमी शुभ योग**

चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि पर कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इनमें सिद्धि योग शाम 06:42 मिनट तक है। इस योग में मां शीतला की पूजा करने से शुभ कामों में सफलता एवं सिद्धि मिलेगी। इसके साथ ही शीतला सप्तमी पर रवि योग का भी संयोग है। इस योग में मां शीतला की साधना करने से आरोग्य जीवन का वरदान मिलेगा। वहीं, भद्रावास का योग दोपहर 03:38 मिनट तक है।स्कन्द पुराण में माता शीतला की अर्चना का स्तोत्र 'शीतलाष्टक' के रूप में प्राप्त होता है। ऐसा माना जाता है कि- इस स्तोत्र की रचना स्वयं भगवान शंकर ने की थी। शास्त्रों में भगवती शीतला की वंदना के लिए यह मंत्र बताया गया है। मंत्र है-

**वन्देऽहंशीतलांदेवीं रासभस्थांदिगम्बराम्।।**
**मार्जनीकलशोपेतां सूर्पालंकृतमस्तकाम्।।**

अगर आप अपने घर की सुख-समृद्धि बनाये रखना चाहते हैं तो आपको स्नान आदि के बाद शीतला माता के इस मंत्र का 51 बार जप करना चाहिए। मंत्र इस प्रकार है- ऊँ ह्रीं श्रीं शीतलायै नमः। आज के दिन ऐसा करने से आपके घर की सुख-समृद्धि बनी रहेगी। साथ ही आपके परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहेगी। अगर आप भय और रोग आदि से छुटकारा पाना चाहते हैं तो आपको देवी शीतला के इस मंत्र का 21 बार जप करना चाहिए। मंत्र है।

**वन्देड्हं शीतलां देवीं सर्वरोग भयापहम्।**
**यामासाद्य निवर्तेत विस्फोटक भयं महत्।।**

अगर आप अच्छे स्वास्थ्य की कामना रखते हैं। साथ ही लंबी आयु का वरदान पाना चाहते हैं, तो आपको शीतलाष्टक स्त्रोत में दी गई इन पंक्तियों का जाप करना चाहिए। पंक्तियां इस प्रकार हैं-

**मृणाल तन्तु सदृशीं नाभि हृन्मध्य संस्थिताम्।**
**यस्त्वां संचिन्त येद्देवि तस्य मृत्युर्न जायते।।**

ऐसी प्राचीन मान्यता है कि जिस घर की महिलाएं शुद्ध मन से इस व्रत को करती है, उस परिवार को शीतला देवी धन-धान्य से पूर्ण कर प्राकृतिक विपदाओं से दूर रखती हैं। मां शीतला का पर्व किसी न किसी रूप में देश के हर कोने में मनाया जाता है।

**ठंडा खाने की परंपरा**

शीतला माता का ही व्रत ऐसा है जिसमें शीतल यानी ठंडा भोजन करते हैं। इस व्रत पर एक दिन पहले बनाया हुआ भोजन करने की परंपरा है। इसलिए इस व्रत को बसौड़ा या बसियौरा भी कहते हैं। माना जाता है कि ऋतुओं के बदलने पर खान-पान में बदलाव करना चाहिए है। इसलिए ठंडा खाना खाने की परंपरा बनाई गई है। धर्म ग्रंथों के मुताबिक शीतला माता की पूजा और इस व्रत में ठंडा खाने से संक्रमण और अन्य बीमारियां नहीं होती। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान व मध्य प्रदेश के कुछ समुदाय के लोग इस त्योहार को बासौड़ा कहते हैं। जो कि बासी भोजन के नाम से लिया गया है। इस त्योहार को मनाने के लिए लोग सप्तमी की रात को बासी भोजन तैयार कर लेते हैं और अगले दिन देवी को भोग लगाने के बाद ही स्वयं ग्रहण करते हैं। कहीं पर हलवा पूरी का भोग तैयार किया जाता है तो कुछ स्थानों पर गुलगुले बनाए जाते हैं। कुछ स्थानों पर गन्ने के रस की बनी खीर का भोग भी शीतला माता को लगाया जाता है। इस खीर को भी सप्तमी की रात को ही बना लिया जाता है।

**बीमारियों से बचने के लिए व्रत**

माना जाता है कि देवी शीतला चेचक और खसरा जैसी बीमारियों को नियंत्रित करती हैं और लोग उन बीमारियों को दूर करने के लिए उनकी पूजा करते हैं।

**सुख-समृद्धि के लिए व्रत**

हिन्दू धर्म के अनुसार सप्तमी और अष्टमी तिथि पर महिलाएं अपने परिवार और बच्चों की सलामती के लिए और घर में सुख, शांति के लिए बासौड़ा बनाकर माता शीतला को पूजती है। माता शीतला को बासौड़ा में कढ़ी-चावल, चने की दाल, हलवा, बिना नमक की पूड़ी चढ़ावे के एक दिन पहले ही रात में बना लेते हैं। अगले दिन ये बासी प्रसाद देवी को चढ़ाया जाता है। पूजा के बाद महिलाएं अपने परिवार के साथ प्रसाद ग्रहण करती हैं।

**पौराणिक कथा**

एक बार की बात है, प्रताप नगर में गांववासी शीतला माता की पूजा-अर्चना कर रहे थे और पूजा के दौरान गांव वालों ने गर्म नैवेद्य माता शीतला को चढ़ाया। जिससे देवी का मुंह जल गया। जिससे गांव में आग लग गई। लेकिन एक बुढ़िया का घर बचा गया था। गांव वालों ने बुढ़िया से घर न जलने की वजह पूछी तो बताया कि उसने माता शीतला को ठंडा प्रसाद खिलाया था और कहा कि मैंने रात को ही प्रसाद बनाकर ठंडा बासी प्रसाद माता को खिलाया। जिससे देवी ने प्रसन्न होकर मेरे घर को जलने से बचा लिया। बुढ़िया की बात सुनकर गांव वालों ने अगले पक्ष में सप्तमी/अष्टमी के दिन उन्हें बासी प्रसाद खिलाकर माता शीतला का बसौड़ा पूजन किया।



डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

## गुरुग्राम में शीतला माता का वो मंदिर जहां धागा बांधते ही पूरी होती है इच्छा

गुरुग्राम का शीतला माता मंदिर यहां की अलग पहचान बनाए हुए है। बता दें, ये मंदिर लोगों के बीच काफी खास भी है, क्योंकि मंदिर का संबंध महाभारत से जुड़ा है।

**चुन्नी बांधकर मन्नत मांगते हैं भक्त**

शीतला माता को ब्राह्मण, वैश्य, क्षत्रिय, जाट और गुर्जर जैसे कई समाजों में कुलदेवी के रूप में पूजा जाता है। गुरुग्राम के शीतला माता मंदिर में ना केवल स्थानीय लोग आते हैं, बल्कि दूसरे शहरों से लोग यहां अक्सर शादी करते हैं या फिर बच्चों का मुंडन करवाते हैं। इस मंदिर के मेन गेट पर आपको बरगद का भी पेड़ दिखाई देगा। माना जाता है कि श्रद्धालु अपनी इच्छा को पूरा करवाने के लिए पेड़ से चुन्नी या मौली बांधते हैं और शीतला माता को जल चढ़ाकर मन्नत मांगते हैं। महिलाएं संतान प्राप्ति के लिए माता की पूजा करते हैं।

**महाभारत काल से है मंदिर का कनेक्शन**

शीतला माता मंदिर का कनेक्शन महाभारत काल से है, माना जाता है इसी स्थान पर द्रोणाचार्य ने कौरवों और पांडवों को प्रशिक्षित किया था। स्कन्द पुराण में भी इस मंदिर से जुड़ी कई बातें बताई गई हैं। मान्यता के मुताबिक ब्रह्मा जी ने शीतला माता को दुनिया को आरोग्य रखने का कार्य दिया था।

**हर कष्ट को दूर करती हैं माता**

गुरुग्राम के शीतला माता मंदिर में हर साल करीबन 15 लाख से भी ज्यादा भक्त आते हैं। इस मंदिर में लाल रंग का दुपट्टा चढ़ाया जाता है और उसके साथ मुरमुरा प्रसाद के रूप में दिया और चढ़ाया जाता है। मान्यता है कि देवी हर रोग और कष्ट को दूर करती हैं। हजारों की संख्या में भक्त यहां माता के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। बच्चों को अगर किसी भी तरह की नकारात्मक ऊर्जा से बचाना है तो एक बार उन्हें यहां जरूर लाए, यही नहीं माता-पिता उनका मुंडन भी कराने आते हैं।

**दिल्ली में हुआ करता था ये मंदिर**

गुड़गांव के शीतला माता मंदिर का इतिहास 500 साल पुराना है, माता का ये मंदिर पहले दिल्ली केशोपुर में हुआ करता था। लेकिन 1910 के रिकॉर्ड के अनुसार, करीबन ढाई सौ से तीन सौ साल पहले शीतला माता ने गुरुग्राम के सिंघा जाट नाम के एक व्यक्ति को सपने में दर्शन देकर गुरुग्राम में मंदिर बनाने को कहा। इसके बाद ये मंदिर यहां बनाया गया।

**गुरुग्राम के शीतला माता मंदिर कैसे पहुंचे**

शीतला माता मंदिर जाने का सबसे बढ़िया तरीका है मेट्रो, पास का मेट्रो स्टेशन एम.जी. रोड मेट्रो स्टेशन और इफको चौक मेट्रो स्टेशन है। यह दोनों मेट्रो स्टेशन येलो लाइन पर स्थित हैं। इफको चौक मेट्रो स्टेशन से मंदिर की दूरी 7 किलोमीटर है। और एम.जी. रोड मेट्रो स्टेशन से शीतला माता मंदिर की दूरी 6 किलोमीटर है।

## कब और क्यों मनाई जाती है शीतला अष्टमी? जानें सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व

आदिकाल से ही माता शीतला का अत्यधिक माहात्म्य रहा है। आधुनिक युग में भी माता शीतला की उपासना स्वच्छता की प्रेरणा देने के कारण सर्वथा प्रासंगिक है। भगवती शीतला की उपासना से स्वच्छता और पर्यावरण को सुरक्षित रखने की प्रेरणा मिलती है। माता शीतला स्वच्छता की अधिष्ठात्री देवी है।

स्वच्छता का यह संदेश आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है, जब हम संक्रमण और बीमारियों से बचने के लिए अधिक सावधान रहते हैं। माता शीतला का संदेश हमें यह सिखाता है कि अपने आसपास की स्वच्छता बनाए रखना और पर्यावरण का ध्यान रखना कितनी आवश्यक बात है। माता शीतला की उपासना धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह हमारे जीवन में स्वच्छता और स्वास्थ्य के महत्व को उजागर करती है।

हिंदू मान्यताओं के अनुसार, माता शीतला को संक्रामक रोगों और बीमारियों से सुरक्षा देने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। खासकर गर्मी के मौसम में माता शीतला की पूजा से शरीर की स्वच्छता और पर्यावरण की रक्षा की जाती है, जो आज भी हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्कंद पुराण में माता शीतला का वाहन गर्दभ है। वे अपने हाथों में कलश, सूप, मार्जन (झाड़ू) तथा नीम के पत्ते धारण करती हैं। जो चेचक का रोगी की परेशानी को हर देते हैं। सूप से रोगी को हवा की जाती है। झाड़ू से चेचक के फोड़े फट जाते हैं।

नीम के पत्ते फोडों के दर्द से आराम मिलता है। मान्यता है कि शीतला देवी के आशीर्वाद से परिवार में रोगों का निवारण होता है, खासकर ऐसे रोग जो विशेष रूप से गर्मी के मौसम में होते हैं, जैसे कि दाह ज्वर (बुखार) और पीत ज्वर आदि। उनकी पूजा हिंदू समाज में विशेष रूप से पौराणिक कथाओं, रीति-रिवाजों और पारंपरिक उपायों के माध्यम से की जाती है।

स्कंद पुराण में इनकी अर्चना का स्तोत्र शीतलाष्टक के रूप में प्राप्त होता है। मान्यता है कि इसकी रचना भगवान शंकर ने की थी। शीतलाष्टक शीतला देवी की महिमा गान करता है और उनकी उपासना के लिए भक्तों को प्रेरित भी करता है।

हमारे पौराणिक ग्रंथों में- वन्देऽहं शीतलां देवीं रासभस्थां दिगम्बरः, मार्जनीकलशोपेतां सूर्पालंकृतमस्तकाः। कहकर उनकी वंदना गाई गई है। माता शीतला की पूजा का उद्देश्य शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार लाना है और हमें अपनी दैनिक जीवनशैली में स्वच्छता और सादगी को अपनाना चाहिए, ताकि शारीरिक और मानसिक रूप से हम स्वस्थ और सुखी रहें। शीतला देवी की पूजा का एक गहरा सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है, जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य को भी बढ़ावा देती है।

## शीतला अष्टमी पर करें ये आसान उपाय रोग-दोष से मिलेगी राहत

शीतला अष्टमी का पर्व बहुत शुभ माना जाता है। यह होली के आठ दिन बाद यानी चैत्र महीने में कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। यह व्रत गर्मियों की शुरुआत का प्रतीक है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन माता रानी की पूजा करने और उपवास का पालन करने से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। इसके साथ ही रोग-दोष से मुक्ति मिलती है। वहीं, इस दिन को लेकर कुछ चमत्कारी उपाय बताए गए हैं, जिन्हें करने से रोग-दोष से छुटकारा मिलता है,

**कैसे मिलेगा आरोग्य का वरदान?**

शीतला अष्टमी पर अच्छी सेहत के लिए विधि-विधान के साथ शीतला माता की पूजा करें। मां को कुमकुम, रोली, अक्षत और लाल रंग के फूल आदि चीजें अर्पित करें। इसके बाद देवी को बासी पूड़ी-हलवे का भोग लगाएं। ऐसा करने से रोग-दोष से मुक्ति मिलेगी। साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

**करें इस मंत्र का जाप**

सभी कष्टों से मुक्ति के लिए शीतला अष्टमी पर 'ॐ ह्रीं श्रीं शीतलायै नमः' मंत्र का जप करें। ऐसा करने से सभी इच्छाओं की पूर्ति होती है।

**दान-दक्षिणा जरूर दें**

शीतला अष्टमी के मौके पर किसी कुम्हारन को जरूरत का सामान और दान-दक्षिणा जरूर दें, क्योंकि यह इस दिन के अनुष्ठान का अहम हिस्सा माना जाता है। कहते हैं कि जब तक कुम्हारन कुछ नहीं खाती है, तब तक शीतला माता की पूजा का फल प्राप्त नहीं होता है।

# धर्मेंद्र-विनोद खन्ना की ब्लॉकबस्टर फिल्म मेरा गांव मेरा देश

## ने रखी थी शोले की नींव, 4 साल पहले भी बजा था हीमैन का डंका

साल 1971 में धर्मेंद्र और विनोद खन्ना की एक ऐसी फिल्म ने सिनेमाघरों में दस्तक दी थी, जो कल्ट साबित हुई थी। फिल्म ने उस साल ताबड़तोड़ कमाई की थी। फिल्म के गाने भी काफी पसंद किए गए थे। फिल्म में उस दौर की टॉप एक्ट्रेस आशा पारेख ने लीड रोल निभाया था। हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं, उसका नाम है 'मेरा गांव मेरा देश'। इस फिल्म की कहानी एक शातिर चोर अजीत के इर्द-गिर्द घूमती है जिसे पूर्व फौजी हवलदार मेजर जसवंत सिंह एक चोरी के आरोप में गिरफ्तार करवा देता है। जेल से छूटने पर जेलर की सलाह मानते हुए अजीत उसी फौजी से काम मांगने उसके गांव जाता है।

'मेरा गांव मेरा देश' को 'शोले' के लिए प्रेरणा माना जाता है, क्योंकि इसकी थीम और किरदार काफी हद तक मिलते-जुलते थे। लेकिन शोले ने अपने निर्देशन, संवादों और किरदारों की गहराई से इसे एक ऐतिहासिक और कालजयी फिल्म बना दिया। मेरा गांव मेरा देश में धर्मेंद्र, आशा पारेख और विनोद खन्ना लीड रोल में नजर आए थे। इस फिल्म को खासतौर पर इसलिए भी याद रखा जाता है, क्योंकि इसी फिल्म की कहानी से हिंदी सिनेमा की कालजयी फिल्म शोले निकली थी। साल 1971 में धर्मेन्द्र, आशा पारेख और विनोद खन्ना की इस ब्लॉकबस्टर ने बॉक्स ऑफिस को हिला कर रख दिया था। फिल्म की कहानी, किरदार और गानें तो इतने पॉपुलर हुए थे कि आज भी लोग इन्हें भूल नहीं पाए हैं।

इस फिल्म में विनोद खन्ना ने फिल्म में विलेन की भूमिका निभाकर इतिहास रच दिया था। फिल्म खासतौर पर विनोद खन्ना के फिल्म में डायलॉग तो काफी पॉपुलर हुए थे। 'जब्बर सिंह ने दो ही बातें सीखी हैं ... एक मौके का फायदा उठाना और दूसरा, दुश्मनों का नाश करना...' ये उस फिल्म के सबसे चर्चित डायलॉग थे। शोले और मेरा गांव मेरा देश में काफी समानता थीं। दोनों फिल्मों की कहानी एक गांव के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां डाकू आतंक मचाते हैं और नायक उनका सामना करता है। मेरा गांव मेरा देश में डाकू जलाल खान (जयंत) गांववालों को परेशान करता है और 'शोले' में गब्बर सिंह (अमजद खान) पूरे रामगढ़ गांव को लूटता है।

दोनों ही फिल्मों में लीड रोल में (धर्मेंद्र) पहले अपराधी या आवारा प्रवृत्ति के होते हैं, लेकिन बाद में वीरता दिखाते हैं। 'मेरा गांव मेरा देश' में अजीत (धर्मेंद्र) एक छोटा चोर होता है, जिसे गांव की रक्षा के लिए भेजा जाता है और शोले में में वीरू (धर्मेंद्र) और जय (अमिताभ) पहले अपराधी होते हैं, लेकिन ठाकुर के कहने पर गांव बचाने का बीड़ा उठाते हैं।

# पढ़ाई पूरी करने के लिए निम्रत कौर ने शुरू की थी मॉडलिंग

## छोटे से शहर से निकलकर बनीं इंटरनेशनल स्टार

फिल्मी दुनिया में ऐसे कई सितारे हैं, जिनका जीवन संघर्षों से भरा रहा है। संघर्षों के बाद कई सितारों ने सफलता का स्वाद भी चखा। जानी मानी एक्ट्रेस निम्रत कौर का सफर भी फिल्मी दुनिया में इतना आसान नहीं था। एक्ट्रेस का निजी जीवन भी परेशानियों भरा था। राजस्थान के एक छोटे से गांव से आज निम्रत एक बड़ी इंटरनेशनल स्टार बन चुकी हैं। निम्रत कौर के पिता एक आर्मी ऑफिसर थे, लेकिन केवल 11 साल की उम्र में एक्ट्रेस के सिर से पिता का साया उठ गया। उनके पिता कश्मीर में शहीद हो गए थे। निम्रत के पिता के निधन के बाद उनकी माताजी उन्हें और उनकी बहन को लेकर पिलानी से लेकर नोएडा शिफ्ट हो गई थीं। एक्ट्रेस ने काफी लंबे संघर्ष के बाद फिल्मी दुनिया में कदम रखा।

निम्रत पिता के निधन के बाद मां और अपनी बहन के साथ नोएडा आईं। यहां उन्होंने स्कूलिंग की। इसके बाद, उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से अपनी ग्रेजुएशन पूरी की। हालांकि, उनके परिवार की कंडीशन उस दौरान इतनी अच्छी नहीं थी। ऐसे में परिवार को सपोर्ट करने और पढ़ाई के खर्चे निकालने के लिए एक्ट्रेस ने मॉडलिंग भी की।

मॉडलिंग असाइनमेंट्स करते हुए ही निम्रत ने मुंबई जाने का फैसला किया। एक्ट्रेस आगे चलकर मुंबई शिफ्ट हुईं और साल 2004 में उन्हें सोनू निगम के म्यूजिक वीडियो से डेब्यू करने का शानदार मौका मिला। इसी के बाद, उन्होंने एक्टिंग की ट्रेनिंग और थिएटर पर फोकस किया। साल 2012 में एक्ट्रेस को फिल्म पेडलर्स में उन्होंने एक छोटा और दमदार रोल किया। फिल्म का प्रीमियर कान्स फिल्म समारोह में हुआ था, जिसमें निम्रत के काम की खूब चर्चा हुई। फिल्म द लंचबॉक्स ने निम्रत के करियर को एक नया मोड़ दिया। इरफान खान के साथ एक्ट्रेस ने इस फिल्म में स्क्रीन शेयर की। इस फिल्म को उस दौरान कई अवॉर्ड मिले। एक्ट्रेस की खूब तारीफें भी हुई। एक्ट्रेस ने बॉलीवुड के बाद अमेरिकन टीवी शो होमलैंड में भी दमदार किरदार निभाया। इसी के साथ निम्रत अब एक इंटरनेशनल स्टार बन चुकी हैं। इंटरनेशनल सिनेमा में भी एक्ट्रेस अब अपनी खास पहचान कायम कर चुकी हैं। एक्ट्रेस स्काई फोर्स और एयर लिफ्ट जैसी फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग का लोहा मनवा चुकी हैं।

# बिजनेसमैन पति और 90 के दशक की हसीना आयशा जुल्का 22 साल से क्यों है बेऔलाद?

90 के दशक की टॉप एक्ट्रेस की बात हो तो आयशा जुल्का का नाम भी इस लिस्ट में आता है। करियर के दौरान अक्षय कुमार से लेकर मिथुन चक्रवर्ती संग उनका नाम भी जुड़ा। मगर एक्ट्रेस ने सब गॉसिप्स को साइड करते हुए साल 2003 में समीर वशी से शादी कर ली। दोनों की शादी को 22 साल हो चुके हैं लेकिन खुद की कोई औलाद नहीं है। मगर वह फिर भी 160 बच्चों की मां हैं। हालिया इंटरव्यू में उन्होंने फैमिली प्लानिंग पर बात करते हुए ये कहा कि उन्हें खुद के बच्चे न होने का कोई मलाल भी नहीं है। आयशा जुल्का ने 'बॉलीवुड बबल' को दिए इंटरव्यू में, फैमिली प्लानिंग को लेकर बातचीत की। उन्होंने बताया कि बच्चे नहीं हुए।। ऐसा नहीं है। बच्चे न करना उनका खुद का फैसला था। उन्होंने ये भी माना कि उन्हें बच्चे न करने का कोई मलाल नहीं है। ये उनकी पसंद है न की दूसरों की।

**आयशा जुल्का को नहीं है बच्चों के न होने का मलाल**

आयशा जुल्का ने इंटरव्यू में ये भी बताया कि उनके बच्चे न करने के फैसले में पति और फैमिली ने भी पूरा सपोर्ट किया है। इसलिए उन्होंने कभी भी दूसरों की बातों पर गौर नहीं किया। क्योंकि उनके लिए दूसरों की बातें मायने भी नहीं रखती है। बता दें आयशा जुल्का ने 90 के दशक में इंडस्ट्री पर राज किया है। आज के समय में तगड़ी नेटवर्थ रखती हैं।

**गोद ले रखे हैं दो गांव**

आयशा जुल्का ने गुजरात के दो गांव गोद लिए हुए हं। जहां वह 160 बच्चों के खाने-पीने और पढ़ाई का खर्चा उठाती हैं। एक बार ई-टाइम्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि जब उन्होंने गांव गोद लेने का फैसला लिया तो उनके पति ने पूरा साथ दिया। आज के समय में वह 160 बच्चों की मां की तरह परवरिश कर रही हैं जहां शिक्षा से लेकर जरूरतमंद चीजों का वह सबका ख्याल रखती हैं। इन बच्चों के जरिए ही वह अपने मदरहुड को पूरा करती हैं।

**कभी जुड़ा था सितारों के साथ नाम**

करियर के दौरान आयशा जुल्का का नाम बड़े बड़े बड़े स्टार्स के साथ जुड़ा। मिथुन चक्रवर्ती, अक्षय कुमार, अरमान कोहली जैसी हस्तियां के साथ कथित रूप से उनका रिश्ता था। मगर उन्होंने कभी ये स्वीकार नहीं किया। उनके पति समीर वशी बिजनेसमैन हैं।

# अनसूया ने छोटे पर्दे पर ग्लैमर का तड़का लगाया

39 साल अनसूया भारद्वाज तेलुगु इंडस्ट्री की सबसे सफल एक्ट्रेस में से एक माना जाती हैं। उन्होंने सुपरहिट तेलुगु शो में अपनी जबरदस्त परफॉर्मेंस से खूब शोहरत बटोरी। इतनी ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए उन्हें जीरो से शुरुआत करनी पड़ी थी। अनसूया उन सितारों में से हैं, जो खुलकर बात करना और दिल की बात बिना झिझक के कह देना पसंद करते हैं। अनसूया की भी ऐसी ही आदत है। असल जिंदगी में रोजमर्रा की बातों पर हमेशा खुलकर बात करने वाली अनसूया ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कई सीक्रेट्स शेयर किए। बाहर से दिखने वाली अनसूया और घर में रहने वाली अनसूया अलग-अलग हैं, ऐसा कहते हुए उन्होंने अपनी निजी बातें शेयर कीं। इसी क्रम में उन्होंने अपनी खाने की आदतें, फिटनेस सीक्रेट्स और पीरियड्स के समय में कैसे रहती हैं, ये सब खुलकर बताया।

उन्होंने बताया कि बचपन से ही उनके घर में एक परंपरा थी, जिसे वे आज भी मानती हैं। अपने पीरियड्स के दौरान वे पांच दिनों तक घर से दूर रहती हैं। पीरियड्स के समय में वे घर की चीजों को भी नहीं छूतीं। उन्होंने कहा कि उनकी सास भी उनसे नहीं पूछतीं कि वे किस दिन पर हैं। अनसूया ने कहा कि कुछ पुरुष पीरियड्स के समय में महिलाओं को समझे बिना ही उनसे बुरा व्यवहार करते हैं, जो गलत है। उन्होंने कहा कि घर की लक्ष्मी मानी जाने वाली महिलाओं का हमारे जीवन में होना एक वरदान है, इसे समझना चाहिए। उनके ये कमेंट्स अब वायरल हो रहे हैं।

जबरदस्त ब्यूटी के रूप में सबके दिलों में जगह बनाने वाली अनसूया ने छोटे पर्दे पर ग्लैमर का तड़का लगाया है और अपनी पहचान बनाई है। अपनी बातों से मजा करते हुए और अपनी खूबसूरती से सबको मंत्रमुग्ध करते हुए उन्होंने पॉपुलैरिटी बढ़ाई है। हाल ही में जबरदस्त को अलविदा कहने वाली अनसूया अब बड़े पर्दे पर अपनी प्रतिभा दिखा रही हैं। लगातार ऑफर्स मिलते जा रहे हैं और वे सेट्स पर बिजी हैं। अलग-अलग किरदार निभाते हुए वे सिल्वर स्क्रीन पर अपनी यात्रा जारी रखे हुए हैं। कुछ ही दिनों में पवन कल्याण की फिल्म 'हरिहर वीरमल्लू' में अनसूया का जलवा देखने को मिलेगा। इस मूवी के 'कोल्लागोट्टिनादिरो' गाने में पवन के साथ उन्होंने डांस किया है। इसके लिए उन्होंने भारी भरकम फीस ली है। खबर है कि उन्हें 50 लाख रुपये का रेम्यूनरेशन मिला है। सिल्वर स्क्रीन की यात्रा के दौरान अनसूया को एक और बड़ा ऑफर मिला है। 'नागबंधम' नाम की पैन इंडिया मूवी में उन्हें एक पावरफुल रोल मिला है। फिलहाल वे इस फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर भी अनसूया का जलवा कायम है। वे लगातार ग्लैमरस लुक्स शेयर कर अपनी फॉलोइंग बढ़ा रही हैं। नियमित रूप से नेटिजन्स को अपनी खूबसूरती से मंत्रमुग्ध कर रही हैं अनसूया भारद्वाज।

# 12 सालों में टूट गई शादी तलाक के बाद बेटियों को अकेले पाल रहीं ईशा देओल?

हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की बेटी ईशा देओल ने साल 2024 में पति भरत तख्तानी से तलाक का ऐलान किया था। 12 साल तक साथ रहने के बाद कपल ने अलग होने का फैसला किया। हालांकि, शादी टूटने के बाद भी दोनों मिलकर अपनी बेटियों को पाल रहे हैं। हाल ही में ईशा देओल ने सिंगल पेरेंटिंग की चुनौतियों के बारे में बात की और बताया कि वह भरत के साथ कैसे को-पेरेंटिंग कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को किसी भी तरह की तकलीफ नहीं होनी चाहिए। माता-पिता को मिलकर काम करना चाहिए, ताकि बच्चों को किसी भी तरह की कमी महसूस न हो।

इंटरव्यू में ईशा देओल ने बताया कि उनकी बेटियां ही उनके लिए सबकुछ हैं। उन्होंने कहा, 'दो लोगों के बीच का रिश्ता खत्म हो सकता है, लेकिन जब बच्चे शामिल होते हैं, तो अपने ईगो को एक तरफ रख देना चाहिए। आखिरकार, हम इन खूबसूरत बच्चों के माता-पिता हैं। उन्हें सबसे बेस्ट देना चाहिए और मुझे लगता है कि जब आप ऐसा करने का फैसला लेते हैं, जब आप ऐसे होते हैं, तो दूसरा व्यक्ति भी साथ देता है, अगर यह संभव हो।'

**साइड में रखना पड़ता है अपना ईगो**

ईशा देओल ने कहा, 'अगर दो लोगों ने मिलकर कुछ तय किया है, तो इससे बच्चों को तकलीफ न होने दें और अपने ईगो को एक तरफ रखिए और इन नई भूमिकाओं के साथ इसे सुलझाने की कोशिश करें, जो हमने एक-दूसरे के जीवन में ली हैं। अपने बच्चों के लिए आपको एक यूनिट बनकर रहना होगा। वह यूनिट टूट नहीं सकती। शायद दूसरी यूनिट टूट गई हो, लेकिन अपने बच्चों की खातिर मिलकर रहें। मुझे लगता है कि यह बहुतों के लिए कठिन है, लेकिन आप कोशिश कीजिए। मुझे लगता है कोशिश करते रहना चाहिए और हार मत मानिए।'

**शादी के बाद एक्टिंग से क्या लिया ब्रेक?**

मां बनने के बाद अपने करियर से ब्रेक लेने के बारे में ईशा देओल से पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मैंने ब्रेक पूरी तरह से फैमिली शुरू करने के लिए था और मैं दो बार मां बनी। एक महिला के तौर पर यह मेरा चुनाव है। मैं अपने बच्चों को वो समय देना चाहती हूं और यह सही भी है। मैं हमेशा वही करना चाहती थी, जो हर लड़की चाहती है, जैसे शादी करना, घर बसाना, बच्चे करना और मैं अभी भी अपने हिस्से का काम पूरे दिल से कर रही हूं, अपनी दोनों बेटियों के लिए। उन्हें यह पसंद है कि उनकी मां एक एक्ट्रेस है।'

# आविष्कार व अनुसंधान में दक्षता से जीवन में सफलता हासिल करें विद्यार्थी : बंडारू

**चंडीगढ़,19 मार्च (एजेंसियां)।**

हरियाणा के राज्यपाल व महर्षि संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने युवाओं को सफलता का मूल मंत्र देते हुए कहा कि वे अपने जीवन में तकनीक, आविष्कार व अनुसंधान में दक्षता प्राप्त कर सफलता हासिल करें। उन्होंने संस्कृत के महत्व को बताते हुए कहा कि भारत में लगभग सभी भाषाओं का मूल संस्कृत भाषा में है। यह हर्ष का विषय है कि अब संस्कृत भाषा का प्रचार-प्रसार बढ़ रहा है।

राज्यपाल बुधवार को आरकेएसडी कॉलेज के सभागार में आयोजित महर्षि संस्कृत विश्वविद्यालय, कैथल के प्रथम दीक्षांत समारोह में 527 स्नातकों व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने विद्यार्थियों को दिए अपने संदेश में कहा कि संस्कृत भाषा ज्ञान का भंडार है। जो देश के लिए बहुत उपयोगी है। युवा आज केवल नौकरी के पीछे न भागें बल्कि संकल्प लें कि वे नौकरी देने वाले बनेंगे। स्वयं का उदहारण देते हुए महामहिम ने कहा कि वे सामान्य घर से आते हैं, लेकिन उनकी माता के अधिक से अधिक पढ़ाई करवाने के संकल्प की बदौलत वे आज राज्यपाल के पद पर हैं। जीवन में शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें भी जितना अधिक गुणवत्तापूर्वक उच्च शिक्षा होगी, देश उतना ही तरक्की करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में पहली बार नई शिक्षा नीति में हिंदी व मातृ भाषा में कोर्स सीखने की शुरुआत की गई है। विद्यार्थी हिंदी व मातृ भाषा में भी सारे कोर्स कर सकेंगे, ऐसा दिन जल्द आने वाला है। इससे जो गरीब बच्चे अंग्रेजी नहीं पढ़ पाते, वे बच्चे भी उच्च शिक्षा हासिल कर सकेंगे। हरियाणा सरकार ने भी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के फैसले अनुसार शिक्षा के लिए बजट में महत्व-पूर्ण प्रावधान किए हैं।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में रिसर्च जितना अधिक होगा, शिक्षा उतनी अधिक महत्वपूर्ण होगी। संस्कृत का स्थान भी आगे बढ़ना चाहिए। संस्कृत जितना आगे बढ़ेगी, देश उतना ही आगे बढ़ेगा। युवा अपनी भाषा में पढ़ने व बात करने में हीन भावना न लाएं बल्कि आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। विकसित भारत के लिए भारत के सांस्कृतिक ज्ञान को विश्व में ले जाना होगा। उन्होंने कहा कि आप अपने जीवन में हमेशा ऊँचा लक्ष्य रखें। उन्हें हालिस करने में अनेक चुनौतियां सामने आएगी, लेकिन इनसे घबराने की बजाए दृड़ता के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने सभी युवाओं का आह्वान किया कि वे संस्कृत भाषा का अध्ययन कर इसमें अनुसधान करें। वे वेद, पुराण, रामायण व महाभारत के ज्ञान को लोगों तक ले जाने में अपना योगदान दें। उन्होंने विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय संस्कृत भाषा में सात स्नातक, आठ स्नातकोत्तर एवं पांच डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाने में सफल रहा है। इस समय विश्वविद्यालय में वेद, ज्योतिष, संस्कृत, व्याकरण, दर्शन, हिंदू अध्ययन, धर्मशास्त्र, योग और साहित्य के पाठ्यक्रम चल रहे हैं। योग, वास्तु शास्त्र, कर्मकांड और ज्योतिष में डिप्लोमा कार्यक्रम भी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किए जा रहे हैं।

राज्यपाल ने समारोह में पांच पुस्तकों व एक शोधपत्र का विमोचन किया और बधाई देते हुए कहा कि इन पुस्तकों में समाहित ज्ञान देश को आगे ले जाएगा। उन्होंने संस्थान द्वारा चलाए गए अभियान व विद्यार्थियों के कल्याण की योजनाओं की सराहना की। साथ ही कहा कि आज दीक्षांत समारोह के दौरान 180 छात्राओं डिग्री मिली है, यह महिला उत्थान का सराहनीय कार्य है। यह भी हर्ष का विषय है कि जिले का नेतृत्व एक महिला अधिकारी कर रही हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय अधिकारियों का आह्वान किया कि अगले साल दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय परिसर में ही आयोजित किया जाए। इसके लिए 40 करोड़ की लागत से बनाए जा रहे भवन का निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जाए।

समारोह की अध्यक्षता हरियाणा के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने की और विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, महेन्द्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा सारस्वत अतिथि के रूप में सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, गुजरात के कुलपति प्रो. सुकांत कुमार सेनापति उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश चन्द्र भारद्वाज ने राज्यपाल एवं सभी सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया। यह विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह है, जिसमें वर्ष 2019 से 2024 के दौरान सभी परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई। कुल 527 विद्यार्थियों में 131 स्नातक/शास्त्री, बीए और 396 स्नातकोत्तर में आचार्य, एमए की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके विद्यार्थी शामिल रहे। इस अवसर पर 38 सर्वोत्कृष्ट विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट शैक्षिक प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक से भी सम्मानित किया गया।

# किसान कल्याण और गरीब का उत्थान हमारी प्राथमिकता : भजनलाल

**जयपुर,19 मार्च (एजेंसियां)।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आगामी राजस्थान दिवस (30 मार्च, 2025, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले वृहद् कार्यक्रमों में प्रदेश के किसान एवं वंचित वर्ग को राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करेगी। उन्होंने कहा कि 'आ-पणो अग्रणी राजस्थान' की परिकल्पना को साकार करने के लिए राज्य सरकार महत्व-पूर्ण योजनाओं को सुशासन के जरिए धरातल पर उतार रही है।

शर्मा ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से प्रदेश का किसान वर्ग लाभान्वित हो रहा है। राजस्थान दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के तहत प्रदेश के अन्नदाता को और अधिक सशक्त बनाने के लिए किसान उत्पादक संगठनों के 3 दिवसीय मेले व प्रदर्शनी का आयोजन 28 मार्च से 30 मार्च के मध्य किया जाएगा। यह आयोजन एफपीओ के लिए बाजार सम्पर्क, ब्रांड निर्माण, बिक्री संवर्धन और क्षमता विकास को मजबूत बनाने तथा एफपीओ को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने के लिए एक बाजार भी प्रदान करेगा। साथ ही, किसान कल्याण से संबंधित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनुदान हस्तांतरण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के गांव-ढाणी के अंतिम छोर पर बैठे जरूरतमंद व्यक्ति के उत्थान के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। राजस्थान दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण, निर्माण श्रमिकों को राशि हस्तांतरण, स्वामित्व योजना के तहत पट्टा वितरण, डेयरी बूथ आवंटन, विद्युत चलित चाक का वितरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के दिशा-निर्देश भी जारी किए जाएंगे।

# राजस्थान में अब तक 51 लाख 10 हजार कृषकों ने बनवाई फार्मर आईडी

## कृषक रजिस्ट्री शिविरों में प्रत्येक किसान का रजिस्ट्रेशन हो सुनिश्चित

**जयपुर,19 मार्च (एजेंसियां)।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में किसानों को सशक्त बनाने के लिए उन्हें डिजिटल रूप में सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। एग्रीस्टेक योजना में किसान रजिस्ट्री शिविरों का आयोजन 31 मार्च तक किया जा रहा है। इस योजना में राज्य के सभी जिलों में शिविर आयोजित कर किसानों की फार्मर रजिस्ट्री आईडी बनायी जा रही है।

राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को पंत कृषि भवन में वीसी के माध्यम से सभी जिला कलेक्टरों के साथ कृषि रजिस्ट्री शिविरों की प्रगति की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टेक योजनान्तर्गत फॉर्मर रजिस्ट्री शिविरों का आयोजन ग्राम स्तर पर 31 मार्च तक किया जा रहा है, जिसमें प्रत्येक कृषक का रजिस्ट्रेशन करवाया जाना सुनिश्चित किया जाये। एग्रीस्टेक शिविरों के तहत ग्राम पंचायत

स्तर पर शिविर आयोजित करवाकर किसानों की विशिष्ट आईडी बनायी जा रही है। पूरे प्रदेश में अब तक 9 हजार 805 शिविरों का आयोजन कर 51 लाख 10 हजार 310 कृषकों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि शिविर में किसान आईडी तैयार करने के साथ-साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, मंगल पशु बीमा योजना, पशु टीकाकरण, पशु चिकित्सा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं से भी किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। इस अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी 11 अंकों की प्रदान की जा रही है। भविष्य में किसानों को सरकारी योजनाओं व सेवाओं तक आसान पहुंच, प्रधानमंत्री किसान/मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, कृषि विभाग की अन्य योजन-ाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से प्राप्त आईडी उपयोगी सिद्ध होगी।

# नितिन गडकरी से मिले विधायक डॉ. सुभाष गर्ग

**भरतपुर,19 मार्च (एजेंसियां)।**

पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने बुधवार को केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी से मुलाकात की और भरतपुर को विभिन्न नेशनल हाईवेज से जोड़ने हेतु महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर चर्चा की। बैठक में एनएच-21 और एनएच-123 क्रोसिंग भरतपुर से यमुना एक्सप्रेसवे तक फोरलेन सड़क मार्ग और एनएच-21 पर जयपुर से भरतपुर ऊंचा नगला के मध्य विभिन्न फ्लाईओवर निर्माण के प्रस्ताव रखे गए।

डॉ. गर्ग ने बताया कि लोहागढ़ भरतपुर एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन केंद्र है, जहां केवला देव घना वर्ल्ड सेंचुरी स्थित है। यहां रोजाना हजारों पर्यटक आते हैं। साथ ही, यह राजस्थान का पूर्वी द्वार है, जो जेवर एयरपोर्ट, दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और वृंदावन से रोड कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भरतपुर ऊंचा नगला से एनएच-123 और एनएच-21 के क्रोसिंग से एक राष्ट्रीय राजमार्ग की आवश्यकता है, जो एनएच-44 और एनएच-123 को जोड़ते हुए यमुना एक्सप्रेसवे को कनेक्ट करेगा। इसकी अनुमानित लंबाई लगभग 52 किलोमीटर है, जो कुछ बाईपास और सर्किल जोड़ने के बाद 60 से 65 किलोमीटर तक हो सकती है।

इस राष्ट्रीय मार्ग को बनाने की कुल लागत भूमि अधिग्रहण सहित लगभग 500 करोड़ रुपये होगी। इससे न केवल आम जनता को राहत मिलेगी, बल्कि व्यापार, उद्योग और कृषि को भी बढ़ावा मिलेगा।डॉ. गर्ग ने बताया कि एनएच-21 पर जयपुर से भरतपुर ऊंचा नगला के बीच लगभग 190 किलोमीटर के मार्ग पर फ्लाईओवर गलत स्थानों पर बनाए गए हैं। ये चौराहों से 100 से 300 मीटर आगे या पीछे स्थित हैं, जिसके कारण ट्रैफिक जाम की समस्या बनी रहती है।

# महज़ 24 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से सीआरपीएफ जवान की मौत

**बीकानेर,19 मार्च (एजेंसियां)।**

बीकानेर के श्रीकोलायत के पुखराज बरेला ने जब फरवरी में सीआरपीएफ की ट्रेनिंग जॉइन की थी, तब पूरे गांव में खुशी की लहर थी। लेकिन कौन जानता था कि वर्दी पहनने के डेढ़ महीने बाद ही वह तिरंगे में लिपटकर लौटेगा। महज़ 24 साल की उम्र में दिल के दौरे ने उनकी जिंदगी छीन ली।राजगीर (बिहार) के ट्रेनिंग कैंप में सोमवार रात पुखराज अपने कमरे में गए, लेकिन सुबह जब साथी जवानों ने दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं आया। जब दरवाजा तोड़ा गया, तो वह बेसुध मिले। अस्पताल पहुंचते-पहुंचते डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।बुधवार दोपहर जब उनका पार्थिव शरीर श्रीकोलायत के हदां गांव पहुंचा, तो पूरे गांव की आंखें नम थीं। सैनिक सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। मां बदहवास हो गई, पिता का कलेजा फट पड़ा।सवाल यह है कि 24 साल के जवान को हार्ट अटैक कैसे आ सकता है? प्रारंभिक रिपोर्ट में दिल का दौरा पड़ने की बात कही गई है, लेकिन क्या ये ट्रेनिंग के दबाव का असर था? या फिर कोई अनदेखी हुई? ये जांच का विषय है।

# अधिकारियों को नहीं मिलेगा एक से अधिक खरीद केन्द्र का चार्ज : सहकारिता मंत्री

**जयपुर,19 मार्च (एजेंसियां)।**

सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य सरकार की भावना है कि किसानों को उनकी उपज का पूरा दाम मिले। उन्होंने कहा कि अप्रेल माह से शुरु की जा रही सरसों-चना खरीद की सभी तैयारियां इस प्रकार की जाएं कि किसानों को असुविधा का सामना नहीं करना पड़े और उन्हें अच्छा महसूस हो।

सहकारिता मंत्री बुधवार को नेहरू सहकार भवन में वीसी के माध्यम से सरसों-चना खरीद की पूर्व तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हैण्डलिंग और ट्रांसपोर्ट के टेंडर के प्रावधानों में शिथिलता इसलिए दी गई है ताकि प्रक्रिया में अच्छे लोग शामिल हों और किसानों को अपनी उपज बेचान के लिए परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। दक ने कहा कि यदि लगातार किसी ठेकेदार की शिकायत मिलती है तो उसे डिबार करने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने अधिकारियों को टेंडर फेल होने की स्थिति में दूसरा विकल्प तैयार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभारी अधिकारी पूरे समय खरीद केन्द्र पर मौजूद रहे और उसकी पूरी जिम्मेदारी निर्धारित हो, इसके लिए एक अधिकारी को एक से अधिक खरीद केन्द्र का चार्ज नहीं दिया जाएगा।

# पंजाब पुलिस ने खनौरी और शंभू बॉर्डर खाली कराया

## किसान नेताओं को हिरासत में लिया

**चंडीगढ़,19 मार्च (एजेंसियां)।**

पंजाब पुलिस ने खनौरी बॉर्डर और शंभू बॉर्डर को खाली करा लिया है। दोनों मोर्चों से सभी किसानों को हटा दिया गया है। पुलिस द्वारा कार्रवाई करने से पहले शंभू और खनौरी सीमा के आसपास के इलाकों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई थीं।

पुलिस ने बॉर्डर पर किसानों द्वारा लगाए गए होर्डिंग्स हटा दिए हैं और मोर्चों पर लगाए गए मंच भी हटा दिए गए हैं। पुलिस अभी भी ट्रॉलियों और अन्य अवांछित टेंटों तथा अन्य संरचनाओं को हटाने का काम कर रही है। आशा है कि पुलिस सप्ताह के अंत तक सीमा को खाली कर देगी तथा यातायात की तलाश करेगी। इससे पहले किसान नेताओं और केंद्र सरकार के बीच बुधवार को 7वें दौर की बातचीत हुई थी। सरकारी प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद थे। किसान नेता मंत्रियों से बातचीत करके लौट रहे थे। इसके बाद पंजाब पुलिस ने उन्हें मोहाली में हिरासत में ले लिया। इसमें सरवन सिंह पंधेर, अभिमन्यु कोहाड़, जगजीत सिंह दल्लेवाल, सुखविंदर कौर, काका सिंह कोटड़ा और मंजीत राय समेत कई अन्य किसान नेता शामिल हैं।

## कांग्रेस कार्यकाल में हरियाणा पुलिस में इंस्पेक्टर भर्ती मामला

# उच्च न्यायालय के फैसले के सम्बन्ध में महाविधवक्ता की राय लेगी सरकार : सैनी

**चंडीगढ़,19 मार्च (एजेंसियां)।**

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा कांग्रेस कार्यकाल में हरियाणा पुलिस में इंस्पैक्टरों के 20 पदों की भर्ती को लेकर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के फैसले के सम्बन्ध में महाविधवक्ता की राय ली जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि कोर्ट के निर्णय की अनुपालना में हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग मामले की जांच किसी स्पैसलाइजड एजेंसी से करवा सकता है तो सरकार उन्हें तुरंत सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री आज हरियाणा विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान शून्यकाल में इस भर्ती प्रक्रिया पर उठाए गए मुद्दे पर सदन में बोल रहे थे।

उन्होंने सदन को अवगत कराया कि वर्ष 2011 में एक व्यक्ति ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाए कि वर्ष 2008 में हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने हरियाणा पुलिस में इंस्पैक्टरों के 20 पदों के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू करके जो रिजल्ट निकाला था उस प्रक्रिया में कई धांधलियां हुई। लिखित परीक्षा में अव्वल आने के बावजूद इंटरव्यू में कम नंबर दिए गए। याचिकाकर्ता ने यह भी आरोप लगाया था कि दो चयनित उम्मीदवारों ने लिखित परीक्षा स्वयं नहीं दी थी। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता यदि इस निर्णय से संतुष्ट नहीं है तो अपील करना उसका कानूनी अधिकार है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि न्यायालय ने याचिकाकर्ता के सारे आरोपों की जांच के लिए एक तीन सदस्यीय कमेटी बनाई थी। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट मे प्रतिरूपण के इस आरोप पर हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने कहा कि लिखित परीक्षा की अटेंडेंस शीट अब उपलब्ध नहीं है। इसलिए इसकी जांच के लिए दोनों चयनित उम्मीदवारों की हैंडराइटिंग का सैंपल लेकर उत्तर पुस्तिका में दर्ज लिखाई का फॉरेंसिक मिलान किसी स्पेशलाइज्ड एजेंसी द्वारा किया जाना चाहिए। इस पर अपने निर्णय में लिखा कि कोर्ट जांच एजेंसी का काम नहीं कर सकती। कर्मचारी चयन आयोग के पास तथ्यों की जांच करवाने की स्वतंत्रता है।

# आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

आज का दिन अगर बहतर बनाना हैं तो सुबह सूर्य नमस्कार से दिन की शुरुआत करें । मित्रों के साथ रिश्ते पहले से बेहतर बनेंगे. घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं. संतान की खुशी बनी रहेगी. संतान को करियर में कोई बड़ी सफलता मिल सकती है. आपको किसी काम से अच्छा लाभ मिल सकता है. अगर आप नई नौकरी की तलाश में हैं, तो बड़े भाई-बहनों की मदद से आपको नौकरी मिल सकती है. आप दूसरों की खुशी के लिए हमेशा काम करने वाले रहेंगे।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

नया कारोबार चालू करना लाभदायक रहेगा परन्तु महनत करनी पडेगी किन्तु आने वाले समय में आर्थिक लाभ रहेगा. अगर प्रेम-संबंध की बात हो तो परिजनों की सलाह लेने में संकोच न करें। पारिवारिक जीवन संतोषप्रद रहेगा. प्रेम विषयों की स्थिति गंभीर हो सकती है. वैवाहिक सम्बन्ध को आगे बढाने के लिए समय अनुकूल हैं।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

आज सूर्य अष्टक का पाठ करके ही कार्य आरंभ करें दिल का भय दूर होगा इसलिए इससे परेशान ना हों और खुद को शांत रखें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है. सुख के साधन जुटेंगे. प्रसन्नता रहेगी. मित्रों और परिवारजनों का भी भरपूर सहयोग आज आपको मिलने वाला है. आज मित्रों से आपको मदद मिलने वाली है. पैतृक संपत्ति मिलने के आसार हैं. गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

आज सूर्य द्वादश नाम का जप करके सूर्य को प्रणाम करें आपको उचित समय की पहचान होगी. सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है. परिवार में भी स्थिति ठीक बनी रहेगी. बच्चों की किसी जरूरत को पूरा करने के लिये आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं. आपका दोस्त आपको कोई काम करने के लिये कह सकता है. प्राइवेट नौकरी करने वालों को अपनी वाणी पर थोड़ा ध्यान रखने की जरूरत है. सीनियर से बात करते समय आपकी जुबान फिसल सकती है. गाय और नंदी की तन-मन-धन से सेवा करें ।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आज का दिन अच्छा हैं आमदनी बढेगी आय अच्छी रहेगी किन्तु बेकार के खर्चों पर अंकुश लगाना श्रेयकर रहेगा. आपको अपने करियर में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. अथक परिश्रम उपरांत आप स्थितियों पर काबू पा पायेंगे. भावनाओं को अपने निर्णयों को निर्धारित न करने दें, निष्पक्षता बनाये रखें. व्यावसायिक एवं आर्थिक सन्दर्भ में यात्रा आपको नवीन अवसर प्रदान कर सकती है. आज आप किसी पुराने परिचित से अचानक ही मिल सकते हैं. शरीर से सम्भव है तो सूर्यास्त के बाद दूध का आहार करें ।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

आपका पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा. दिन आपके लिए बहुत ही लाभदायक है. जल्दबाजी में लेन-देन न करें. किसी छोटी सी भूल से हानि हो सकती है. अपरिचित व्यक्ति की बातों पर भरोसा न करें. कड़ी मेहनत और पर्याप्त कोशिश अच्छा फल देगी. संतान के प्रति भी चिंताएं कम होंगी. जो कार्य आप करने की योजना बना रहे थे आज उनमें गति आएगी. दोपहर के बाद आप बच्चों के साथ सैर सपाटे पर निकल जाए पूरा समय मनोरंजन मे बीतेगा ।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

आप अपने रोजगार में नई संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश करेंगे. किसी काम के लिये कई दिनों से की जा रही मेहनत का फल आपको मिल सकता है. आपको अपने बच्चों से काम में सपोर्ट मिलेगा. आपको कोई भी मौका हाथ से नहीं गंवाना चाहिए. बदलते मौसम में आपको अपने ऊपर थोड़ा ध्यान देने की जरूरत है. बहतर स्वास्थ्य के लिए आप को आपको अपने खान-पान में भी बदलाव करना चाहिए. और सुबह शाम के समय टहलना भी चाहिए।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

अपने कार्यक्षेत्र पर काम करने वाले व्यक्तियो कुछ साथ अपने सम्बन्ध अच्छे रखने होंगे । व्यर्थ की यात्राओं से बचने का प्रयास करें. हांलाकि आर्थिक रूप से समय को अनुकूल कहा जाएगा. फिर भी खर्चे पर नियंत्रण रखना श्रेयकर रहेगा. समय-समय पर परिजनों का सहयोग मिलता रहेगा. कार्य क्षेत्र पर आपके समक्ष कुछ समस्याएं आ सकती हैं अपने हाथ से गाय माता को गुड खिलाए ।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

आप की झूठ बोलने की आदत आप को हरेक समय अपने सहकर्मियों के बीच लज्जित करती हैं झूठ बोलने से बचें, और यह आपके प्रेम-संबंध को भी बिगाड़ सकता है. तनाव का तबियत पर ख़राब असर हो सकता है. धन संबंधी मामलों में बुद्धि व विवेक से फैसले लें. दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा. बच्चे को रोमांचक समाचार ला सकते हैं. आज आप ख़रीदारी के लिए निकल सकते हैं, यह समय पैसे और वित्त संबंधी मामलों में अच्छा रहेगा कुछ पैसा अपने उज्जवल भविष्य के लिए जमीन मे निवेश करदे ।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

आज सूर्य की सात प्रदक्षिणा करके निकलना चाहिए आप कोई बड़ी बिजनेस डील करने जा रहे हैं, तो आपको बहुत ही सोच-समझकर फैसले करने की जरुरत है. आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद जरूर लेनी चाहिए. आज आपको किसी सरकारी काम को पूरा करने में परेशानी आ सकती है. आपका कोई कागज पूरा न होने पर काम अटक भी सकता है. जो छात्र उच्च शिक्षा में दाखिला लेने के लिये परीक्षाएं दे रहे हैं, उन्हें मन-मुताबिक परिणाम के लिये कड़ी मेहनत करनी चाहिए. आप को अपने दोस्तों के साथ बाहर घूमने-फिरने पर अधिक पैसा खर्च करने से बचना चाहिए ।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

सुबह ओंकार का उच्चारण करके ध्यान करें । व्यवसायी संदर्भ में आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं कि आपके पास बहुत अधिक काम है. किन्तु उसे पूरा करने के लिए समय बहुत कम है. व्यावसायिक, आर्थिक और सामाजिक प्रतिबद्धता का आपके आदेशों पर एक मजबूत प्रभाव पड़ेगा. भाई-बहनों की सामाजिक स्थिति में अप्रत्याशित और अचानक वृद्धि होगी.दिन की कोई अप्रिय घटना आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है.आप प्रेमी के साथ कहीं घूमने पर जाने से बचना चाहिए।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

आज सूर्य को जल , सूर्य को नमस्कार सूर्य जप करने से शरीर मे जबरदस्त ऊर्जा और उत्साह रहेगा सकारात्मक परिणाम आंएगे और घरेलू तनाव दूर होने में मददगार मिलेगी कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें. अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं. पैसों के मामलों में सावधानी रखनी होगी. हल्का भोजन करें सेहत अनुकूल रहेगी ।

## गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 20 मार्च 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 02:48 तक
नक्षत्र : अनुराधा रात्रि 11:32 तक
योग : वज्र रात्रि 06:18 तक
करण : गर दोपहर 01:47 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 06:27 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:23 , सूर्यास्त 06:30 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 06:23 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 06:18 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : एकनाथ षष्ठी , गण्डमूल रात्रि 11:33 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# कांग्रेस के बिहार अध्यक्ष बनाए गए विधायक राजेश कुमार, राज्यसभा सांसद अखिलेश सिंह की छुट्टी

**पटना (एजेंसियां)।**

बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह की छुट्टी हो गई है। उनकी जगह दलित समुदाय से आने वाले विधायक राजेश कुमार को कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। बिहार विधानसभा चुनाव में अभी लगभग 7 महीने बाकी हैं और नए प्रदेश प्रभारी को बदलने के बाद अब बिहार प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष भी पार्टी आलाकमान ने बदल दिया है। राजेश कुमार औरंगाबाद जिला के कुटुम्बा के विधायक हैं।

कांग्रेस पार्टी में अखिलेश सिंह ला लगातार विरोध हो रहा था। उनके ही कार्यकर्ता उनपर गंभीर आरोप लगा रहे थे। यह अन्तः विरोध काफी दिनों से चल रहा था। उनके कार्यकर्ताओं का आरोप था कि कई जगह उन्होंने पार्टी का कार्यालय और जमीन उन्होंने बेच दी। साथ ही साथ में काम करने वाले कार्यकर्ताओं के साथ उनका व्यवहार भी काफी खराब थे। इसके अलावे अन्य कई कारण थे, जिस वजह से उनका लगातार विरोध हो रहा था।

पटना के बापू सभागार में राहुल गांधी का कार्यक्रम था। कार्यक्रम के दौरान कई कांग्रेस के नेता गेट पर बड़े-बड़े बैनर लेकर बिहार प्रदेश कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद के खिलाफ नारे लगाये जा रहे थे। इस संबंध में वहां मौजूद कार्यकर्ता उनपर गबन करने और तानाशाह होने का आरोप लगा रहे थे। कार्यकर्ता यह भी कह रहे थे कि हमने अखिलेश सिंह के कारनामों की शिकायत आला कमान यानी सोनिया गाँधी और राहुल गाँधी तक पहुंचाई है।

उनलोगों ने आश्वासन भी दिया है कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। अब आज कांग्रेस पार्टी ने अखिलेश प्रसाद सिंह की छुट्टी कर दी है।

राजेश कुमार उर्फ़ राजेश राम को कांग्रेस पार्टी ने बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाया है। वह औरंगाबाद जिले के कुटुंबा विधानसभा क्षेत्र से पिछले दो बार से लगातार विधायक रह रहे हैं। राजेश राम को बिहार प्रदेश कांग्रेस के नये अध्यक्ष बनाये जाने की जानकारी कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए दी है। चूंकि इसी वर्ष बिहार विधान सभा के चुनाव होने हैं, इसलिए कांग्रेस पार्टी ने अनुसूचित जाति से आने वाले राजेश राम को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कांग्रेस पार्टी के द्वारा उनका चुनाव करने के पीछे विहार विधान सभा चुनाव भी माना जाता है, ताकि जाती विशेष के वोट को खींचा जा सके। दूसरी तरफ उनकी गिनती कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में भी की जाती है।

## अगलगी में छह से अधिक घर जलकर राख

**पटना (एजेंसियां)।**

मधेपुरा सदर प्रखंड स्थित सकरपुरा गांव के वार्ड संख्या एक और छह में बीती रात एक भीषण अगलगी की घटना हुई। जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोगों के घर जलकर राख हो गए। यह हृदयविदारक घटना रात करीब तीन बजे हुई, जब अधिकांश लोग गहरी नींद में थे। अचानक लगी आग ने देखते ही देखते कई घरों को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी विकराल थी कि लोग घर छोड़कर भागने को मजबूर हो गए। ग्रामीणों ने तत्काल आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की लपटें इतनी तेज थीं कि उनके सभी प्रयास विफल साबित हो रहे थे। इस बीच फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। लेकिन स्थानीय लोगों के अनुसार दमकल की गाड़ी काफी देरी से घटनास्थल पर पहुंची। तब तक ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर किसी तरह आग पर काबू पा लिया था, लेकिन तब तक सब कुछ जलकर खाक हो चुका था।

इस अगलगी की घटना में कुमेश्वरी राम, शशि राम, अशोक राम, दिनेश राम, गुड्डू राम, सुनीता देवी, संजू देवी और मनोज शर्मा सहित कई परिवार पूरी तरह से प्रभावित हुए हैं। इनके घरों में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। इस दुर्घटना में नगद रुपये, बहुमूल्य जेवरात, कपड़े, अनाज, फर्नीचर और अन्य जरूरी सामान नष्ट हो गई। यहां तक कि कई मवेशी भी आग की चपेट में आ गए। जिसमें गाय, बकरी आदि शामिल हैं। एक बाइक भी जलकर नष्ट हो गई। सबसे दुखद बात यह रही कि इस अग्निकांड में एक मासूम बच्चा भी झुलस गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

पीड़ित परिवारों ने बताया कि उनके पास दोबारा घर बनाने और जीवन को पटरी पर लाने के लिए कोई साधन नहीं बचा है।

## व्यवसायी की गला रेतकर हत्या, घर के पास मिली लाश

**किशनगंज (एजेंसियां)।**

किशनगंज में अपराधियों ने एक व्यक्ति की गला रेत कर हत्या कर दी। घटना कोचाधामन थाना क्षेत्र के बड़ीजान पोठीमारी जागीर पंचायत के झांगीदिघी की है। मृतक की पहचान झांगीदिघी निवासी जसपाल दास उर्फ सेररी (35) के रूप में की गई है। वह मवेशी का खरीद बिक्री करता था। घटना मंगलवार रात्रि करीब 11 बजे की बताई जा रही है। इधर घटना की सूचना मिलते ही कोचाधामन थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर तहकीकात में जुट गई है।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि जसपाल दास उर्फ सेररी का शव उसके घर से करीब 500 मीटर दूरी पर सड़क किनारे पड़ा हुआ था। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष सदल बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल किशनगंज भेज दिया है।

घटना के संबंध में एसडीपीओ गौतम कुमार ने मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि मामला हत्या का है। घटना के पीछे दो-तीन मामले सामने आ रहे हैं।

एसडीपीओ गौतम कुमार ने बताया कि जसपाल दास उर्फ सेररी को किसी ने फोन करके बुलाया था। इसके बाद उसकी गला रेतकर हत्या कर दी। देर रात घटना के बाद लोगों ने उसके शव को देखा तो पुलिस को फोनकर घटना की जानकारी दी। सूचना मिल्त्ये ही थानाध्यक्ष अपनी पूरी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घटना का जायजा लिया।

कल रात में ही टेक्निकल टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। फिर डॉग स्क्वॉड की टीम को भी सूचित किया गया। फिलहाल शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। टेक्निकल टीम और डॉग स्क्वॉड की टीम जांच पड़ताल में जुटी हुई है। एसडीपीओ गौतम कुमार ने बताया कि परिवार वालों से भी पूछताछ की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा हो जाएगा।

## ईडी दफ्तर पहुंचे लालू प्रसाद, राजद समर्थकों ने की नारेबाजी

**पटना (एजेंसियां)।**

नौकरी के बदले जमीन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम आज राजद सुप्रीमो और पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू यादव से पूछताछ कर रही। उन्हें समन जारी कर 11 बजे ईडी ऑफिस में पेश होने के लिए बुलाया गया है। लालू प्रसाद तय समय से सात मिनट पहले ही ईडी दफ्तर पहुंच गए। उनके साथ राजद सांसद व उनकी बड़ी बेटी मीसा भारती भी हैं। वहीं ईडी दफ्तर के बाहर राजद कार्यकर्ताओं की काफी भीड़ है। राजद समर्थक केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। राजद प्रवक्ता शक्ति यादव ने कहा कि यह चुनावी समन है। इन सब से कोई फर्क नहीं पड़ता है। लालू परिवार डरने वाला नहीं है। चुनावी साल में भाजपा इस तरह के हथकंडे अपनाते रहती है।

इधर, तेजस्वी यादव ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सारी टीमें अब सिर्फ बिहार में ही हैं। वो हमें बुलाते हैं, हम जाते हैं, लेकिन इन जांचों का कुछ नहीं होने वाला। अगर मैं राजनीति में नहीं होता, तो मेरे खिलाफ कोई

केस नहीं बनता। लेकिन इससे हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। जितना ये लोग हमें तंग करेंगे, हम उतने ही मजबूत होंगे।

वहीं रोहिणी आचार्य ने कहा कि लालू जी ही अपने समर्थकों, कार्यकर्ताओं एवं बिहार के गरीब-गुरबों की आवाज, ताकत वब हिम्मत हैं। पिछले लगभग तीस वर्षों से लालू जी वब उनके परिवार को वंचितों की आवाज बनने, हाशिए पर खड़ी आबादी के हक़ के लिए मजबूती से खड़े रहने-लड़ने, फिरकापरस्त ताकतों को बेनकाब करने के लिए प्रताड़ना-प्रतिशोध-षड़यंत्र के तमाम प्रपंचों का सामना करना पड़ा रहा है। इसके बावजूद इसके लालू जी बिना विचलित हुए हिमालय की तरह अडिग हैं और बिहार के लोगों, राजद समर्थकों - कार्यकर्ताओं वब सामाजिक न्याय-समाजवादी विचारधारा को मानने वालों के सर्वोच्च स्तंभ और कभी न डिगने वाली सबसे मजूबूत नींव हैं।

बता दें कि इससे पहले, मंगलवार को ईडी ने लालू यादव की पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, उनकी बेटी मीसा भारती और बेटे तेज प्रताप यादव से पूछताछ की थी। इनसे करीब चार घंटे तक पूछताछ की गई थी।

इधर, पूछताछ के बाद, राज्यसभा सांसद मीसा भारती ने इस कार्रवाई को आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से जोड़ा। उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक आने के कारण ऐसी जांचें शुरू हो जाती हैं, जो राजनीति से प्रेरित हैं। तेज प्रताप यादव ने पूछताछ को लेकर किसी भी बयान देने से साफ इनकार कर दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्यों पर नौकरी के बदले लोगों से जमीन लेने या उनके परिवार को कम दाम पर बेचने के लिए दबाव बनाने का आरोप है। यह घोटाला उस समय हुआ, जब साल 2004-2009 तक लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री थे। सीबीआई ने चार्जशीट में आरोप लगाया है कि रेलमंत्री रहते हुए लालू यादव ने नियमों को ताक पर रखते हुए भर्तियां की थीं।

नौकरी के बदले जमीन मामले में ईडी की जांच चल रही है और अब तक कई बार पूछताछ की जा चुकी है। 20 जनवरी 2024 को दिल्ली और पटना टीम के ईडी अधिकारियों ने लालू यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव से 10 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की थी।

इस दौरान लालू यादव से 50 से ज्यादा सवाल किए गए थे, जिनका उन्होंने ज्यादातर हां या ना में ही जवाब दिया। पूछताछ के दौरान कई बार लालू यादव झल्ला भी गए थे। वहीं, 30 जनवरी को तेजस्वी यादव से भी लगभग 10-11 घंटे तक पूछताछ की गई थी। लैंड फॉर जॉब्स मामले में ईडी की जांच अब भी जारी है, और आगे और सवालों की उम्मीद की जा रही है।

## हादसे में महिला की मौत दो मासूम बाल-बाल बचे

**वैशाली (एजेंसियां)।**

वैशाली जिले के लालगंज थाना क्षेत्र स्थित तिनपुलवा चौक पर मंगलवार शाम एक हृदयविदारक सड़क दुर्घटना में एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौके पर ही जान चली गई, जबकि उसके पति को गंभीर चोटें आई हैं। हादसे में साथ में मौजूद दो मासूम बच्चे बाल-बाल बच गए, लेकिन मां की मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

जानकारी के मुताबिक, घटना उस वक्त हुई जब मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी थाना क्षेत्र के रामचंद्रा गांव निवासी राहुल कुमार अपनी पत्नी मनीषा कुमारी और दो छोटे बच्चों के साथ बाइक से करताहां थाना क्षेत्र के करताहा गांव में अपनी बड़ी बहन के घर जा रहे थे। जैसे ही वे लालगंज थाना क्षेत्र के तिनपुलवा चौक के पास पहुंचे, उसी दौरान हाजीपुर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मनीषा कुमारी सड़क पर गिर पड़ी और गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक लेकर घटनास्थल से फरार हो गया।

घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस और परिजनों को सूचना दी। गंभीर रूप से घायल महिला और उसके पति को आनन-फानन में सदर अस्पताल हाजीपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मनीषा कुमारी को मृत घोषित कर दिया। घायल पति का इलाज अस्पताल में चल रहा है, जबकि बच्चों को कोई गंभीर चोट नहीं आई है। बताया गया कि महिला का बड़ा पुत्र तीन साल का और छोटा पुत्र महज एक वर्ष का है।

मनीषा कुमारी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। अस्पताल परिसर में मौजूद हर शख्स इस त्रासदी से भावुक नजर आया। एक खुशहाल परिवार पलभर में टूटकर बिखर गया। बच्चों की किलकारियों के बीच मां की चिर निद्रा ने हर किसी को व्यथित कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही लालगंज थाना पुलिस सदर अस्पताल पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल ट्रक और चालक की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही वाहन और चालक की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

## 18 हजार करोड़ की लागत से बनेगा पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे छह जिलों के लिए भूमि अधिग्रहण अधिसूचना जारी

**पटना (एजेंसियां)।**

बिहार की सड़क अवसंरचना को नई दिशा देने वाली पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे परियोजना अब जमीन पर उतरने की ओर अग्रसर हो चुकी है। मंगलवार को राज्य सरकार की ओर से इस परियोजना के लिए एक अहम कदम उठाया गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसके साथ ही छह जिलों के 29 प्रखंडों के 250 से अधिक गांवों में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जा सकेगी।

इस अवसर पर राज्य के पथ निर्माण मंत्री माननीय नितिन नवीन ने कहा कि अधिसूचना जारी होना इस परियोजना की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सरकार इस परियोजना को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री नितिन नवीन ने आगे कहा कि यह एक्सप्रेसवे न केवल बिहार के सड़क नेटवर्क को मजबूती देगा, बल्कि सीमांचल क्षेत्र के समग्र विकास को भी नई गति प्रदान करेगा।

पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे बिहार की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी

सड़क परियोजनाओं में से एक है। इसकी कुल लंबाई 281.95 किलोमीटर होगी। यह एक्सप्रेसवे एनएच-22 के मीरनगर (वैशाली) से प्रारंभ होकर समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा और मधेपुरा से गुजरते हुए एनएच-27 (ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर) के चंद भट्ठी (पूर्णिया) तक जाएगा। विशेष बात यह है कि इसका निर्माण हरित क्षेत्र मार्गरेखन (ग्रीनफील्ड अलाइनमेंट) के आधार पर किया जाएगा, जिससे पर्यावरणीय संतुलन बना रहेगा और पारिस्थितिकी को कम से कम क्षति पहुंचेगी।

इस परियोजना के तहत वैशाली जिले के छह, समस्तीपुर के आठ, दरभंगा के दो, सहरसा के पांच, मधेपुरा के दो और पूर्णिया के छह प्रखंडों में भूमि अधिग्रहण किया जाएगा। इन इलाकों में एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है और अब जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी आने की संभावना है।

निर्माण कार्य के दौरान एक्सप्रेसवे में 21 वृहद पुल, 140 लघु पुल, 11 रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी), 21 इंटरचेंज और 322 बीयूपी/एलबीयूपी (ब्रिज अंडर पास/एलिवेटेड ब्रिज अंडर पास) का निर्माण किया जाएगा। यह पूरा एक्सप्रेसवे छह लेन का होगा और इसकी अनुमानित लागत 18,042.14 करोड़ आंकी गई है।

फिलहाल पटना से पूर्णिया की यात्रा में दो प्रमुख मार्गों का उपयोग होता है- पहला मार्ग मुजफ्फरपुर के जरिए एनएच-22 और एनएच-27, जिससे यात्रा में करीब 8 घंटे 30 मिनट लगते हैं। दूसरा मार्ग एनएच-31 और एनएच-231 के जरिए कोरहा (कटिहार) होकर जाता है, जिसमें भी करीब सात घंटे का समय लगता है। लेकिन इस नए एक्सप्रेसवे के निर्माण के बाद पटना से पूर्णिया की दूरी मात्र तीन घंटे में तय की जा सकेगी, जिससे यात्रियों को समय की बचत के साथ-साथ सफर में सुविधा भी होगी।

सरकार की योजना इस एक्सप्रेसवे को और अधिक प्रभावी बनाने की है। राज्य सरकार के आग्रह पर एनएचएआई द्वारा समस्तीपुर, सहरसा और मधेपुरा जिला मुख्यालयों को भी इस परियोजना से जोड़ने के लिए अलग से संपर्क मार्ग (स्पर) विकसित किए जाएंगे। इससे न केवल इन जिलों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी बल्कि स्थानीय लोगों को भी सीधे लाभ मिलेगा।

## दुकान से लौट रहे व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौके पर ही मौत

**वैशाली(एजेंसियां)।**

वैशाली जिले के पातेपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार एक शख्स की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा महुआ-पातेपुर मार्ग स्थित मजहराबाद गांव के पास हुआ, जहां एक अज्ञात वाहन ने तेज रफ्तार में बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। मृतक की पहचान हरलोचनपुर थाना क्षेत्र के मौदह बुजुर्ग गांव निवासी 48 वर्षीय शेखर ठाकुर के रूप में हुई है। वह पातेपुर के गनौर चौक पर अपनी स्टील वर्क की दुकान बंद कर घर लौट रहे थे।

जानकारी के अनुसार, शेखर ठाकुर मंगलवार की रात करीब आठ बजे अपनी दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह मजहराबाद गांव के पास पहुंचे, एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शेखर ठाकुर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही दम तोड़ दिया। वाहन चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंचते ही घायल अवस्था में पड़े युवक को स्थानीय लोगों की मदद से पातेपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक की पहचान कर उसके परिजनों को सूचना दी। जैसे ही परिजन पीएचसी पहुंचे, अपने प्रियजन को मृत अवस्था में देखकर उनका रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही पातेपुर थानाध्यक्ष शिवेंद्र नारायण सिंह पुलिस टीम के साथ पीएचसी पहुंचे और आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि अज्ञात वाहन की पहचान करने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com